ಶುಭ್ ಲಾಭ್
शुभ लाभ
DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

विधायक मुनिरत्ना ने ऐसी साजिश रची, जो दुनिया में नहीं देखी गयी ... @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । रविवार, 22 सितंबर, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-263

अफीम और ड्रग्स की कमाई, कांग्रेस ने मणिपुर में आग लगाई

खुफिया एजेंसियों ने गृह मंत्रालय को किया अलर्ट

म्यांमार से मणिपुर में घुसे 900 कुकी उग्रवादी

- नए सिरे से हिंसा फैलाने की तैयारी में कुकी, खुफिया रिपोर्ट की पुष्टि
- ईसाईयत से ज्यादा 'अफीमियत' है कुकियों को समर्थन देने की वजह

इंफाल, 21 सितंबर (एजेंसियां)। खुफिया एजेंसियों ने गृह मंत्रालय को अलर्ट किया है कि म्यांमार की तरफ से 900 कुकी अधिक उग्रवादी मणिपुर में घुस आए हैं। खुफिया एजेंसियों ने नए सिरे से खून खराबा बढ़ने की आशंका जताई है। मणिपुर में अफीम की खेती पर एकाधिकार स्थापित करने के लिए कुकी समुदाय के लोग पूरी जान लगाए हुए हैं। कुकी समुदाय ईसाई है और उन्हें तमाम ईसाई मिशनरियों, फंडिंग एजेंसियों और राजनीतिक हस्तियों से समर्थन मिल रहा है। इस समर्थन के पीछे ईसाईयत से ज्यादा अफीमियत है। अफीम और उससे बनने वाले हेरोइन जैसे खतरनाक ड्रग्स की अकूत कमाई कुकी समुदाय के समर्थन का कारण है। कुकी समुदाय का पुरजोरी से समर्थन करने वाले भारतीय राजनीतिकों में राहुल गांधी का नाम शीर्ष पर है। कांग्रेस द्वारा मणिपुर का मसला लगातार उछाले जाने की खास वजहें हैं। कोलंबिया, चीन, म्यांमार और अमेरिकी ड्रग कार्टेल मणिपुर को गोल्डन-ट्राएंगल

▶10 पर

कुकियों के सिर पर है कांग्रेस का हाथ

इंफाल, 21 सितंबर (एजेंसियां)। मणिपुर में बसे कुसी समुदाय के लोग मूलतः विदेशी मूल की कुकी जाति के हैं, जो डेढ़ सौ वर्ष पहले पहाड़ों में लाकर बसाए गए थे। ये मूलतः मंगोल नस्ल के लोग हैं। जब अंग्रेजों ने चीन में अफीम की खेती को बढ़ावा दिया तो उसके कुछ दशक बाद अंग्रेजों ने ही इन मंगोलों को बर्मा के पहाड़ी इलाकों से लाकर मणिपुर में अफीम की खेती में लगाया। तमाम कानूनों को ताक पर रख कर कुकी समुदाय के लोग अब भी अफीम की खेती करते हैं और कानून इनका हमारा कानून कुछ नहीं बिगाड़ पाता। इनके व्यवहार में अब भी वही मंगोली क्रूरता है, और व्यवस्था के प्रति प्रतिरोध का भाव है। इन्हें देश के अंदर बैठी राजनीतिक शक्तियां समर्थन देकर इनका दुस्साहस बढ़ाने का काम करती हैं।

▶10 पर

क्वाड सम्मेलन में हिस्सा लेने पीएम मोदी अमेरिका रवाना

इस यात्रा के खास परिणाम आने की उम्मीद

- सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता की मांग तेज
- संयुक्त राष्ट्र शिखर सम्मेलन को संबोधित करेंगे

नई दिल्ली/वाशिंगटन, 21 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को अपनी तीन दिवसीय अमेरिका यात्रा पर रवाना हो गए। इस यात्रा के दौरान वे वार्षिक क्वाड शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे और संयुक्त राष्ट्र महासभा में समिट ऑफ द फ्यूचर को संबोधित करेंगे। पीएम मोदी 22 सितंबर को न्यूयॉर्क में भारतीय समुदाय के लोगों को भी संबोधित करेंगे। इससे पहले वे 21 सितंबर को डेलवेयर के विलमिंगटन में क्वाड लीडर्स समिट में शामिल होंगे, जिसकी मेजबानी अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन कर रहे हैं।

अमेरिका रवाना होने के पहले प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आज मैं राष्ट्रपति जो बाइडेन द्वारा उनके गृहनगर विलमिंगटन में आयोजित क्वाड शिखर सम्मेलन में भाग लेने और न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा में भविष्य के शिखर सम्मेलन को संबोधित करने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका की तीन दिवसीय यात्रा पर जा रहा हूं। मैं क्वाड शिखर सम्मेलन के लिए

▶10 पर

पीएम मोदी अमेरिका पहुंचे, प्रवासी भारतीयों ने किया स्वागत

फिलाडेल्फिया, 21 सितंबर (एजेंसियां)। फिलाडेल्फिया अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर प्रवासी भारतीयों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पहुंचने पर गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान मोदी-मोदी के नारे गूंजते रहे। पीएम मोदी ने प्रवासी भारतीयों से मुलाकात की। भारतीयों ने होटल डू पोंट के बाहर मोदी-मोदी के नारे लगाए। वहीं पीएम मोदी रात्रि विश्राम करेंगे।

▶10 पर

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत को मिले स्थायी सदस्यता

न्यूयॉर्क, 21 सितंबर (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी राजदूत पी हरीश ने सुरक्षा परिषद में सुधार की जरूरत पर बल देते हुए कहा कि भारत अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था का एक अहम देश है, लिहाजा सुरक्षा परिषद में भारत को स्थायी सदस्यता मिलनी ही चाहिए। यह उसका वैधानिक अधिकार भी है। उन्होंने कहा, आज संशोधित सुरक्षा परिषद के विस्तार की आवश्यकता है और ज्यादातर देश इससे सहमत हैं। सभी ने एक स्वर में कहा है कि सुरक्षा परिषद को स्थायी और गैर-स्थायी दोनों श्रेणियों में विस्तार की जरूरत है।

काफी लंबे समय से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार की मांग चल रही है। भारत लगातार यूएनएसी में अपनी स्थायी सदस्यता की

▶10 पर

अमेरिका में बढ़ाई गई पीएम मोदी की सिक्योरिटी

नई दिल्ली/वाशिंगटन, 21 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार सुबह अपनी तीन दिवसीय अमेरिका यात्रा के लिए डेलावेयर रवाना हो गए। नई दिल्ली और वाशिंगटन ने बढ़ती सुरक्षा चिंताओं के कारण प्रधानमंत्री की सुरक्षा बढ़ाने पर ध्यान दिया है। अमेरिकी सीक्रेट सर्विस ने डेलावेयर और न्यूयॉर्क में उन आयोजन स्थलों और उसके आसपास सुरक्षा बढ़ा दी है, जहां पीएम मोदी जाएंगे।

सख्त सुरक्षा व्यवस्था अमेरिका में खालिस्तान समर्थक तत्वों की शैतानियों को ध्यान में रखकर किया गया है। पीएम मोदी शनिवार

▶10 पर

जम्मू कश्मीर चुनाव : मेंढर में बोले अमित शाह

पहले पाकिस्तान से डरते थे, अब पाकिस्तान मोदी से डरता है

जम्मू, 21 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। अमित शाह ने कहा, पीएम मोदी के आने बाद ओबीसी, पिछड़ों, गुर्जर बकरवाल और पहाड़ियों को आरक्षण मिला। जब मैंने बिल पेश किया, तो फारूक अब्दुल्ला की पार्टी ने विरोध किया और यहां गुर्जर भाइयों को भड़काना शुरू किया। जम्मू-कश्मीर के विधानसभा चुनाव को धार देने के लिए शनिवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मेंढर पहुंचे। जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, 90 के दशक में जम्मू कश्मीर में कितनी गोलीबारी होती थी, याद है न आपको? अब गोलीबारी होती है क्या? पहले यहां गोलीबारी इसलिए होती थी, क्योंकि पहले यहां के आका पाकिस्तान से डरते थे, अब पाकिस्तान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से डरता है। इनकी हिम्मत नहीं है गोलीबारी करने की और अगर इन्होंने गोलीबारी की तो गोली का जवाब गोले से दिया जाएगा।

अमित शाह ने विपक्ष दलों पर हमला बोलते हुए कहा कि इन लोगों (कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस) ने कहा है कि हम आरक्षण समाप्त करेंगे, जबकि हम (भाजपा) कह रहे हैं कि हम प्रमोशन में भी गुर्जर बकरवाल और पहाड़ियों को आरक्षण देंगे। पीएम मोदी के आने बाद ओबीसी, पिछड़ों, गुर्जर बकरवाल और पहाड़ियों को आरक्षण मिला। जब मैंने बिल पेश किया, तो फारूक अब्दुल्ला की पार्टी ने विरोध किया और यहां गुर्जर भाइयों को भड़काना शुरू किया। जब मैं राजौरी आया था, तब मैंने वादा किया था कि हम गुर्जर भाइयों के आरक्षण को कम नहीं करेंगे और पहाड़ियों को भी आरक्षण देंगे।

▶10 पर

नौसेना के शीर्ष कमांडरों के सम्मेलन में लिया गया फैसला

हिंद महासागर में युद्धक क्षमता बढ़ाएगी नौसेना

नई दिल्ली, 21 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय नौसेना के शीर्ष अधिकारियों ने फैसला लिया है कि वे हिंद महासागर में अपनी युद्धक क्षमता बढ़ाएंगे। यह कदम चीन की बढ़ती घुसपैठ और हिंद महासागर में देखी जा रही भू-राजनीतिक स्थिति की पृष्ठभूमि में लिया गया है। यह फैसला कमांडरों की चार दिवसीय बैठक में गहन चर्चा के बाद लिया गया।

नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने कमांडरों को संबोधित करते हुए कहा कि समुद्री सुरक्षा और तटीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तट रक्षक और अन्य समुद्री एजेंसियों को सहयोग करने की आवश्यकता है। नौसेना मुख्यालय के कमांडो और स्टाफ को एक संतुलित, बहुआयामी नेटवर्क से जुड़े बल के रूप में विकसित होना चाहिए, जो राष्ट्र के समुद्री हितों की सुरक्षा, रक्षा के लिए कभी भी, कहीं भी, किसी सी भी तरह तैयार हो। नौसेना प्रमुख ने भू-राजनीतिक माहौल में हो रहे बदलावों और समुद्री क्षेत्र में विकसित हो रहीं रणनीतियों पर भी प्रकाश डाला। बल के लिए प्राथमिकता के क्षेत्रों में सभी नौसैनिक प्लेटफॉर्म, उपकरणों और हथियारों की तत्परता सुनिश्चित करना आवश्यक है, जिसका मुख्य फोकस लक्ष्य पर गोला-बारूद पहुंचाना होगा।बैठक में समकालीन सुरक्षा परिस्थितियों

▶10 पर

तिरुपति मंदिर प्रसादम विवाद

मंदिरों से सरकार का हस्तक्षेप खत्म हो: शंकराचार्य

भोपाल, 21 सितंबर (एजेंसियां)। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद महाराज ने कहा कि देश के सभी मंदिरों की पूजा पद्धति में सरकार का हस्तक्षेप पूरी तरह समाप्त होना चाहिए, क्योंकि धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं का सही पालन केवल संस्कृति से जुड़े लोग ही कर सकते हैं। मंदिरों का प्रबंधन धर्माचार्यों के हाथों में दिया जाना चाहिए।

आंध्र प्रदेश के तिरुमला मंदिर में प्रसादम को लेकर शुरू हुए विवाद पर शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद महाराज ने कहा कि यह भक्तों की भावनाओं के साथ सबसे बड़ा खिलवाड़ हुआ है और यह जघन्य अपराध है। उन्होंने कहा कि यह अपराध किसी की हत्या करने से भी बड़ा अपराध है। इसके दोषियों को ऐसी सजा मिलनी चाहिए

▶10 पर

60 नए मेडिकल कॉलेजों से निकलेंगे विश्व के सबसे अधिक डॉक्टर

नई दिल्ली, 21 सितंबर (एजेंसियां)। 60 नए मेडिकल कॉलेज के साथ भारत सबसे ज्यादा डॉक्टर तैयार करने वाला दुनिया का पहला देश बन गया है। केंद्र सरकार ने इस शैक्षणिक सत्र से नए मेडिकल कॉलेजों को शुरू करने की मंजूरी दी है, जिसके चलते देश में मेडिकल कॉलेजों की संख्या बढ़कर 766 तक पहुंची है, जो अफ्रीका और अमेरिका की तुलना में करीब पांच से छह गुना ज्यादा है। इसी के साथ ही देश में सरकारी कॉलेजों की संख्या भी 400 का आंकड़ा पार कर गई।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने शुक्रवार को बताया कि नए मेडिकल कॉलेजों को मंजूरी मिलने के बाद एमबीबीएस सीटों में 6.30% की वृद्धि हुई है, जो 2023-24 में 1,08,940 से बढ़कर 2024-25 में 1,15,812 हो गई है। इसी तरह स्नातकोत्तर में 5.92% की वृद्धि हुई है, जो 2023-24 में 69,024 से बढ़कर 2024-25 में 73,111 तक पहुंची है। देश में अब कुल 766 में से 423 सरकारी और 343 निजी मेडिकल कॉलेज हो गए।

मेडिकल स्कूलों की विश्व निर्देशिका के मुताबिक, एमबीबीएस सीट के मामले में भारत पिछले

▶10 पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 76,270/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 90,930/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 30°

न्यूनतम : 21°

आतिशी मार्लेना बनी दिल्ली की नई मुख्यमंत्री

आतिशी समेत छह कैबिनेट मंत्रियों को दिलाई गई शपथ

नई दिल्ली, 21 सितंबर (एजेंसियां)। देश की राजधानी दिल्ली में नई सरकार की ताजपोशी हो गई। दिल्ली में आतिशी मार्लेना मंत्रिमंडल ने शनिवार को शपथ ले ली। उपराज्यपाल ने मुख्यमंत्री समेत कुल छह मंत्रियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। अरविंद केजरीवाल के इस्तीफे के बाद आम आदमी पार्टी ने नेतृत्व परिवर्तन किया। केजरीवाल सरकार में शिक्षा मंत्री रहीं आतिशी ने दिल्ली की कमान संभाल ली। दिल्ली स्थित राज निवास में आतिशी के साथ पांच अन्य मंत्रियों ने पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। नई सरकार में गोपाल राय, कैलाश गहलोत, सौरभ भारद्वाज, इमरान हुसैन और मुकेश अहलावत मंत्री बने हैं।

मुख्यमंत्री आतिशी कैबिनेट में सबसे पढ़े लिखे लोगों में शामिल हैं। उन्होंने ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी से 2006 में एमएससी की है। आतिशी ने चुनावी हलफनामे में खुद को समाजसेवक बताया है। इसके अलावा दो अन्य मंत्री गोपाल राय और कैलाश गहलोत की शैक्षिक योग्यता भी परास्नातक है। गोपाल राय ने खुद का पेशा समाजसेवा तो कैलाश गहलोत ने राजनीति बताया है। दो मंत्रियों सौरभ भारद्वाज और इमरान हुसैन ने खुद की शैक्षिक योग्यता स्नातक पेशेवर बताई है। कंप्यूटर साइंस में बीटेक सौरभ भारद्वाज पेशे से सॉफ्टवेयर कंसल्टेंट हैं। इमरान हुसैन ने बिजनेस स्टडीज में स्नातक की डिग्री ली है और अपना पेशा राजनीति बताया है। वहीं सरकार में नया चेहरा मुकेश अहलावत 12वीं पास हैं और उनका पेशा व्यवसाय है।

कैबिनेट में सम्पत्ति के मामले में कैलाश गहलोत सबसे आगे हैं। 2020 के चुनावी हलफनामे में कैलाश ने अपनी कुल सम्पत्ति 46.07 करोड़ रुपए बताई। इस मामले में दूसरा स्थान सुल्तानपुर माजरा से विधायक मुकेश अहलावत का है। मुकेश ने अपनी सम्पत्ति 6.18 करोड़ रुपए बताई थी। तीसरे स्थान पर बल्लीमारान से एमएलए इमरान हुसैन हैं जिनकी 2020 में सम्पत्ति 1.413 करोड़ रुपए थी। सम्पत्ति के मामले में मुख्यमंत्री आतिशी चौथे स्थान पर हैं। 2020 में आतिशी ने अपनी कुल सम्पत्ति 1.412 करोड़ रुपए बताई थी। पांचवें नंबर पर ग्रेटर कैलाश के विधायक सौरभ भारद्वाज हैं। सौरभ की 2020 में सम्पत्ति 1.09 करोड़ रुपए थी। इस कैबिनेट में सबसे कम सम्पत्ति वाले गोपाल राय हैं। 2020 के चुनावी हलफनामे में बाबरपुर विधायक गोपाल राय ने अपनी कुल सम्पत्ति 90.01 लाख रुपए घोषित थी।

2020 के चुनावी हलफनामे में आतिशी मार्लेना ने अपने खिलाफ एक केस दर्ज होने की जानकारी दी थी। इसके अलावा 2020 के शपथ पत्र के अनुसार, गोपाल राय के खिलाफ भी एक केस दर्ज था। चुनावी हलफनामे के अनुसार, यह केस लखनऊ के हुसैनगंज थाने में दर्ज किया गया था। 2020 को अरविंद केजरीवाल ने तीसरी बार दिल्ली की सत्ता संभाली थी। केजरीवाल के साथ छह मंत्रियों में इमरान हुसैन ने भी शपथ ली थी। इमरान हुसैन को खाद्य एवं आपूर्ति, चुनाव

▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

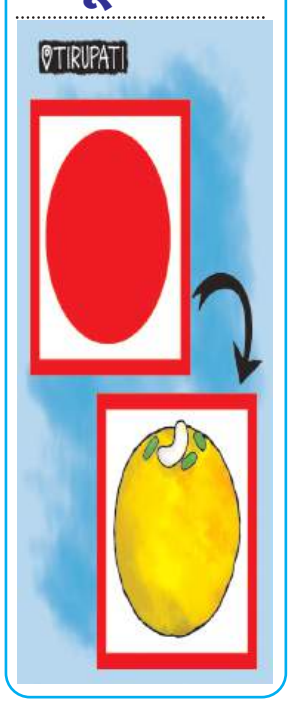

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिंदी दैनिक समाचार पत्र

अभातेयुप के 60 साल बेमिसाल के अंतर्गत मंथन कार्यक्रम का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अभातेयुप के 60 साल बेमिसाल के अंतर्गत विजयनगर परिषद ने वेस्टफोर्ट होटल के सभागार में विशेष कार्यक्रम मंथन – कल आज और कल का भव्य आयोजन किया। पधारे सभी अध्यक्षों का तिलक एवं पट्ट द्वारा स्वागत किया गया। कार्यक्रम की शुरुवात नवकार महामंत्र के मंगल मंत्रोचार से हुई। विजयगीत का संगान अशोक कोठारी, अभिषेक कावड़िया, संजय भटेवरा, पंकज कोचर द्वारा किया गया। श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन संस्थापक अध्यक्ष सुशील चौरड़िया ने किया। तेयुप विजयनगर अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा ने सभी का स्वागत करते हुए विजयनगर के गौरवशाली अध्यक्ष एवं मंत्री परंपरा का संक्षिप्त इतिहास प्रस्तुत करते सबका अभिनंदन किया। तेयुप विजयनगर के गौरवशाली इतिहास पर आधारित वीडियो की

प्रस्तुति की गई। मंथन कार्यक्रम का आयोजन विशेष रूप से परिषद् के पूर्व अध्यक्ष, मंत्री एवं वर्तमान प्रबंध मंडल की प्रारूपित बैठक के अनुसार किया गया। पूर्व अध्यक्ष एवं अभातेयुप के वरिष्ठ उपाध्यक्ष पवन मांडोत ने मंथन बैठक के उद्देश्यों एवं प्रारूप की जानकारी प्रदान करते हुए परिषद् को विकासशील बनने की प्रेरणा प्रदान देते हुए संगठन को मजबूत करने के लिए सुझाव रखे। मुख्य कार्यक्रम में तेयुप पूर्व अध्यक्ष दिनेश मरोठी, अमित दक के संयोजन में परिषद् के स्थाई आयाम एटीडीसी, आचार्य महाप्रज्ञ मेडिकल्स, प्रज्ञा केंद्र, कंप्यूटर लैब, सेवा सारथी, आचार्य तुलसी सेवा केंद्र आदि प्रकल्पों, विषयों पर सृजनात्मक चर्चा हुई। कार्यक्रम के अंत में संस्थापक अध्यक्ष सुशील चौरडिया ने अपने आपको और सभी युवाओं की ऊर्जा का समुचित उपयोग करने की बात कविता और अपने अनूठे अंदाज में रखी। उन्होंने कार्यकर्ताओं और तेयुप विजयनगर के गठन में तत्कालीन परिस्थितियों की जानकारी प्रदान की। परिषद को शून्य से शिखर तक की यात्रा का पूर्ण विवरण दिया। कार्यक्रम के संवाद, चर्चा, परिचर्चा में पूर्व अध्यक्ष राजेश चावत, राकेश दुधोडिया, महेंद्र टेबा, महावीर टेबा, श्रेयांस गोलछा, राकेश पोखरणा, मंत्री मनोज बैद, देवांग बैद, तेजमल मांडोत, तेयुप उपाध्यक्ष अशोक मारू, सहमंत्री पवन बैद, कमलेश दक, कोषाध्यक्ष अमित नाहटा, संगठन मंत्री पंकज कोचर ने सक्रियता से भाग लिया। मंथन की परिचर्चा में संगठन को केंद्र में रखकर भविष्य को उज्जवल करते हुए विकास हेतु सारगर्भित चर्चा हुई। इस कार्यक्रम में लगभग सभी प्रतिभागियों द्वारा वर्तमान नेतृत्व से विचारों का आदान-प्रदान किया गया। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार मंत्री संजय भटेवरा ने व्यक्त किया।

संसार सागर से तिरने हेतु जिनवाणी का सहारा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी स्वर्णांजना श्री जी ने अपने प्रवचन में कहा कि जिस तरह पारस का स्पर्श पाकर लोहा भी सोना बन जाता है।

उसी तरह जिनवाणी का स्पर्श पाकर हम भी शुद्ध स्वर्ण जैसे खरे बन सकते हैं। लोहे में जंग लगने के कारण इसका मोल कम है, लेकिन मेहनत करने से लोहे को जंग से मुक्त किया जा सकता है। वैसे ही हमें भी अपनी आत्मा को मान कषाय रूपी जंग से मुक्त करना है और सिद्ध गति की ओर कदम बढ़ाना है। हमारे अंतर मन में बाह्य पीड़ा और आंतरिक पीड़ा दोनों चलती रहती है, उसे संयम, चारित्र और जिनवाणी से दूर कर सकते हैं।

लवण समुद्र में भी खारे पानी के बीच एक मीठे पानी की धारा भी रहती ही है, हमें उसकी खोज करनी है और इसी तरह इस संसार से तिरने के लिए हमें जिनवाणी का सहारा लेना है।

गुरुवर्या द्वारा प्रथम दादा गुरुदेव श्री जिनदत्त सूरी जी के बचपन के नाम सोमचन्द्र के चारित्र का वांचन भी जारी है।

सदैव सत्य की राह पर चलें: राजेश मुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शांतिनगर स्थित लुणावत जैन स्थानक में विराजित राजेश मुनि ने आत्म कल्याण के लक्षणों की विवेचना की। मुनि जी ने कहा कि सदैव सत्य की राह पर चलकर ही जीवन को सुंदर बनाया जा सकता है।

सत्य का संबंध दिल से और झूठ का संबंध दिमाग से होता है। मुनि ने कहा कि हमारे जीवन की चाबी संयम के हाथ में होनी चाहिए। संयम से ही मन, वचन और काया पर नियंत्रण रखते हुए जीवन को अर्थपूर्ण बनाया जा सकता है। संयम से जीवन जिएंगे तो हमारी आत्मा का कल्याण होगा। इस संसार सागर को पार करने के लिए हमें जिनवाणी रूपी नौका का सहारा लेना चाहिए। मर्द वह होता है जिसकी बात में वजन हो और स्त्री वह होती है जिसकी आंख में शर्म होती है। मुनि ने कहा कि जिसने वर्तमान में जीना सीख लिया समझिए उसे जीवन जीने की कल आ गई। इस मौके पर ऋषभ मुनि ने भी विचार व्यक्त किए। संचालन संघ के मंत्री छगनमल लुणावत ने किया।

राज्य में सेल्फ-ड्राइविंग वाहनों के लिए 32 परीक्षण केंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

परिवहन विभाग ने राज्य में 32 स्थानों पर स्व-ड्राइविंग वाहन परीक्षण केंद्र विकसित करने के लिए सार्वजनिक-निजी भागीदारी परियोजना के लिए निविदाएं आमंत्रित करने और स्वीकार करने के लिए प्राधिकरण का गठन किया है। अतिरिक्त परिवहन आयुक्त (प्रशासन) की अध्यक्षता में एक निविदा आमंत्रण समिति का गठन किया गया है और इसमें अतिरिक्त परिवहन आयुक्त पदोन्नति (दक्षिण), राज्य सड़क सुरक्षा प्राधिकरण के आयुक्त, बेंगलूरु शहर के संयुक्त परिवहन आयुक्त, केआर पुरम के क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी सदस्य होंगे। परिवहन विभाग ने एक आदेश जारी कर परिवहन आयुक्त कार्यालय के वित्तीय सलाहकारों को समिति का सदस्य एवं मॉडरेटर नियुक्त किया है। परिवहन एवं सड़क सुरक्षा आयुक्त की अध्यक्षता में एक निविदा स्वीकृति समिति का गठन किया गया है और अतिरिक्त परिवहन आयुक्त को पदोन्नति (दक्षिण) सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया है। आने वाले वाहनों की पात्रता परीक्षण करने के लिए डिजाइन बिल्ड फाइनेंस ऑपरेट एंड ट्रांसफर मॉडल में 13 स्थानों पर तथा बिल्ड ओन ऑपरेट मॉडल में 19 स्थानों पर सार्वजनिक एवं निजी भागीदारी में स्व-संचालित परीक्षण केंद्र संचालित करने हेतु प्रशासनिक स्वीकृति का आदेश दिया गया।

न्यायाधीश के सामने रो पड़े विधायक मुनिरत्ना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अगर जरूरत पड़ी तो मैं विधायक पद से इस्तीफा देने के लिए तैयार हूं। ऐसी मानसिक प्रताड़ना कोई नहीं चाहता। आप चाहें तो अभी त्यागपत्र ले लें। बलात्कार के आरोप में गिरफ्तार भाजपा विधायक मुनिरत्ना बेंगलूरु में विशेष लोगों की अदालत के न्यायाधीश के सामने इस तरह पेश हुए। रामनगर जिले की कग्गलीपुरा पुलिस ने जांच के बाद सुबह मुनिरत्ना को अदालत में पेश किया। इस दौरान न्यायाधीशों ने आरोपियों से मामले को लेकर कुछ सवाल किये। तब मुनिरत्ना ने कहा, पांच साल बाद यह मामला सामने आया है। अगर इतना घिनौना कृत्य किया गया तो पीड़िता अब तक चुप क्यों रही? क्या आप शिकायत दर्ज नहीं करा सकते थे? उन्होंने अफसोस जताया कि यह एक व्यवस्थित राजनीतिक साजिश है। लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद मेरे खिलाफ नफरत की राजनीति की

जा रही है। तब हस्तक्षेप करने वाले न्यायाधीश ने कहा ध्यान रखें कि यह एक अदालत है। आप अपना इस्तीफा जिसे देना चाहें उसे दे दें। उन्होंने निर्देश दिया कि आप केवल उन्हीं प्रश्नों का उत्तर दें जो मैं पूछ रहा हूं। मुनिरत्ना ने आगे कहा कि यह सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी की एक सुनियोजित साजिश है। मैंने कभी किसी महिला के साथ बलात्कार नहीं किया। मैंने सार्वजनिक जीवन में अपनी गरिमा बनाए रखी है। सच बताऊं तो वह महिला मुझे अपने मोबाइल पर अश्लील वीडियो भेजती थी और उन्हें देखने के लिए उकसाती थी। मैंने ऐसा घृणित कार्य कभी नहीं किया। उन्होंने इस बात पर दुख व्यक्त किया कि मेरे निर्वाचन क्षेत्र में राजनीतिक विरोधियों ने कुछ प्रभावशाली लोगों के साथ मिलकर ऐसी साजिश को अंजाम दिया है। राजनीति में आने के बाद मेरे ऊपर ऐसे आरोप सुनने को मिलते रहते हैं। कुछ लोग सोचते हैं कि हम जैसे लोगों को सार्वजनिक क्षेत्र में नहीं होना चाहिए।

14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

इसी बीच विधायक मुनिरत्ना को कोर्ट ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया। शुक्रवार को रामनगर जिले की कग्गलीपुरा थाना पुलिस ने 10 घंटे की लंबी पूछताछ के बाद उन्हें बेंगलूरु की विशेष जन प्रतिनिधि अदालत में पेश किया। जिसके बाद न्यायाधीश संतोष गजानन भट्ट ने आरोपी मुनिरत्ना को 14 दिन तक न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया। अभी तीन दिन पहले, अदालत ने मुनिरत्ना को सशर्त जमानत दी थी, जो बीबीएमपी ठेकेदार को जातिगत दुर्व्यवहार और जान से मारने की धमकी के मामले में जेल में बंद थे। मुनिरत्ना को कग्गलीपुरा पुलिस ने तब गिरफ्तार कर लिया जब वह शुक्रवार सुबह परप्पाना अग्रहारा जेल से बाहर आ रहे थे।

जीवन की क्षणभंगुरता अटल है: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

हनुमंतनगर स्थित मरुधर केसरी दरबार में धर्मसभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए साध्वी धर्मप्रभा जी ने शनिवार को फरमाया कि समय का चक्कर अविराम गति से निरन्तर चलता रहता है। जिस प्रकार एक फूटे हुए घड़े में से एक-एक बूंद रिस कर घड़े का पूरा पानी खाली हो जाता है, वैसे ही मानव का जीवन भी प्रतिपल घटता जा रहा है। हमारी तमाम कोशिशों के बावजूद भी जीवन की क्षण भंगुरता अटल है। यह जीवन की अनिश्चितता नियति का एक फैसला है, जिसे स्वीकारने के लिए हम साधन संपन्न होते हुए भी विवश है। हमें यह भी देखना होगा कि इस जन्म को पाकर भी कहीं अपना सारा जीवन अपने शरीर को सजाने संवारनें में ही तो व्यतीत नहीं कर रहे हैं। मानव मात्र शरीर के कार्यों में इतना उलझ जाता है कि वो आत्मा के कार्यों को भुला ही बैठता है। हमारे लिए आत्म चिंतन, आत्म मनन व आत्म निरीक्षण करना परम आवश्यक है। स्मरण रखना होगा कि सोने के सदृश्य प्राप्त हुए इस जीवन को सोने के रूप में परिवर्तित करके जीने में ही जीवन की सार्थकता है। किसी संकटग्रस्त, दीन-दुःखी, असहाय की सेवा करना, सहयोग, संबल प्रदान करना चाहिए। आज के कलयुग में हंसते चेहरे कम रोते चेहरे ज्यादा नजर आएंगे।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *जय कर्नाटक संगठन द्वारा राजराजेश्वरी नगर में गणेश उत्सव का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने भगवान गणेश के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर स्वास्थ्य परीक्षण शिविर के साथ ही शिक्षण सामग्री का वितरण और अन्नदान का आयोजन किया गया। मुणोत ने चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों का आभार व्यक्त कर अन्नदान कार्यक्रम में सेवा दी। संगठन के अध्यक्ष किरण ने मुणोत को सम्मानित किया।*

येदियुरप्पा अवैध भूमि अधिसूचना रद्द करने के मामले में लोकायुक्त के समक्ष हुए पेश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

वरिष्ठ भाजपा नेता बी एस येदियुरप्पा कथित अवैध भूमि अधिसूचना रद्द करने के मामले में शनिवार को कर्नाटक लोकायुक्त के समक्ष पेश हुए। लोकायुक्त के एक सूत्र ने बताया कि लोकायुक्त की पुलिस शाखा ने येदियुरप्पा को नोटिस दिया था और उसके अनुसार वे जांच अधिकारी के समक्ष पेश हुए। समन भूमि अधिसूचना रद्द करने से संबंधित थे। यह कर्नाटक में सत्तारूढ़ कांग्रेस द्वारा लोकायुक्त से येदियुरप्पा और केंद्रीय मंत्री

एच डी कुमारस्वामी के खिलाफ यहां भूमि अधिसूचना रद्द करने के मामले में जांच में तेजी लाने के अनुरोध के दो दिन बाद आया है। गुरुवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में, मंत्रियों कृष्ण बायरे गौड़ा, दिनेश गुंडू राव और संतोष ने बेंगलूरु उत्तर के कसाबा होबली में गंगेनाहल्ली में 1.11 एकड़ भूमि की अधिसूचना रद्द करने के संबंध में दस्तावेज जारी किए। इस भूमि को 1976 में लेआउट बनाने के लिए बेंगलूरु विकास प्राधिकरण (बीडीए) द्वारा अधिग्रहित किया गया था, और इसकी अधिग्रहण प्रक्रिया 1977 में पूरी हुई थी। मंत्रियों ने कहा कि जुलाई 2010 में भूमि कुमारस्वामी के बहनोई चन्नप्पा के नाम पर पंजीकृत थी।

महिला की हत्या, फ्रिज में मिले शव के टुकड़े

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

एक जघन्य हत्या ने बेंगलूरु शहर में सनसनी फैला दी है, क्योंकि 26 वर्षीय महिला के शरीर के अंग रेफ्रिजरेटर में रखे हुए पाए गए। यह घटना व्यालिकावल पुलिस स्टेशन की सीमा के अंतर्गत मुनेश्वर ब्लॉक में स्थित पाइपलाइन हाउस इलाके में हुई। पुलिस रिपोर्ट के अनुसार, हत्या करीब 10-15 दिन पहले हुई थी। पीड़िता पिछले तीन महीने से इलाके में एक घर किराए पर लेकर रह रही थी, जिसकी पहचान महालक्ष्मी के रूप में हुई है। मुनेश्वर ब्लॉक में स्थित यह घर जयराम नाम के एक व्यक्ति का

है। प्राथमिक जांच में संदेह है कि महिला की हत्या उसके परिचित एक युवक ने की है। माना जा रहा है कि संदिग्ध ने पीड़िता के शरीर के 30 से अधिक टुकड़े किए और अवशेषों को रेफ्रिजरेटर में रख दिया। इस जघन्य अपराध की सूचना मिलने पर व्यालिकावल पुलिस अधिकारी जांच के लिए घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस उपायुक्त (केंद्रीय) शेखर भी जांच की निगरानी के लिए घटनास्थल पर पहुंचे। बेंगलूरु पुलिस अधिकारी सबूत जुटाने और इस जघन्य अपराध के पीछे के व्यक्ति की पहचान करने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं। पुलिस ने लोगों से आग्रह किया है कि वे ऐसी कोई भी जानकारी सामने लाएँ जिससे जांच में मदद मिल सके।

सरकार जेल में बंद भाजपा विधायक के खिलाफ एसआईटी जांच का देगी आदेश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक सरकार ने आरआर नगर निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा विधायक मुनिरत्ना के खिलाफ विशेष जांच दल (एसआईटी) जांच का आदेश देने का फैसला किया है, जिन पर बलात्कार और हनी ट्रैपिंग के आरोप हैं। सूत्रों ने शनिवार को इसकी पुष्टि की। सरकार जल्द ही एसआईटी के गठन का आदेश जारी करेगी और वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी बी.के. सिंह इस इकाई का नेतृत्व करेंगे। सूत्रों ने कहा कि मुनिरत्ना

के खिलाफ सभी मामलों की जांच एसआईटी द्वारा की जाएगी। दलितों और वोक्कालिगा समुदाय के खिलाफ जातिवादी गालियों का इस्तेमाल करने और एक ठेकेदार को जान से मारने की धमकी देने के संबंध में उनके खिलाफ अलग-अलग मामले दर्ज किए गए हैं। वोक्कालिगा विधायकों ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को मामले की जानकारी दी और कहा कि भाजपा विधायक मुनिरत्ना के खिलाफ कई और पीड़ित सामने आएंगे और मामले में घटनाक्रम से निपटने के लिए एक विशेष तंत्र की आवश्यकता है।

एसआईटी पीड़ितों के लिए एक हेल्पलाइन भी खोल सकती है ताकि वे आगे आकर विधायक मुनिरत्ना के खिलाफ मामला दर्ज करा सकें। वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी बी.के. सिंह ने प्रज्वल रेवन्ना से जुड़े सेक्स स्कैंडल की जांच करने वाली एसआईटी का भी नेतृत्व किया था। शुक्रवार को कर्नाटक के सांसद डी.के. सुरेश ने आरोप लगाया कि गिरफ्तार भाजपा विधायक मुनिरत्ना अपने दुश्मनों को एचआईवी संक्रमित करने की कोशिश कर रहे हैं और सरकार को इस मामले की जांच करनी चाहिए। सुरेश ने कहा भाजपा विधायक के नेतृत्व में लोगों का एक नेटवर्क दुश्मनों को एचआईवी संक्रमित करने की साजिश कर रहा था। सरकार को उन सभी लोगों की जांच करनी चाहिए जो इस नेटवर्क का हिस्सा हैं।

जैन संस्कृति की साधना आत्म भाव की साधना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

गणेश बाग में विराजित श्री विनय मुनि जी खींचन ने कहा कि जैन संस्कृति की साधना आत्म भाव की साधना है। मनोविकारों के विजय की साधना है।

वीतराग प्ररूपित धर्म में साधना का शुद्ध लक्ष्य है, मनोगत विकारों को पराजित कर सर्वतों भावेन आत्मविजय की प्रतिष्ठा ही है। जैन धर्म सदैव से यही कहता आया है कि आत्मा के अशुद्धभाव पर जीत से पांच इन्द्रियों पर जीत होती है। पांच को जीतने से दस की और दस को जीतने पर सभी शत्रुओं पर विजय हो जाती है। निशीधसूत्र अंधकार से प्रकाश की तरफ ले जाने का संदेश देता है।

विधायक मुनिरत्ना ने ऐसी साजिश रची, जो दुनिया में नहीं देखी गयी : डीके शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि आरआर नगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक मुनिरत्ना ने विपक्ष के खिलाफ एक ऐसी साजिश को अंजाम दिया है जो दुनिया में नहीं देखी गई है। उन्होंने चेतावनी दी है कि भाजपा और जेडीएस के नेताओं को सच जानकर बोलना चाहिए। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि इस मामले में कौन शामिल है। उन्होंने कहा कि हर चीज जांचने के बाद ही बात करना अच्छा है। मुनिरत्ना के मामले में एसआईटी बनाने के हमारे पार्टी विधायकों, मंत्रियों और कुछ नेताओं के अनुरोध पर ज्यादा चर्चा नहीं हुई है। लेकिन विपक्ष के नेता आर अशोक के खिलाफ साजिश की बात सुनकर मैं हैरान रह गया। उन्होंने कहा कि इस तरह की साजिश मैंने देश ही नहीं दुनिया में नहीं देखी। सीटी रवि, अशोक, विजयेंद्र, कुमारस्वामी को सच्चाई की जांच करनी चाहिए और बोलना चाहिए। मुनिरत्ना के मामले में हमें नहीं बल्कि जेडीएस और भाजपा नेताओं को जवाब देना चाहिए। वे इस मामले में बदले की राजनीति और आल-ोचना कर रहे हैं। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि कुमारस्वामी के डी-नोटिफिकेशन मामले के बारे में उन्हें ज्यादा जानकारी नहीं है। बेंगलूरु में गड्ढों को बंद करने का काम पूरा हो गया। बीबीएमपी के अधिकारी निर्देश देकर दिन-रात काम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि अपने 40 साल के जीवन में उन्होंने इस तरह का अभियान कार्य पहली बार देखा है। मैं रोडब्लॉक बंद करने की गुणवत्ता की जांच करूंगा। इसके अलावा, मैं रात में शहर का चक्कर लगाऊंगा। उन्होंने कहा कि जहां-जहां गड्ढे बंद हो गए हैं, जहां-जहां पेंडिंग हैं, वे जांच करेंगे। बीच में बारिश व अन्य दिक्कतों के कारण काम धीमा है। चाहे कुछ भी हो, हमारी प्रतिबद्धता के अनुरूप नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मुहैया करायी जायेंगी।

उन्होंने कहा कि हमारे पास अन्य राज्यों से बेहतर व्यवस्था है। उल्लेखनीय है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक मुनिरत्ना को शुक्रवार को बेंगलूरु में बलात्कार और हनी ट्रैप के आरोप में गिरफ्तार किया गया। कग्गलीपुरा पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की थी और विधायक को बेंगलूरु केंद्रीय कारागार से बाहर आने के तुरंत बाद हिरासत में ले लिया। अदालत ने गुरुवार को व्यालिकावल पुलिस थाने में दर्ज दो मामलों में उन्हें जमानत दे दी थी, जिसमें उन पर अत्याचार और जान से मारने की धमकी देने का आरोप है। पुलिस सूत्रों ने पुष्टि की है कि केंद्रीय कारागार में डिप्टी एसपी दिनाकर शेट्टी के नेतृत्व वाली टीम ने उन्हें हिरासत में लिया और गिरफ्तार कर लिया। पुलिस बलात्कार और हनी ट्रैप मामले में विधायक से पूछताछ करेगी और शनिवार को उन्हें अदालत में पेश कर सकती है। कर्नाटक पुलिस ने जेल में बंद विधायक के खिलाफ बलात्कार, हनी ट्रैप, बलात्कार की घटना का वीडियो बनाने और एक महिला सामाजिक कार्यकर्ता को धमकाने के मामले में प्राथमिकी दर्ज की थी। इससे पहले मुनिरत्ना को एक ठेकेदार को जान से मारने की धमकी देने और जातिवादी गाली देने के आरोप में बेंगलूरु सेंट्रल जेल में रखा गया था। विशेष अदालत ने इन मामलों में गुरुवार को मुनिरत्ना की जमानत याचिका मंजूर कर ली थी। रामनगर जिले की कग्गलीपुरा पुलिस ने गुरुवार को एक महिला सामाजिक कार्यकर्ता की शिकायत के बाद मुनिरत्ना के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। शिकायतकर्ता ने अपनी शिकायत में कहा कि सार्वजनिक जीवन में मुनिरत्ना से उसका परिचय हुआ था। उसने मोबाइल पर कॉल करके उससे नजदीकी बढ़ाई। वह उसे मुत्यालनगरा में अपने स्वामित्व वाले गोदाम में ले गया और उसके साथ बलात्कार किया। शिकायतकर्ता ने यह भी कहा कि उसने इस कृत्य को रिकॉर्ड किया और उसे धमकी दी कि अगर मामला सामने आया तो उसके साथ सख्ती से निपटा जाएगा। पीड़िता ने यह भी दावा किया कि उसे अलग-अलग निजी रिसॉर्ट्स में लोगों को हनीट्रैप करने के लिए मजबूर किया गया।

हनीट्रैप करने के लिए मजबूर किया

सूत्रों के अनुसार पीड़िता ने अपनी शिकायत में कहा भाजपा विधायक ने मुझे हनीट्रैप करने के लिए मजबूर किया। उसने मुझे यह काम करवाने के लिए जान से मारने की धमकी दी थी। कग्गलीपुरा पुलिस ने उसके छह साथियों विजयकुमार, किरण, लोहित, मंजूनाथ, लोकी और दो अन्य के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज की है। पीड़िता बुधवार देर रात पुलिस के पास पहुंची और डिप्टी एसपी दिनाकर शेट्टी के सामने अपना बयान दर्ज कराया। पुलिस ने गुरुवार तड़के आईपीसी की धारा 354 (ए), 354 (सी), 308, 406, 384, 120 (बी), 504, 506 और 149 के तहत मामला दर्ज किया। पुलिस ने राजराजेश्वरी नगर से विधायक पर आईटी एक्ट और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के प्रावधानों के तहत भी मामला दर्ज किया है। चूंकि घटना पहले हुई थी, इसलिए मामला आईपीसी की धाराओं के तहत दर्ज किया गया है। गुरुवार को पुलिस स्टेशन से बाहर आते समय पीड़िता ने कहा कि वह तनाव में थी और पुलिस विभाग ने उसे घटना के बारे में बात करने की अनुमति नहीं दी।

राशन कार्ड प्रणाली में अपात्रों की पहचान की जा रही : मुनियप्पा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री के.एच. मुनियप्पा ने कहा कि राशन कार्ड प्रणाली में अपात्रों की पहचान की जा रही है। नए पात्र आवेदकों का सत्यापन किया जा रहा है। इस काम में करीब एक महीने का समय लगेगा, जिसके बाद नये राशन कार्ड जारी करने की कार्रवाई की जायेगी। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि राशन कार्डों का सर्वेक्षण कराया जायेगा।

उसके बाद अंतत: पात्र लोगों को रखा जाएगा। इस बीच अधिक से अधिक लोग बीपीएल कार्ड की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसे अगले एक महीने में पूरा कर लिया जाएगा और फिर अन्नभाग्य योजना के तहत भोजन किट उपलब्ध कराने पर समीक्षा की जाएगी। यह चौंकाने वाली बात है कि तिरूपति के प्रसादम लड्डू को तैयार करने के लिए जानवरों की चर्बी का इस्तेमाल किया जाता है। ऐसा नहीं होना चाहिए था। उन्होंने कहा कि इस तरह का व्यवहार लोगों की भावनाओं के लिहाज से ठीक नहीं है। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू को जांच करानी चाहिए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। हमारे पास लड्डू बनाने के लिए आवश्यक घी की आपूर्ति करने के लिए पर्याप्त स्टॉक है। उन्होंने कहा कि घी की आपूर्ति आपसी सहमति से की जा रही है और विवाद से कोई नुकसान नहीं होगा। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा राज्य सरकार कोई नफरत की राजनीति नहीं कर रही है। उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों की आलोचनाएं बेबुनियाद हैं।

भारत के बारे में अपमानजनक बयान देने का मामला

बेंगलूरु सहित अन्य जिलों में राहुल गांधी के खिलाफ शिकायत दर्ज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के वरिष्ठ नेता चलवाडी नारायणस्वामी ने कहा कि भाजपा एससी मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष हुडी मंजूनाथ के साथ हमने शहर के हाई ग्राउंड्स पुलिस स्टेशन में राहुल गांधी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। यहां मीडिया प्रतिनिधियों से बातचीत में उन्होंने कहा विधान परिषद सदस्य एन. रविकुमार, पूर्व विधायक राजकुमार तेलकुरा, सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी और पार्टी नेता भास्कर राव, भाजपा एससी मोर्चा के राज्य उपाध्यक्ष हुडी मंजूनाथ, बेंगलूरु बार एसोसिएशन के अध्यक्ष विवेक रेड्डी, लॉ काउंसिल के राज्य समन्वयक वसंत कुमार और अन्य महत्वपूर्ण लोग वहां मौजूद थे। उन्होंने पुलिस से तुरंत एफआईआर दर्ज करने का अनुरोध किया है। इसमें गैर जमानती वारंट है। इसलिए उनके खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने विदेश में बैठकर भारत के बारे में अपमानजनक बयान दिये। उन्होंने समुदायों का अपमान करने के लिए उनकी आलोचना की। हमें लगा कि राहुल परिपक्व हैं। लेकिन अब पता चल रहा है कि वह परिपक्व नहीं हुए हैं। राहुल की दादी इंदिरा गांधी को 1977-78 में मोरारजी देसाई की सरकार के दौरान गिरफ्तार किया गया था। जब दोबारा चुनाव हुए तो इंदिरा दोबारा प्रधानमंत्री बनीं। इस दौरान बहुत कुछ हुआ, लेकिन उसका जिक्र बाहर देश में राहुल गांधी नहीं करते हैं। आप विदेश में मोदी के बारे में हल्की बातें करते हैं। उन्होंने कहा कि आपको जो भी बात करनी है, हमारे देश में करो, कांग्रेस और राहुल गांधी से इतनी बुरी स्थिति इन देशवासियों को झेलनी पड़ती है। विजयपुर, बेल-गावी, बागलकोट में भी शिकायत दर्ज कराई गई है। अन्य राज्यों में भी शिकायत दर्ज कराई गई है। उन्होंने मांग की कि बिना कोई बहाना बताए एफआईआर दर्ज की जाए। राज्य में कानून व्यवस्था पूरी तरह से खराब हो गयी है। हिंदुओं पर अत्याचार हो रहा है। वे खुद को संविधान का रक्षक कहते हैं। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि वे संविधान का अपमान करते हैं। भ्रष्टाचार पर पर्दा डालने के कारण राज्य में विकास कार्य पूरी तरह से ठप हो गये हैं।

मैसूरु दशहरा 2024 : युवा उत्सव का पोस्टर और वेबसाइट लॉन्च

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विश्व प्रसिद्ध मैसूरु दशहरा महोत्सव 2024 की तैयारियां जोरों पर चल रही हैं और शनिवार को युवा उत्सव का पोस्टर जारी करने के साथ ही दशहरा वेबसाइट लॉन्च की गई।

समाज कल्याण विभाग मंत्री और मैसूरु जिले के प्रभारी डॉ. एच.सी. महादेवप्पा ने दशहरा पोस्टर और वेबसाइट लॉन्च की। इस अवसर पर जिला आयुक्त जी. लक्ष्मीकांत रेड्डी, शहर पुलिस आयुक्त सीमा लाटकर, जीपीएम के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के. एम. गायत्री, जिला पुलिस अधीक्षक विष्णुवर्धन, अतिरिक्त जिला आयुक्त डॉ. पी. शिवराजू, समाचार एवं जनसंपर्क विभाग के सहायक निदेशक टीके हरीश एवं जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे। इससे पहले मैसूरु दशहरा के अवसर पर जिला प्रशासन की ओर से महल परिसर में महावतों और कावड़ियों के लिए नाश्ते की व्यवस्था की गई। जिला प्रभारी मंत्री डॉ. एचसी महादेवप्पा ने सभी को नाश्ता परोसा।

बाद में उन्होंने हाथियों की देखभाल कर रहे कावड़ियों और महावतों के काम की सराहना की और उनका हालचाल पूछा। इस मौके पर उन्होंने बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रम को देखा। साथ ही मंत्री ने महल परिसर में खोले गए अस्थायी स्वास्थ्य जांच केंद्र का भी दौरा किया। नरसिम्हा राज निर्वाचन क्षेत्र के विधायक तनवीर सैत, जिला कलेक्टर जी. लक्ष्मीकांत रेड्डी, जिला पंचायत के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के.एम. गायत्री अन्य उपस्थित थे।

मुनिरत्ना के नाम वाले स्लैब पर कांग्रसियों ने लगाया सीमेंट

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जान से मारने की धमकी, जातिगत दुर्व्यवहार और हनीट्रैपिंग के आरोपी विधायक मुनिरत्ना के खिलाफ राजराजेश्वरी नगर में गुस्सा फूट पड़ा है। वहां के लोगों ने जहां भी मुनिरत्ना का नाम देखा उस पर कालिख पोतना शुरू कर दिया। इतना ही नहीं, लोगों ने नाले के स्लैब पर लिखे मुनिरत्ना के नाम पर सीमेंट लगाकर अपना आक्रोश व्यक्त किया। जब वह विधायक चुने गए, तो मुनिरत्ना ने उन सभी स्लैबों पर अपना नाम लिखवाया था, जहां आरआर नगर निर्वाचन क्षेत्र में सीवेज का काम चल रहा था। अधिकांश सीवर स्लैबों पर मुनिरत्ना का नाम अंकित था। अब कांग्रेस कार्यकर्ता सभी स्लैब पर सीमेंट लगा रहे हैं।

निर्माण श्रमिकों के बच्चों के लिए शिक्षा अनुदान हेतु आवेदन आमंत्रण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक भवन और अन्य निर्माण श्रमिक कल्याण बोर्ड ने शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए पात्र पंजीकृत भवन और अन्य निर्माण श्रमिकों की शिक्षा के लिए राज्य छात्रवृत्ति योजना (एसएसपी) के माध्यम से आ-वेदन आमंत्रित किए हैं। शैक्षिक सहायता के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 30 नवंबर है। जिन लाभार्थियों ने वर्तमान लाइन के लिए सरकार के विभिन्न विभागों में राज्य छात्रवृत्ति योजना (एसएसपी) के माध्यम से पहले ही आवेदन कर दिया है, उन्हें दोबारा आवेदन करने की आवश्यकता नहीं है। पात्र भवन और अन्य निर्माण श्रमिकों के बच्चों को आधार से जुड़े सॉफ्टवेयर के माध्यम से शैक्षिक सब्सिडी (एसएसपी) प्राप्त करने के लिए वेबसाइट का उपयोग करके बोर्ड के सॉफ्टवेयर में अपना पंजीकरण नंबर दर्ज करना चाहिए। सभी श्रमिक जिन्होंने पहले से ही आधार संख्या को लिंक नहीं किया है, उन्हें तुरंत आधार संख्या को बैंक खाते के साथ पंजीकृत करना चाहिए और एनपीसीआई मैपिंग करानी चाहिए क्योंकि एसएसपी सॉफ्टवेयर के माध्यम से शैक्षिक वित्त पोषण प्राप्त करना आवश्यक है। यहां जारी एक विज्ञप्ति में कर्नाटक भवन और अन्य निर्माण श्रमिक कल्याण बोर्ड के सचिव ने कहा कि वर्ष 2024-25 के लिए शैक्षिक सहायता निधि के लिए बोर्ड द्वारा आवंटित बजट के अनुसार, धनराशि उन पात्र लाभार्थियों को वितरित की जाएगी, जिन्होंने शैक्षिक सहायता के लिए आवेदन किया है।

पुलिस मुठभेड़ के बाद हत्या का आरोपी गिरफ्तार

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिले के मद्याला गांव में शनिवार को पुलिस के साथ मुठभेड़ के बाद हत्या समेत 11 मामलों में वांछित एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। आरोपी लक्ष्मण पुजारी के बारे में मिली सूचना पर कार्रवाई करते हुए, अफजलपुर पुलिसकर्मियों ने पीएसआई सोमलिंगा वाडियार के नेतृत्व में मद्याला गांव में छापा मारा। जब पुलिस टीम ने पुजारी को घेर लिया और उसे आत्मसमर्पण करने के लिए कहा, तो आरोपी ने पुलिस टीम पर हमला कर दिया। वाडियार ने जवाबी कार्रवाई करते हुए पुजारी के दाहिने पैर में गोली मार दी। पुजारी को गिरफ्तार कर अस्प-

ताल ले जाया गया। वह पूर्व ग्राम पंचायत सदस्य विश्वनाथ जामदार की गोलीबारी के मामले में मुख्य आरोपी था। पुलिस ने आगे कहा कि पुजारी ने बेंगलूरु और कलबुर्गी जिले को बंदूकें सप्लाई की थीं। पुलिस अब बंदूकों की आपूर्ति श्रृंखला की जांच कर रही है और आरोपियों से हथियार खरीदने वालों के बारे में भी जानकारी जुटा रही है। 13 सितंबर को जामदार की अलंद तालुक के जिदागा क्रॉस के पास उस समय हत्या कर दी गई थी, जब वह अपने बेटे को स्कूल छोड़ने के बाद बाइक से घर लौट रहा था। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि बाइक सवार दो हमलावरों ने जामदार पर गोलियां चलाईं और उसकी हत्या कर दी। हमलावरों ने जामदार के सिर में तीन गोलियां मारी और मौके से फरार हो गए। वारदात को सुनसान जगह पर अंजाम दिया गया। हालांकि, कुछ देर बाद राहगीरों ने शव को देखा और पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और मामला दर्ज किया। पुलिस हमलावरों और साजिशकर्ताओं के बारे में जानकारी जुटाने के लिए मामले में पुजारी से पूछताछ करने की तैयारी कर रही है। इस बीच, भाजपा ने जिले में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर चिंता जताई है, जिसका प्रतिनिधित्व राज्य के सूचना प्रौद्योगिकी और जैव-प्रौद्योगिकी मंत्री प्रियांक खड़गे कर रहे हैं। भाजपा ने यह भी दावा किया कि पुलिस उसके कार्यकर्ताओं को निशाना बना रही है। हालांकि, कलबुर्गी के जिला प्रभारी मंत्री खड़गे ने कानून-व्यवस्था को बिगाड़ने वाले उपद्रवियों के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई की चेतावनी दी है।

बिना डॉक्टर से पूछें न लें खांसी सिरप

खांसी होने पर सामान्यत हम कैमिस्ट से कफ सिरप ले आते हैं। लेकिन इनका प्रयोग विशेषज्ञ की सलाहानुसार ही किया जाना चाहिए क्योंकि यह अलग-अलग कारणों से विभिन्न प्रकार की हो सकती है। एंटीबायोटिक बैक्टीरिया के संक्रमण से खांसी होने पर इसे एंटीबायोटिक से नियंत्रित किया जाता है। एंटी-हिस्टामाइन्स एलर्जी, खाने की दवा के रिएक्शन से खांसी होने पर एंटी-हिस्टामाइन्स कारगर मानी जाती है।

आपके लिए खतरनाक है धूम्रपान

शोध से यह पता चलता है कि धूम्रपान और मानसिक स्वास्थ्य का परस्पर घनिष्ठ संबंध है। 2700 लोगों पर एक शोध किया गया और पाया गया कि धूम्रपान करने वाले व्यक्ति, उन व्यक्तियों की तुलना में जो धूम्रपान नहीं करते, अधिक चिंतित व उदास रहते हैं। उनका मानसिक स्वास्थ्य सही नहीं रहता। जो लोग इस आदत से छुटकारा नहीं पा सकते, उनके मानसिक स्वास्थ्य पर तो इसका बहुत ही बुरा असर पड़ता है।

मिट्टी में सोने के अद्भुत फायदे

मिट्टी में सोने से कई फायदे होते हैं। इसका उपयोग कई तरह के रोगों के इलाज में भी किया जाता है। इससे नींद न आना, स्नायु की कमजोरी और खून की खराबी आदि रोग दूर होते हैं। इसके अलावा मिट्टी की मालिश-मिट्टी को शरीर पर अच्छी तरह से मलने से और शरीर पर लगाने से जहरीले तत्व शरीर से बाहर निकल जाते हैं। साबुन के स्थान पर शुद्ध मिट्टी लगाकर नहाने से कई प्रकार के रोगों में फायदा होता है।

घरेलू उपचार

पित्त और कफ विकारों में गूलर का चमत्कार...

मोरासी परिवारी का सदस्य गूलर लंबी आयु वाला वृक्ष है। इसका वनस्पतिक नाम फीकुस ग्लोमेराता रौक्सबुर्ग है। यह सम्पूर्ण भारत में पाया जाता है। यह नदी-नालों के किनारे एवं दलदले स्थानों पर उगता है। इसके फल गोल, गुच्छों में लगते हैं। फल मार्च से जून तक आते हैं। कच्चा फल छोटा हरा होता है पकने पर फल मीठे, मुलायम तथा छोटे-छोटे दानों से युक्त होते हैं। इसका फल देखने में अंजीर के फल जैसा लगता है। इसके तने से क्षीर निकलता है। आयुर्वेदिक चिकित्सकों के अनुसार गूलर का कच्चा फल कसैला और दाहनाशक है। पका हुआ गूलर रुचिकारक, मीठा गूलर शीतल, पित्तशामक, तृषाशामक, श्रमहर, कब्ज मिटाने वाला तथा पौष्टिक है। इसकी जड़ में रक्तस्राव रोकने तथा जलन शांत करने का गुण है। गूलर के कच्चे फलों की सब्जी बनाई जाती है तथा पके फल खाए जाते हैं। इसकी छाल का चूर्ण बनाकर या अन्य प्रकार से उपयोग किया जाता है। गूलर के नियमित सेवन से शरीर में पित्त एवं कफ का संतुलन बना रहता है। इसलिए पित्त एवं कफ विकार नहीं होते। साथ ही इससे उदरस्थ अग्नि एवं दाह भी शांत होते हैं। पित्त रोगों में इसके पत्तों के चूर्ण का शहद के साथ सेवन भी फायदेमंद होता है।

मधुमेह में राहतः गूलर की छाल ग्राही है, रक्तस्राव को बंद करती है। साथ ही यह मधुमेह में भी लाभप्रद है। गूलर के कोमल-ताजा पत्तों का रस शहद में मिलाकर पीने से भी मधुमेह में राहत मिलती है। इससे पेशाब में शर्करा की मात्रा भी कम हो जाती है।

बवासीर में फायदेमंदः गूलर के तने का दूध बवासीर एवं दस्त के लिए श्रेष्ठ दवा है। खूनी बवासीर के रोगी को गूलर के ताजा पत्तों का रस पिलाना चाहिए। इसके नियमित सेवन से त्वचा का रंग भी निखरने लगता है।

बिवाई फटने परः हाथ-पैरों की त्वचा फटने या बिवाई फटने पर गूलर के तने के दूध का लेप करने से आराम मिलता है, पीड़ा से छुटकारा मिलता है। गूलर से स्त्रियों की मासिक धर्म संबंधी अनियमितताएं भी दूर होती हैं। स्त्रियों में मासिक धर्म के दौरान अधिक रक्तस्राव होने पर इसकी छाल के काढ़े का सेवन करना चाहिए। इससे अत्याधिक बहाव रुक जाता है। ऐसा होने पर गूलर के पके हुए फलों के रस में खांड या शहद मिलाकर पीना भी लाभदायक होता है।

मुंह के छालेः मुंह के छाले हों तो गूलर के पत्तों या छाल का काढ़ा मुंह में भरकर कुछ देर रखना चाहिए। इससे फायदा होता है। इससे दांत हिलने तथा मसूढ़ों से खून आने जैसी व्याधियों का निदान भी हो जाता है। यह क्रिया लगभग दो सप्ताह तक प्रतिदिन नियमित रूप से करें।

जलने परः आग से या अन्य किसी प्रकार से जल जाने पर प्रभावित स्थान पर गूलर की छाल को लेप करने से जलन शांत हो जाती है। इससे खून का बहना भी बंद हो जाता है। पके हुए गूलर के शरबत में शक्कर, खांड या शहद मिलाकर सेवन करने से गर्मियों में पैदा होने वाली जलन तथा तृषा शांत होती है।

नेत्र विकारः आंखों में पानी आना, जलन होना आदि के उपचार में भी गूलर उपयोगी है। इसके लिए गूलर के पत्तों का काढ़ा बनाकर उसे साफ और महीन कपड़े से छान लें। ठंडा होने पर इसकी दो-दो बूंद दिन में तीन बार आंखों में डालने से नेत्र ज्योति भी बढ़ती है। नकसीर फूटती हो तो ताजा एवं पके हुए गूलर के लगभग 25 मिली लीटर रस में गुड़ या शहद मिलाकर सेवन करने या नकसीर फूटना बंद हो जाती है। किसी भी दवा का सेवन डॉक्टर या वैद्य की सलाह से ही करें।

सेहतमंद रहने की अनोखी विधि

मामूली खर्च

- अपनाएं गंडूषकर्म या ऑइल पुलिंग तकनीक
- शरीर से विषों को निकालने की आयुर्वेद विधि
- छोटे से छोटे, बड़े से बड़े और नए तथा पुराने रोगों से छुटकारा
- पश्चिमी जगत में बहुत लोकप्रिय, भारतीय नहीं जानते

मामूली से खर्च में हमेशा स्वस्थ और ऊर्जावान रहने की विधि है गंडूषकर्म या तेल चूषण विधि। मुख के अंदर तेल भरकर कुछ समय तक रखने या चूसने मात्र से अनेकानेक रोगों से छुटकारा मिल सकता है। यह बहुत पुरानी आयुर्वेद की चिकित्सा है जिसको आज सिर्फ कुछ गिने चुने लोग ही जानते हैं। आज पश्चिमी जगत इसको आइल पुलिंग थेरेपी के नाम से जानता है। आयल पुलिंग शरीर से विषों को निकाल डी टॉक्सिफाई करने की आसान सरल और सस्ती विधि है। छोटे से छोटे, बड़े से बड़े और नए तथा पुराने रोगों से छुटकारा दिलाने में बहुत अहम है यह प्रक्रिया। यह विधि आज पश्चिमी जगत में बहुत लोकप्रिय है, मगर दुर्भाग्य है कि भारत के लोग ही इसको नहीं जानते। आज हम आपको इसी विधि के बारे में बताएंगे। इससे शरीर विषमुक्त तो होगा ही साथ ही साथ नई ऊर्जा और रोग मुक्त हो कर आप बिल्कुल नया अनुभव करेंगे।

आश्चर्यजनक शोध

ऑइल पुलिंग को आयुर्वेद में गंडूषकर्म के नाम से जाना जाता है। इस तकनीक पर हाल के ही दिनों में कुछ शोधकर्ताओं ने शोध भी किए हैं और उनके परिणाम इतने सकारात्मक निकले हैं कि भरोसा करना मुश्किल है। कुछ रोगों में तो लाभ महज दो दिनों में ही सामने आ जाता है, जबकि कुछ में एक साल का समय लग जाता है। आमतौर पर फायदे के लिए ऑइल पुलिंग तकनीक को कम से कम लगातार चालीस से पचास दिनों तक प्रयोग में लाए जाने के आवश्यकता होती है।

आइल पुलिंग की विधि

सवेरे उठकर मुंह साफ करने के बाद लेकिन नाश्ते से पहले एक बड़ा चम्मच 10 एमएल सूरजमुखी का तेल, या तिल का तेल, या मूंगफली का तेल लीजिए, इसको मुंह में भर लेने के बाद मुंह बंद रखकर उसे मुंह में घुमाए और दांतो से खींचे और ऐसा 15-20 मिनट तक करें। अन्य शब्दों में, तेल को चबाने की क्रिया करे। चबाते समय ठोड़ी को हिलाएं (घोड़े द्वारा दाना खाने के समान)। इससे अच्छी लार बनती है और मुख की श्लैष्मिक झिल्ली के माध्यम से रक्तदोष और विष खींच लिए जाते हैं। मुंह में तेल भरकर इस क्रिया को करने से 15-20 मिनट में तेल दूषित, पतला और सफेद हो जाता हैं। इसके बाद दूषित तेल को थूक दीजिए।

कुछ सावधानियां रखें

किसी भी हालत में इस जहरीले तेल को निगलना नहीं हैं। इसके बाद मुंह को अच्छी तरह धो लीजिए और दातुन या दंत मंजन कर लीजिये। आइल पुलिंग के बाद शरीर के जहरीले तत्व तेल के साथ मुंह में आ जाते हैं। यह चिकित्सा रोगी को अपने रोग अनुसार दिन में दो या तीन बार करनी चाहिए। ध्यान रहे यह करने से पहले पेट खाली ही हो, अर्थात भोजन के पहले ही करना है।

ताजे और पुराने रोग

ताजे रोग और प्रारंभिक चिकित्सा काल के संक्रमण 2 से 4 दिन में शीघ्रता से ठीक हो जाते हैं परंतु पुरानी बीमारियां ठीक होने में अधिक समय लग जाता है। अतः चिकित्सा प्रक्रिया छोड़नी नहीं चाहिए। प्रयोग के प्रारंभ में खासकर एक से अधिक रोग वाले रोगी की तकलीफे बढ़ सकती हैं। जैसे शरीर का तापमान बढ़ जाना इत्यादि। ऐसी स्थिति में घबराकर चिकित्सा नहीं छोड़ें। बिना किसी दखल के अपने आप सब ठीक हो जाता है। ऐसे लक्षण इस बात का सूचक हैं के रोग खत्म हो रहा है और चय अपचय बढ़ने से रोगी का स्वास्थ्य सुधर रहा है।

ये हैं फायदे

आयल पुलिंग से विषैले ट्यूमर का बनना रुक जाता है और धीरे धीरे रोग समाप्त हो जाता है। इसके परिणाम से आंखों के नीचे काले घेरे मिट जाते हैं और ताजगी, स्फूर्ति, शक्ति, स्मरणशक्ति, बढ़ जाती है।

इन बीमारियों से छुटकारा आइल पुलिंग से निरंतर स्वस्थ रहने को तो बल मिलता है। इसके इलावा जिन रोगो के ठीक होने का दावा विज्ञान भी करता है उनमें खास हैं दांतों की बीमारियां, मसूड़ों से खून का बहना, दांत दर्द, दांतो का पीलापन, पुराने रक्त रोग, झाइयां, झुर्रियां, सिरदर्द, श्वासनली की सूजन (ब्रोंकाइटिस), थ्रोम्बोसिस, हृदय रोग, गुर्दे और मूत्र संबंधी बीमारियां, पेट, फेफड़े और जिगर के रोग, अस्थिरोग, चर्मरोग, स्नायु रोग, पक्षाघात, अनिद्रा आदि। यह प्रक्रिया कैंसर में भी बहुत लाभदायक है।

इंटरेस्टिंग फैक्ट

ब्रेन के हुनर की वजह से यात्रा के दौरान आती है मितली...

बस या कार में यात्रा करते हुए जी मचलना या उल्टी आना, ऐसी परेशानी बहुत लोगों को होती है। असल में ऐसा मस्तिष्क के जबरदस्त हुनर के चलते होता है। बस, कार, विमान या पानी के जहाज में यात्रा करने के दौरान शरीर और मस्तिष्क के बीच एक असमंजस की स्थिति बन जाती है। यात्रा के दौरान दिमाग को ऐसा लगता है जैसे शरीर में जहर फैल रहा है। जान बचाने के लिए मस्तिष्क हरकत में आता है। जी मचलने लगता है और उल्टी सी आने लगती है। इस तरह दिमाग शरीर से विषैले तत्वों को बाहर करने की कोशिश करता है। लेकिन दिमाग को ऐसे संकेत मिलते क्यों हैं? इसका कारण समझाते हुए डॉक्टर कहते हैं कि यात्रा के दौरान सीट पर बैठा इंसान स्थिर होता है लेकिन कान लगातार गति की आवाज मस्तिष्क तक पहुंचा रहे होते हैं। कान, दिमाग को बताते हैं कि हम गतिशील है। एक तरफ स्थिर शरीर होता है तो दूसरी तरफ गति से जुड़ी जानकारी। ऐसी परस्पर विरोधाभासी जानकारी मिलने पर मस्तिष्क को लगने लगता है कि कुछ गड़बड़ हो रही है।

कान के भीतर बैलेंस सेंसर

अगर आप पानी के जहाज में बैठे हैं और बाहर सब एक समान है तो आपकी आंखें गति की जानकारी नहीं देती हैं, लेकिन हमारे कानों में द्रवीय पदार्थ होते हैं जो भौतिक विज्ञान के सिद्धांतों पर चलते हैं। गति के दौरान ये द्रवीय पदार्थ गतिमान होते हैं। ऐसी स्थिति में मस्तिष्क को कई तरह के सिग्नल मिलते हैं। मांसपेशियां और आंखें बता रही होती हैं कि हम स्थिर हैं और कान के बैलेंस सेंसर कह रहे होते हैं कि हम गतिमान हैं। ये दोनों विरोधाभासी संकेत सही नहीं हो सकते। दिमाग को पता चल जाता है कि कुछ गड़बड़ है। लाखों साल के क्रमिक विकास के दौरान दिमाग यह सीख चुका है कि ऐसी गड़बड़ तभी होती है जब शरीर के भीतर विषैले तत्व आ जाएं। उनसे निपटने के लिए ब्रेन तुरंत हरकत में आता है और मितली सी आने लगती है या उल्टी होने लगती है।

कैसे बचें

यात्रा के दौरान आगे तरफ देखते हुए अगर आंखें खुली रखी जाएं तो काफी आराम मिलता है। असल में ऐसा करने से दिमाग को पता चलता है कि हम गतिमान हैं और वह इस तथ्य को स्वीकार कर लेता है और बचाव की मुद्रा में नहीं आता है। आम तौर पर बच्चों या कम सफर करने वालों को ऐसी समस्या सबसे ज्यादा होती है। बच्चों का दिमाग विकास कर रहा होता है, वह यात्रा करने का आदी नहीं होता, इसीलिए बचपन में ऐसी तकलीफ ज्यादा होती है लेकिन धीरे धीरे उम्र बढ़ने और यात्रा के बढ़ते अनुभव के साथ मस्तिष्क इसे समझ जाता है और तालमेल बैठा लेता है।

समाजशास्त्र में बेहतर करियर ...

मानव समाज के अध्ययन को समाजशास्त्र कहते हैं। भौगोलिक परिस्थितियों के अनुसार पूरी दुनिया में मनुष्य की सामाजिक संरचना बदल जाती है। हर समाज की अलग- अलग परंपराएं होती हैं। आधुनिकीकरण और बढ़ती सामाजिक जटिलताओं के कारण अब समाजशास्त्र के अंतर्गत चिकित्सा, सैन्य संगठन, जन संपर्क और वैज्ञानिक ज्ञान का भी अध्ययन किया जाता है। आर्थिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक प्रणालियों सहित समाजशास्त्र की शुरुआत भी पश्चिमी देशों से ही हुई। समाजशास्त्र, समाज में रहने वाले लोगों से जुड़ा हुआ विषय है। सीधा समाज से जुड़ा होने के कारण आज के दौर में इसका बड़ा महत्त्व है। मौजूदा दौर में इसकी तुलना एमबीए से की जाती है। इसमें रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। यह विषय न केवल साधारण है बल्कि रोचक भी है। समाज की जीवन में अहम भूमिका है और इसी समाज का अध्ययन इस विषय में किया जाता है। यही वजह है कि इस विषय का इतना महत्त्व है।

शैक्षणिक योग्यता

समाजशास्त्र में विशेषज्ञता हासिल करने के लिए कला संकाय में स्नातक होना आवश्यक है। इसके साथ सोशल साइंस, पोलिटिकल साइंस, इंटरनेशनल रिलेशन, साइकोलॉजी और ह्यूमेनिटी का व्यावहारिक ज्ञान होना जरूरी है। पोस्ट ग्रेजुएशन के बाद इसमें पीएचडी की जा सकती है।

समाज शास्त्र का इतिहास

ऐसा माना जाता है कि 14वीं शताब्दी के उत्तर अफ्रीकी अरब विद्वान इब्न खल्दून प्रथम समाजशास्त्री थे, जिन्होंने सामाजिक एकता और सामाजिक संघर्ष के वैज्ञानिक सिद्धांतों को पहली बार उजागर किया। एक विषय के रूप में समाजशास्त्र की शुरुआत सबसे पहले 1890 में अमरीका के कंसास विश्वविद्यालय में हुई। 1891 ई. में कंसास विश्वविद्यालय में इतिहास और समाजशास्त्र विभाग की स्थापना की गई। समाजशास्त्र में अंतरराष्ट्रीय सहयोग 1895 में शुरू हुआ। 1905 में सारी दुनिया के पेशेवर समाजशास्त्रियों के संगठन की स्थापना हुई। एक विषय के रूप में समाशास्त्र सर्वप्रथम 1890 में अमरीका के कंसास विश्वविद्यालय में पढ़ाया गया।

क्यों खास है समाजशास्त्र

मनुष्य एक समाजिक प्राणी है। बिना समाज के मनुष्य जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। इस वजह से समाज का महत्त्व बढ़ा है और जरूरत बढ़ी है समाजशास्त्र की। समाजशास्त्र यह जानने के लिए जरूरी है कि जिन परिस्थितियों में हम रह रहे हैं, उनकी विसंगतियों को कैसे दूर किया जाए। इस तरह यह अपने पारंपरिक मूल्यों व बाहरी दुनिया के बीच संतुलन बनाने तथा व्यक्तिगत व सार्वजनिक क्रियाओं को पूरा करने का विवेक भी देता है। एक तरह से कहा जाए तो सभी तरह की नीतियों और रणनीतियों का संबंध मानव जीवन की उन्नति से जुड़ा होता है। इसलिए करियर के लिहाज से इस विषय का महत्त्व स्वता ही बढ़ जाता है। मानव सभ्यता, संस्कृति, सोसायटी, जातीयता और सामाजिक संगठन आदि की जानकारी से हम अपने वर्तमान को अधिक बेहतर बना सकते हैं।

रोजगारपरक है विषय

देश में नए उद्योग, विद्युत प्रोजेक्ट और सीमेंट कारखाने लग रहे हैं। यहां पर इस विषय के जानकारों की जरूरत है। यह एक प्रोफेशनल विषय है। यदि आपको नौकरी नहीं करनी है तो आप एनजीओ बनाकर समाजसेवा कर सकते हैं। कंपनियां जहां अपना प्रोजेक्ट लगाती हैं, वहां श्रमिकों के पुनर्वास के लिए योजना बनाने के लिए समाजशास्त्रियों की मदद लेती हैं। वर्तमान परिप्रेक्ष्य को देखते हुए यह करियर ज्यादा रोजगारपरक है। स्कूलों और कालेजों में इस विषय की काफी डिमांड होने से इस का महत्त्व बढ़ता जा रहा है। इसके अलावा कई गैर सरकारी संगठन भी हैं, जिनमें समाजशास्त्रियों की बहुत डिमांड रहती है।

रोजगार के अवसर

आज दुनिया में हजारों की संख्या में स्वयंसेवी संस्थाएं, मानवीय, सामाजिक, पर्यावरण संबंधी समस्याओं के समाधान में जुटी हुई हैं और इसी कारण संस्थानों को बड़ी संख्या में ऐसे लोगों की आवश्यकता है, जिनमें न केवल सेवा का जज्बा हो, अपितु संबंधित क्षेत्र की जानकारी भी हो। अंतरराष्ट्रय स्तर पर काम करने वाली संस्थाएं जैसे यूनीसेफ, रेडक्रॉस तो हर वर्ष समाजशास्त्र एवं समाज कार्य में विशेषज्ञों की खोज में बड़े-बड़े शहरों में सेमिनार का आयोजन करती हैं। इन संस्थाओं में निदेशक, प्रोग्राम आफिसर, टीम लीडर जैसे उच्च पदों पर अच्छे वेतनमान के साथ नियुक्ति दी जाती है। इसके अलावा अन्य कई क्षेत्र ऐसे हैं, जहां छात्रों को को.आर्डिनेटर, सर्वे आफिसर या पब्लिक रिलेशन आफिसर जैसे उच्च पदों पर कार्य करने का मौका मिलता है। अपराध विज्ञान और सुधारात्मक प्रशासन में विशेषज्ञता रखने वाले सामाजिक कार्यकर्ता, जेल, सुधारगृहों, बालगृहों जैसे स्थानों में भी रोजगार के अवसर उपलब्ध हैं।

शिक्षण संस्थान

- बरकतउल्ला विश्व विद्यालय भोपाल
- देवी अहिल्या विवि इंदौर
- हिमाचल प्रदेश यूनिवर्सिटी, शिमला
- पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़
- कर्नाटक यूनिवर्सिटी हुबली,धरवाड़ (कर्नाटक)
- जम्मू यूनिवर्सिटी, जम्मू
- कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी, कुरुक्षेत्र

विभिन्न कोर्सेज

अप्लाइड सोशोलॉजी
सोशोलॉजी ऑफ रिलीजन
इकॉनोमिक सोशोलॉजी
पोलिटिकल सोशोलॉजी
सोशोलॉजी ऑफ किनशिप

समाजशास्त्र के उद्देश्य

- सामाजिक जीवन में आ रहे परिवर्तनों की पहचान करना।
- समाज से अंधविश्वास एवं नकारात्मक सोच को दूर करने का प्रयास
- समाज विशेषताओं की पहचान कर मानवता को एकसूत्र में बांधने का प्रयास

रेसिपी

मलाई कोफ्ता

सामग्री

कोफ्ता सामग्रीः 200 ग्राम उबले आलू, 200 ग्राम पनीर, 1/2 चम्मच लाल मिर्च, 100 ग्राम मकई आटा, 1/2 चम्मच गरम मसाला, 1 चम्मच नमक, 1 चम्मच धनिया, 1/2 चम्मच हरी मिर्च, काजू, **ग्रेवी सामग्रीः** 50 मि.ली. जैतून तेल, 4 लौंग, 1 इलायची और दालचीनी, 3/4 चम्मच काली मिर्च, 1 चम्मच अदरक-लहसुन पेस्ट, 150 ग्राम प्याज, गरम मसाला, 1 चम्मच लाल मिर्च, 1/2 चम्मच हल्दी, 100 ग्राम काजू, 100 ग्राम टमाटर, 50 मि.ली. जल, 50 मि.ली. दही, 1 चम्मच हरी मिर्च, 100 मि.ली. टमाटर, 50 मि.ली. क्रीम

विधि

एक बर्तन में उबले आलू,पनीर,लाल मिर्च पाउडर, मकई का आटा, गरम मसाला,नमक,धनिया, हरी मिर्च आदि को अच्छी तरह से मिक्स कर लें। तैयार किए मिश्रण का एक छोटा सा हिस्सा लेकर इसकों कोफ्ते का आकार दें और सुनहरा भूरा होने तक भून लें। फिर इसे निकालकर कागज पर रख लें। अब एक पैन में जैतून का तेल डालकर गर्म कर लें और इसमें लौंग, बड़ी इलायची, दालचीनी, हरी इलायची, काली मिर्च डालकर कर चलाएं। इन रंग सुनहरा होने तक इसमें अदरक और लहसुन का पेस्ट, प्याज डालें। फिर इसमें नमक, गरम मसाला,लाल शिमला मिर्च,चम्मच हल्दी पाउडर डाल कर मिक्स कर लें। इसके बाद काजू,टमाटर और पानी डालकर 5 मिनट तक पकने दें। जब तक यह सामग्री अच्छे से मिक्स हो जाएं इसको ब्लेंड कर दें। अब एक पैन लेकर उसमें जैतून का तेल डालकर हरी मिर्च, टमाटर प्यूरी को भूनें। इसके बाद पेन में पानी डालकर 5-10 मिनट के लिए पकने दें। इसमें ताजा क्रीम और तले हुए कोफ्ते अच्छी तरह से मिश्रित करें। मलाई कोफ्ता तैयार होने के बाद इसको धनिया के साथ गार्निश करें।

मिनी अनियन समोसा

सामग्री

आटे के लिएः 1/2 कप मैदा, 1 स्पून तेल, नमक स्वादअनुसार, **भरवां मिश्रण के लिएः** 1 कप प्याज, 2 किलो तेल, 1/2 स्पून ज़ीरा, नमक स्वादअनुसार, 1 स्पून लाल मिर्च पाउडर, 1/2 स्पून गरम मसाला, 1/2 स्पून अमचुर, 1/4 स्पून हल्दी पाउडर, 2 स्पून कटा हुआ हरा धनिया, 1 स्पून बेसन, **अन्य सामग्रीः** तलने के लिए तेल , परोसने के लिएः टमैटो कैचप, हरी चटनी

विधि

आटे के लिएः सभी सामग्री को एक गहरे बाउल मे डालकर ज़रुरत मात्रा में पानी का प्रयोग कर सख्त आटा गूंथ लें। एक तरफ रख दें। **भरवां मिश्रण के लिएः** एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन में तेल गरम करें और जीरा डालें। जब बीज चटकने लगे, प्याज और नमक डालकर मध्यम आंच पर 2 मिनट तक भून लें। आंच से हठाकर, लाल मिर्च पाउडर, गरम मसाला, अमचुर, हल्दी पाउडर, धनिया और बेसन डालकर अच्छी तरह मिला लें। एक तरफ रख दें। आटे को नरम होने तक गूथ लें और 20 भाग में बांट लें। आटे के एक भाग को 75 मिमी। अंडाकार में बेल लें। गोले को चाकू से 2 भाग में तिरछा काट लें। एक भाग को निकालकर कोन के आकार में मोड़कर पानी से चिपका लें। कोन को 1 टी-स्पून भरवां मिश्रण से भरे और किनारों पर थोड़ा पानी लगाकर चिपका लें। बचे हुए आटे और भरवां मिश्रण का प्रयोग कर 19 और मिनी समोसे बना लें। एक गहरी नॉन-स्टिक कढ़ाई मे तेल गरम करें, समोसे डालकर, मध्यम आंच पर उनके सभी तरफ से सुनहरा होने तक तल ले। तेल सोखने वाले कागज़ पर निकाल लें। टमैटो कैचप और हरी चटनी के साथ तुरंत परोसें।

राष्ट्रपति मुर्मू को छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित लोगों ने बताई अपनी व्यथा

नई दिल्ली, 21 सितंबर (एजेंसियां)।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से शनिवार को यहां राष्ट्रपति भवन में छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावितों ने मुलाकात के दौरान पीड़ितों ने बताया कि कैसे माओवादी हमलों ने उनके जीवन को तबाह कर दिया है। इस भेंट का यह भी मतलब था कि नक्सली हिंसा से प्रभावित लोगों की समस्याओं को देश की सर्वोच्च शक्ति के सामने रखना और बस्तर को माओवाद के आतंक से मुक्त कराने की अपील करना।

छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बस्तर क्षेत्र से आए 70 लोगों का एक प्रतिनिधिमंडल, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की संवेदनशील पहल के तहत, अपनी पीड़ा को लेकर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिलने पहुंचा। उनके चेहरे पर वर्षों से झेले गए अत्याचार की छाप

थी, लेकिन उनकी आंखों में अब उम्मीद की किरण भी नजर आ रही थी।

प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति को अवगत कराया कि पिछले चार दशकों से बस्तरवासी माओवादी आतंक का दंश झेल रहे हैं। माओवादी हमलों में हजारों लोग अपनी जान गंवा चुके हैं और सैकड़ों लोग अपंग हो चुके हैं। बारूदी सुरंगों और बम विस्फोटों ने उनके जीवन को तहस-नहस कर दिया है। विस्फोटों से न केवल शरीर को नुकसान पहुंचा है, बल्कि मानसिक रूप से भी वे पूरी तरह टूट चुके हैं। प्रतिनिधियों ने बताया कि माओवादियों ने उनके घर, जमीन और संस्कृति को भी बर्बाद कर दिया है। बस्तर में 8,000 से अधिक लोग पिछले ढाई दशकों में माओवादी हिंसा के शिकार हुए हैं। आज भी कई लोग नक्सलियों के डर के साये में जीने को मजबूर हैं। जहां देश के अन्य हिस्सों में लोग स्वतंत्रता का आनंद ले रहे हैं, वहीं बस्तर के लोग अपनी जमीन और अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे हैं।

प्रतिनिधिमंडल ने जब राष्ट्रपति के समक्ष अपनी बात रखी, तो उन्होंने खास तौर पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व को सराहा।

प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति को बताया कि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री की संवेदनशील पहल और नेतृत्व के कारण बस्तर में शांति बहाली और विकास के कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। उनके नेतृत्व में बस्तर में न केवल नक्सल उन्मूलन के लिए प्रभावी कार्य किए जा रहे हैं, बल्कि लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसी मूलभूत सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जा रही हैं। उनके द्वारा शुरू की गई योजनाओं ने बस्तरवासियों में एक नई आशा जगाई है।

बस्तर शांति समिति के प्रतिनिधिमंडल के नेताओं मंगऊ राम कावड़े और जयराम दास ने राष्ट्रपति से अनुरोध किया कि बस्तर में शांति बहाल करने के लिए ठोस और निर्णायक कदम उठाए जाएं। उन्होंने कहा कि बस्तर कभी अपनी प्राकृतिक सुंदरता और शांतिपूर्ण जीवन के लिए जाना जाता था, लेकिन माओवादी आतंक ने इस स्वर्ग को बर्बाद कर दिया है।

उन्होंने राष्ट्रपति से आग्रह किया कि बस्तर को माओवादी आतंक से मुक्त करने के लिए विशेष प्रयास किए जाएं, ताकि वहां फिर से शांति और सामान्य जीवन लौट सके।

श्रीमती मुर्मू ने नक्सल पीड़ितों की व्यथा गंभीरता से सुनी और आश्वासन दिया कि सरकार बस्तर में शांति और विकास के लिए हरसंभव कदम उठाएगी। उन्होंने कहा कि बस्तरवासियों के बेहतर भविष्य के प्रति सरकार पूरी तरह से प्रतिबद्ध है और जल्द ही उन्हें राहत मिलेगी।

एयर मार्शल अमर प्रीत सिंह होंगे अगले वायुसेना प्रमुख

नई दिल्ली, 21 सितंबर (एजेंसियां)। एयर मार्शल अमर प्रीत सिंह को वायुसेना के अगले प्रमुख होंगे। एयर मार्शल अमर प्रीत सिंह वर्तमान में वायुसेना के उप प्रमुख हैं। वे 30 सितंबर 2024 की दोपहर से अगले वायुसेना प्रमुख के रूप में एयर चीफ मार्शल का पदभार संभालेंगे। वर्तमान वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल विवेक राम चौधरी 30 सितंबर 2024 को पदमुक्त हो रहे हैं।

एयर मार्शल अमर प्रीत सिंह का जन्म 27 अक्टूबर 1964 को हुआ था। उन्हें दिसंबर 1984 में भारतीय वायुसेना के लड़ाकू पायलट स्ट्रीम में शामिल किया गया था। लगभग 40 वर्षों की अपनी लंबी और प्रतिष्ठित सेवा के दौरान उन्होंने कई कमांड, स्टाफ, इंस्ट्रक्शनल पदों पर काम किया है। उन्होंने विदेश में वायुसेना के लिए अहम जिम्मेदारी संभाली है। एयर मार्शल अमर प्रीत सिंह राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, रक्षा सेवा स्टाफ कॉलेज और राष्ट्रीय रक्षा कॉलेज के पूर्व छात्र रह चुके हैं। वे एक योग्य उड़ान प्रशिक्षक और शानदार पायलट हैं। उनके पास फिक्स्ड और रोटरी विंग विमानों पर 5,000 घंटे से अधिक उड़ान का अनुभव है।

अपने करियर के दौरान एयर मार्शल अमर प्रीत सिंह ऑपरेशनल फाइटर स्क्वाड्रन और फ्रंटलाइन एयर बेस की कमान संभाल चुके हैं। पायलट के रूप में उन्होंने मॉस्को, रूस में मिग-29 अपग्रेड प्रोजेक्ट मैनेजमेंट टीम का नेतृत्व किया था। वह राष्ट्रीय उड़ान परीक्षण केंद्र में परियोजना निदेशक (उड़ान परीक्षण) भी थे। उन्हें लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट तेजस की उड़ान परीक्षण का काम सौंपा गया था। उन्होंने दक्षिण पश्चिमी वायु कमान में वायु रक्षा कमांडर और पूर्वी वायु कमान में वरिष्ठ वायु स्टाफ अधिकारी के अहम पदों पर अपनी सेवाएं दी हैं। वायुसेना उप-प्रमुख का पदभार संभालने से पहले वह मध्य वायु कमान के एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ थे।

चेन्नई के आसमान में वायु सेना दिखाएगी अपना दमखम

नई दिल्ली, 21 सितंबर (एजेंसियां)।

वायु सेना अपने स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों के दौरान 06 अक्टूबर को चेन्नई में एक भव्य एयर शो के दौरान मरीना बीच के ऊपर आसमान में अपना दमखम दिखाएगी ।

वायु सेना के प्रवक्ता ने शनिवार को बताया कि इस वर्ष वायु सेना का स्थापना दिवस तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई स्थित तांबरम वायु सेना स्टेशन में मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि वायु सेना के विमान और हेलीकॉप्टर 92वीं वर्षगांठ के मौके पर 06 अक्टूबर को मरीना बीच के आसमान में एक शानदार और शो में करतबबाजी दिखाएंगे। इस वर्ष का कार्यक्रम भारतीय वायु सेना - सक्षम, सशक्त, आत्मनिर्भर विषय पर आधारित है जो देश के हवाई क्षेत्र की सुरक्षा के लिए वायु सेना की अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है। चेन्नई के लोग उस दिन एक रोमांचक दृश्य देखेंगे, जिसमें वायु सेना के 72 विमान मंत्रमुग्ध कर देने वाले एरोबेटिक युद्धाभ्यास और सिंक्रोनाइज़्ड फॉर्मेशन उड़ान का प्रदर्शन करेंगे।

यह कार्यक्रम प्रतिष्ठित मरीना बीच पर शुरू होगा सुबह 11 बजे होगा। इस तरह का एयर शो आखिरी बार गत 08 अक्टूबर को प्रयागराज के संगम क्षेत्र में किया गया था, जिसमें लाखों दर्शक शामिल हुए थे। एयर शो में वायु सेना की विशिष्ट टीमें आकाश गंगा, जो अपने स्काइडाइविंग कौशल के लिए प्रसिद्ध हैं, सूर्यकिरण एरोबेटिक टीम, जो अपने क्लोज फॉर्मेशन एरोबेटिक्स के लिए प्रसिद्ध हैं, और सारंग हेलीकॉप्टर डिस्प्ले टीम, जो अपनी शानदार हवाई कोरियोग्राफी के लिए जानी जाती हैं, द्वारा प्रदर्शन किया जाएगा। इन टीमों के अलावा स्वदेशी अत्याधुनिक हल्का लड़ाकू विमान तेजस, हेलीकॉप्टर प्रचंड और हेरिटेज विमान शामिल हैं। डकोटा और हार्वर्ड जैसे के भी एयर शो में भाग लेने की संभावना है। मरीना बीच पर होने वाला भव्य प्रदर्शन सभी के लिए खुला रहेगा। यह कार्यक्रम दर्शकों के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव रहेगा जो न केवल भारत की सैन्य विमानन उत्कृष्टता, बल्कि वायु सेना की ताकत और क्षमताओं तथा देश की सुरक्षा में इसकी भूमिका को भी प्रदर्शित करेगा।

जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव

श्रीनगर में 93 उम्मीदवारों में मात्र 3 महिलाएं मैदान में

सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 21 सितंबर।

श्रीनगर में 25 सितंबर को एक दशक में पहली बार विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं, लेकिन इस बार एक बड़ी असमानता सामने आई है। महिला उम्मीदवारों का बहुत कम प्रतिनिधित्व है। जम्मू-कश्मीर में महिला मुख्यमंत्री होने की पृष्ठभूमि के बावजूद, विधानसभा चुनाव राजनीतिक भागीदारी में लैंगिक असंतुलन की चिंताजनक तस्वीर पेश करते हैं।

श्रीनगर की आठ विधानसभा सीटों के लिए 93 उम्मीदवारों में से केवल तीन महिलाएं हैं। यह मामूली प्रतिनिधित्व तब और भी स्पष्ट हो जाता है जब ये तीन उम्मीदवार आठ निर्वाचन क्षेत्रों में से केवल दो पर चुनाव लड़ते हैं। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की आसिया नक्श हजरतबल निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ रही हैं, जहां से उन्होंने 2014 में जीत दर्ज की थी। एक अन्य वरिष्ठ राजनीतिक शमीमा फिरदौस हब्बा कदल निर्वाचन क्षेत्र से फिर से चुनाव लड़ रही हैं, जिसे उन्होंने उसी वर्ष जीता था।

नेशनल लोकतांत्रिक पार्टी की तीसरी महिला उम्मीदवार रुबीना अख्तर भी हब्बा कदल से चुनाव लड़ रही हैं, जिससे यह श्रीनगर का एकमात्र निर्वाचन क्षेत्र बन गया है, जहां एक से अधिक महिला उम्मीदवार हैं। यह मुद्दा श्रीनगर से आगे तक फैला हुआ है, जो जम्मू-कश्मीर में व्यापक रुझान को दर्शाता है। प्रमुख राजनीतिक दलों ने उल्लेखनीय रूप से बहुत कम महिला उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है। जबकि श्रीनगर के 7.44 लाख पात्र मतदाता अपने मतपत्र डालने की तैयारी कर रहे हैं, उम्मीदवारों में महिला प्रतिनिधित्व की कमी राजनीतिक भागीदारी में लैंगिक समानता के बारे में महत्वपूर्ण सवाल उठाती है। यह चुनाव, अनुच्छेद 370 के निरस्त होने और एक दशक के लंबे अंतराल के बाद पहला होने के कारण ऐतिहासिक है, साथ ही राजनीतिक क्षेत्र में समान लैंगिक प्रतिनिधित्व प्राप्त करने के लिए आगे की लंबी राह की एक कड़ी याद दिलाता है।

महिला उम्मीदवारों का यह कम प्रतिनिधित्व श्रीनगर के मतदाताओं के बिल्कुल विपरीत है, जो पुरुषों (3.75 लाख) और महिलाओं (3.73 लाख) के बीच लगभग समान रूप से विभाजित हैं।

हालांकि, मतदाता आबादी में यह लैंगिक संतुलन उम्मीदवारों की सूची में नहीं दिखता है। नेशनल कॉन्फ्रेंस तीन महिला उम्मीदवारों के साथ सबसे आगे है, उसके बाद पीडीपी दो के साथ दूसरे स्थान पर है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), कांग्रेस और अपनी पार्टी ने प्रत्येक ने केवल एक महिला उम्मीदवार को मैदान में उतारा है। उल्लेखनीय रूप से, पीपुल्स कॉन्फ्रेंस और डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी ने कोई भी महिला उम्मीदवार नहीं उतारा है।

कुल मिलाकर, इन मुख्यधारा की पार्टियों ने सामूहिक रूप से सिर्फ़ आठ महिलाओं को मैदान में उतारा है, जो उनके कुल उम्मीदवारों का मात्र 0.89 प्रतिशत है। यह आंकड़ा तब और भी ज़्यादा चौंकाने वाला हो जाता है जब इसकी तुलना निर्दलीय के रूप में चुनाव लड़ रही 21 महिलाओं और अन्य छोटी पार्टियों द्वारा मैदान में उतारी गई 13 महिला उम्मीदवारों से की जाए। पूरे केंद्र शासित प्रदेश में लैंगिक असमानता स्पष्ट है। जम्मू और कश्मीर के 90 निर्वाचन क्षेत्रों में से 58 में एक भी महिला उम्मीदवार नहीं है। अन्य 22 निर्वाचन क्षेत्रों में सिर्फ़ एक महिला उम्मीदवार है, जबकि सात निर्वाचन क्षेत्रों में दो हैं। केवल दो दुर्लभ मामलों में ही एक निर्वाचन क्षेत्र में तीन महिला उम्मीदवार चुनाव लड़ रही हैं।

दूसरे चरण के लिए भी हो रहे सुरक्षा के कड़े प्रबंध

कुछ न कर पाने से बौखलाए हैं आतंकी गुट

जम्मू, 21 सितंबर (ब्यूरो)।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के लिए 25 सितंबर को मतदान होना है। अधिकारियों ने शांतिपूर्ण और सुचारू मतदान प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए कश्मीर संभाग में सुरक्षा व्यवस्था को काफी बढ़ा दिया है। इस चरण में जम्मू संभाग के तीन जिलों की 11 सीटों सहित 26 विधानसभा क्षेत्रों में मतदान होगा, जो चल रही चुनावी प्रक्रिया में एक महत्वपूर्ण चरण है। बढ़ते दांव के जवाब में, अधिकारियों ने गश्त बढ़ाने, अतिरिक्त चौकियों और अर्धसैनिक बलों की अधिक मौजूदगी को शामिल करते हुए एक मजबूत सुरक्षा ढांचा लागू किया है।

कश्मीर के शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में किसी भी व्यवधान को रोकने और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए एक ठोस प्रयास के तहत इन उपायों की तैनाती देखी गई है।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अनुसार, हमारा प्राथमिक ध्यान यह सुनिश्चित करना है कि चुनाव प्रक्रिया के दौरान प्रत्येक मतदाता सुरक्षित महसूस करे। अर्धसैनिक बलों की अतिरिक्त कंपनियों सहित व्यापक सुरक्षा ग्रिड मतदाताओं के लिए सुरक्षित वातावरण बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि चुनाव के पहले चरण के सफल समापन के बाद ये उपाय लागू किए गए। चुनाव आयोग ने स्थानीय पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों को लोकतांत्रिक प्रक्रिया की सुरक्षा में कोई कसर नहीं छोड़ने का निर्देश दिया है।

प्रमुख सुरक्षा तत्वों में मतदान केंद्रों को मजबूत करना, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) को संग्रहीत करने वाले स्ट्रांग रूम की सुरक्षा करना और मतदान के बाद ईवीएम के परिवहन और संग्रह को सुरक्षित करना शामिल है। चुनाव परिदृश्य की वास्तविक समय की निगरानी सुनिश्चित करने के लिए उन्नत निगरानी तंत्र तैनात किए गए हैं। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) स्थापित की गई है, और हम ज्ञात विघटनकारी प्रवृत्ति वाले व्यक्तियों की निगरानी कर रहे हैं।

अधिकारी सोशल मीडिया के संभावित दुरुपयोग के खिलाफ भी सतर्क हैं। अधिकारी ने बताया कि हमने प्रभावी रिपोर्टिंग और संचार सुनिश्चित करने के लिए पुलिस नियंत्रण कक्ष (पीसीआर) को मजबूत किया है। शांति को बाधित करने के किसी भी प्रयास का त्वरित और दृढ़ प्रतिक्रिया के साथ सामना किया जाएगा।

जेएमएम, कांग्रेस और राजद झारखण्ड के विकास के तीन स्पीड ब्रेकर: राजनाथ

रांची, 21 सितंबर (एजेंसियां)।

झारखंड में भारतीय जनता पार्टी के हज़ारीबाग प्रमंडल की परिवर्तन यात्रा की शुरुआत इटखोरी से करते हुए केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हेमंत सरकार को देश का सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री करार देते हुए कहा कि हेमंत सोरेन पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप हैख

श्री सिंह ने कहा कि झारखंड में रोहंगिया बांग्लादेशी घर और कागजात बना रहे हैं इन्हें क्यों नहीं रोका जा रहा है। कांग्रेस के शहजादा राहुल गांधी अमेरिका में भारत के खिलाफ जहर उगल रहे हैं। सिख धर्मावलंबियों को भड़काने का कुत्सित प्रयास कर रहे हैं, भारत की छवि धूमिल करने का प्रयास कर रहे हैं इन्हें जनता कभी माफ नहीं करेगी। राजनीति देश बदनाम करने के लिए नहीं बल्कि देश बनाने के लिए होता है।

श्री सिंह ने कहा कि बाबूलाल मरांडी के

नेतृत्व में परिवर्तन यात्रा नया इतिहास लिखेगी। झारखंड प्रदेश में विकास की अपार संभावना है। उन्होंने सभा में उपस्थित लोगों से कहा कि झारखंड से मेरा निजी रिश्ता रहा है। मेरी पत्नी भी झारखंड से है इस बार भ्रष्ट हेमंत सरकार को उखाड़ फेकिये। उन्होंने कहा को मोदी जी के नेतृत्व में देश का मान सम्मान अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ा है। आज भारत बोलता है और दुनिया सुनती है। उन्होंने कहा कि मोदी जी का प्रभाव के कारण रूस और यूक्रेन युद्ध रोककर भारत के विद्यार्थियों को यूक्रेन से सुरक्षित निकाला गया। मोदी जी के नेतृत्व में वन नेशन वन इलेक्शन भी लागू होगा। इससे पूरे देश में विकास की गति बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर मेडिकल कॉलेज खुलेगा। उन्होंने कहा कि मोदी जी के दस वर्षों के कार्यकाल में 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर हुए हैं। उन्होंने कहा कि अटल जी ने सड़कों का जाल बिछाया था उसे मोदी जी आगे बढ़ाने का कार्य कर रहे हैं। गांव को पक्की सड़कों से जोड़ा जा रहा है। हम सत्ता परिवर्तन के लिए नहीं बल्कि व्यवस्था परिवर्तन के लिए आए हैं। उन्होंने कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा, कांग्रेस और राजद इस राज्य के विकास के तीन स्पीड ब्रेकर हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार बनी तो दोगुनी ताकता से विकास होगा।

पुनौरा धाम में माता जानकी मंदिर का पुनर्विकास कार्य भव्य ढंग से कराएं : नीतीश

पटना, 21 सितंबर (एजेंसियां)।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को अधिकारियों को पुनौरा धाम में माता जानकी मंदिर का पुनर्विकास कार्य भव्य ढंग से कराने का निर्देश दिया।

श्री कुमार ने शनिवार को यहां एक, अणे मार्ग स्थित संकल्प में सीतामढ़ी जिले के पुनौरा धाम में पुनर्विकास कार्य की समीक्षा के लिए आयोजित बैठक कहा कि पुनौरा धाम में माता जानकी मंदिर का पुनर्विकास कार्य भव्य ढंग से कराएं, इसके लिए हर प्रकार का सहयोग राज्य सरकार की ओर से दिया जाएगा।

जब पुनौरा धाम में माता जानकी का पुनर्विकास कार्य भव्य ढंग से हो जायेगा तो अयोध्या में राम मंदिर का दर्शन करनेवाले श्रद्धालु बड़ी संख्या में पुनौरा धाम आएंगे और माता जानकी का दर्शन करेंगे। माता जानकी का दर्शन करनेवाले श्रद्धालु भी अयोध्या जायेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पुनौरा धाम और अयोध्या की सीधी सम्पर्कता से भगवान राम और माता जानकी दोनों का दर्शन श्रद्धालुओं के लिये सुलभ होगा। उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रस्तावित राम जानकी पथ का निर्माण तेजी से करायें ताकि सीतामढ़ी से सीधा कनेक्टिविटी स्थापित हो सके। उन्होंने कहा कि परिसर में जो तालाब है उसमें घाटों का भी निर्माण बेहतर ढंग से कराएं।

मंदिर परिसर का सौंदर्यीकरण सुनियोजित तरीके से कराएं ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। जल-जीवन-हरियाली अभियान को ध्यान में रखते हुए परिसर में हरियाली और जल की पर्याप्त उपलब्धता रहने से यह मंदिर परिसर हरा-भरा और सुंदर दिखेगा। समीक्षा के दौरान पर्यटन विभाग के सचिव लोकेश कुमार सिंह ने प्रस्तावित कार्य योजना की प्रस्तुति के माध्यम से उसकी विशेषताओं के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान इस परियोजना से संबंधित एक लघु फिल्म दिखाई गई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, पर्यटन विभाग के सचिव लोकेश कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह, निदेशक पर्यटन विनय कुमार तथा एनएचएआई के वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में तितलियों का सर्वे शुरू

भोपाल, 21 सितंबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश में स्थित बांधवगढ़ टाईगर रिजर्व में तीन दिवसीय तितली सर्वे का काम प्रारंभ हो गया है। नौ रेंज में 60 वन्यजीव विशेषज्ञों के साथ वनकर्मी 20 कैम्प में तितली की विभिन्न प्रजातियों को एप में कैद किया जा रहा है। इसका उद्देश्य वन क्षेत्र में बायोडायवर्सिटी व तितलियों की प्रजाति ज्ञात करना है।

टाईगर रिजर्व प्रबंधन अनुसार शुक्रवार से प्रारंभ बांधवगढ़ के सभी 9 रेंज (कोर व बफर रेंज) में यह सर्वेक्षण का काम चलेगा। जानकारी अनुसार 1536 वर्ग कि.मी. में फैले बांधवगढ़ के भीतर करीब 70 तितलियों की प्रजाति पाई जाती हैं। खासबात यह है कि टीम में शामिल नेचर्लिस्ट, बीटगार्ड व श्रमिकों के साथ कैम्प में रहेंगे। जंगल के भीतर दलदली व जल स्त्रोतों के समीप पहले से ही तितली के अनुकूल एरिया को चिन्हित कर लिया गया था। शुक्रवार की सुबह कैम्पों से सर्वे टीम जंगल के लिए रवाना हुई। मौके पर ही मिली तितली प्रजाति को एप में स्टोर किया गया। सर्वेक्षण के आखिरी दिन 22 सितंबर को सर्वे की रिपोर्ट फाइनल की जायेगी।

उप संचालक पी.के. वर्मा ने बताया शुक्रवार की सुबह सर्वे टीम को पेट्रोलिंग कैम्प के लिए रवाना किया गया है। एक कैम्प में तीन वन्यजीव विशेषज्ञ रहेंगे। एक कैम्प में तीन विशेषज्ञों के अलावा बीटगार्ड व दो सुरक्षा श्रमिक को रखा गया है। साथ ही वाइल्ड लाइफ संस्था की मदद ली गई है। ये सर्वे टीम जंगल में ही वन श्रमिकों के साथ रहेगी। सुबह से पैदल चलकर तितलियां के रहवास वाली जगह में पहुंचेगी। बांधवगढ़ में पहली बार तितलियों का सर्वेक्षण हो रहा है। इसके पूर्व यहां अनुमानित 70 से अधिक प्रजातियां पाई जाती थीं। इस सर्वे के बाद बांधवगढ़ में बाघ, हाथी जैसे विशालकाय जीव के अलावा यहां की जैवविविधता की खासियत को सभी के समक्ष लाने का प्रयास किया जाएगा।

विकास और निवेश के बड़े अभियान का हिस्सा बन रहा यूपी: योगी

देश में मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग का यूपी सबसे बड़ा राज्य

गोरखपुर, 21 सितंबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सुशासन के बल पर निवेश का सबसे आकर्षक गंतव्य बना उत्तर प्रदेश, देश का सबसे बड़ा मोबाइल फोन मैन्युफैक्चरिंग स्टेट है। भारत में बनने वाले मोबाइल फोन में 55 फीसद की हिस्सेदारी अकेले यूपी की है। देश में बनने वाला 60 प्रतिशत मोबाइल कम्पोनेंट भी उत्तर प्रदेश में ही बनता है। यह यूपी में निहित संभावनाओं की ही क्षमता है कि सैमसंग दुनिया का पहला मोबाइल डिस्प्ले यूनिट चीन से भारत और भारत में भी उत्तर प्रदेश में ले आया। आज प्रदेश देश में विकास और निवेश के अभियान का बड़ा हिस्सा बनकर उभर रहा है।

सीएम योगी शनिवार को दोपहर बाद दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के दीक्षा भवन में सैमसंग इनोवेशन कैंपस द्वारा आयोजित प्रमाणपत्र वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में गोरखपुर विश्वविद्यालय और आईटीएम (इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट) के बीटेक के करीब 600 छात्र-छात्राओं को प्रमाणपत्र वितरित किए गए। मुख्यमंत्री ने अपने हाथों से आठ छात्रों को प्रमाण पत्र प्रदान किए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि 2017 और उसके पहले के उत्तर प्रदेश की परिस्थितियों से आहत दुनिया की सबसे बड़ी मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग कंपनी सैमसंग नोएडा की अपनी यूनिट बंद करना चाहती थी। मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्होंने सैमसंग के अधिकारियों को बुलाकर बातचीत की। उन्हें आश्वस्त किया कि उनकी सभी समस्याओं का समाधान कराया जाएगा। ऐसा किया भी। इसका परिणाम हुआ कि 2018 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति मून ने सैमसंग द्वारा बनाई गई दुनिया की सबसे बड़ी मोबाइल फोन मैन्युफैक्चरिंग फैक्ट्री का उद्घाटन किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इनोवेशन कैम्पस के लिए सैमसंग की सराहना करने के साथ अपेक्षा जताई कि जिन छात्रों को प्रशिक्षण प्राप्त हुआ है, उन्हें सैमसंग की नोएडा यूनिट का भ्रमण भी कराया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इससे सैमसंग इनोवेशन कैम्पस से प्रशिक्षण प्राप्त 3500 छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान के साथ इंडस्ट्री की चुनौतियों को भी समझने का अवसर मिलेगा। इंस्टिट्यूट से मिले ज्ञान को जब तक इंडस्ट्री से नहीं जोड़ेंगे तब तक प्रधानमंत्री के डिजिटल इंडिया मिशन को सफलता मिलने में कठिनाई होगी। उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिन भी पाठ्यक्रमों को जोड़ा गया है वे सभी न्यू एज कोर्स हैं जो आज ग्लोबल मार्केट की आवश्यकता हैं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय एवं अन्य शिक्षण संस्थानों का आह्वान किया कि वे सोशल इम्पैक्ट स्टडी (सामाजिक प्रभाव अध्ययन) करें क्योंकि कोई भी निवेशक किसी क्षेत्र में यूनिट लगाने या निवेश करने के लिए उस क्षेत्र के सामाजिक प्रभावों को परखता है। सरकार खुद इसके लिए करोड़ों रुपये खर्च करती है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में बाढ़ के कारण और समाधान को लेकर या फिर यहां के इतिहास पर सोशल इम्पैक्ट स्टडी की जा सकती है। इसके लिए सरकार पैसा देगी। इससे विश्वविद्यालय व संस्थानों को अतिरिक्त आय तो होगी ही, छात्रों को नया अनुभव मिलेगा। उन्होंने कहा कि लकीर का फकीर बनने की बजाय हमे नवाचार पर ध्यान देना होगा।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि 12 सितंबर को ग्रेटर नोएडा में हुए सेमीकॉन इंडिया के सफलतम आयोजन में भारत को सेमी कंडक्टर बनाने के लिए तीन निवेश प्रस्ताव मिले। इनमें से तीन प्रस्ताव यूपी के लिए हैं। एक-एक निवेश में एक लाख जॉब मिलेंगे। सीएम योगी ने छात्रों को सफलता हासिल करने का मंत्र देते हुए कहा कि परिश्रम की पराकाष्ठा पर पहुंचिए। छह घंटे के बजाय 12 से 14 घंटे काम करने की आदत डालिए। कार्य कमजोर नहीं करता है बल्कि कुछ न कुछ सिखाता है। अधिक कार्य करके ही आप पीएम मोदी के डिजिटल इंडिया को मजबूत कर पाएंगे।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि सैमसंग इनोवेशन कैम्पस के इस प्रशिक्षण कार्यक्रम से हमारे युवा रोजगार ने नए अवसरों से जुड़ने और डिजिटल इकॉनमी का हिस्सा बनने को तैयार हैं। उन्होंने युवाओं के हित में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा किए जा रहे प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि सीएम योगी युवाओं के कौशल विकास के लिए, उनकी शिक्षा और रोजगार के लिए नए कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि डिजिटल प्रशिक्षण से एक नई यात्रा की शुरुआत कर ये युवा अपने कौशल से समाज और राष्ट्र के निर्माण में भी योगदान देंगे।

इस अवसर पर सैमसंग साउथ वेस्ट एशिया के प्रेसिडेंट और सीईओ जेबी पार्क ने उत्तर प्रदेश को निवेश प्रदेश के रूप में परिवर्तित करने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मुक्त कंठ से सराहना की। श्री पार्क ने कहा कि लॉ एंड ऑर्डर पर फोकस कर सीएम योगी ने यूपी को निवेश का हब बना दिया है। उनका मजबूत नेतृत्व और जीरो टॉलरेंस की नीति बेहद प्रशंसनीय है। सीएम योगी ने युवाओं की शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार के क्षेत्र में बहुत गंभीरता से ध्यान दिया है। उन्होंने सैमसंग को यूपी में सपोर्ट करने के लिए भी मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताया। श्री पार्क ने बताया कि सैमसंग इनोवेशन कैम्पस में कुल 3500 युवाओं में दो तिहाई युवा यूपी के हैं। यह सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं बल्कि भविष्य के नेतृत्वकर्ताओं को तैयार करने की पहल है। कार्यक्रम में प्रशिक्षण प्राप्त तीन छात्रों ने अपने अनुभव भी साझा किए।

तिरुपति मंदिर प्रसादम के घृणित षडयंत्र से संत समाज नाराज

प्राण प्रतिष्ठा में बांटे गए थे तिरुपति से आए तीन टन लड्डू

अयोध्या, 21 सितंबर (एजेंसियां)।

तिरुपति स्थित श्री वेंकटेश्वर मंदिर के प्रसादम लड्डू में गाय की चर्बी और मछली का तेल इस्तेमाल किए जाने का मामला सामने आने के बाद राम नगरी के संत और भक्त दोनों दंग हैं। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के दौरान तिरुपति से आए तीन टन लड्डू को यहां प्रसाद के रूप में वितरित किया गया था। अब लड्डू में मांसाहारी पदार्थों की मिलावट की जानकारी होने के बाद संतों में नाराजगी है।

संतों का कहना है कि पता नहीं कब से तिरुपति मंदिर के प्रसाद में यह मिलावट चल रही थी। पूरे देश से भक्त वहां दर्शन करने जाते हैं और प्रसाद लेते हैं। सभी की आस्था के साथ खिलवाड़ किया गया है, जो भी संस्था या ट्रस्ट इसमें शामिल है, उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

रामलला के मुख्य अर्चक आचार्य सत्येंद्र दास ने कहा कि अयोध्या में वैष्णव संत और भक्त प्याज और लहसुन का भी उपयोग नहीं करते हैं। ऐसे में प्रसाद में पशुओं की चर्बी मिलने का मामला बेहद दुर्भाग्यपूर्ण एवं दुखी करने वाला है। यह हिंदुओं की आस्था के साथ खिलवाड़ है। जल्द ही ऐसा कुकृत्य करने वालों को दंडित किया जाना चाहिए। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने प्राण प्रतिष्ठा में तिरुपति के लड्डू बांटने के सवाल पर कहा कि हमने लड्डू नहीं बांटे। प्राण प्रतिष्ठा के दौरान बहुत सारे भक्तों ने बहुत सारी चीजें भेंट में दी थीं। यह तिरुपति से जुड़ा मामला है। हमारा बोलना उचित नहीं। आंध्र प्रदेश के तिरुपति बालाजी मंदिर को घी की आपूर्ति करने वाली कंपनी एआर डेयरी ने शुक्रवार को दावा किया कि उनके उत्पाद के नमूनों को अधिकारियों ने गुणवत्ता प्रमाणित करते हुए मंजूरी दे दी।

तमिलनाडु के डुंडीगल स्थित फर्म के प्रवक्ताओं ने बताया कि केवल जून और जुलाई महीने के दौरान ही उन्होंने तिरुमाला भगवान वेंकटेश्वरस्वामी मंदिर को घी की आपूर्ति की थी। जब तिरुपति मंदिर को घी की आपूर्ति की गई तो उसे विधिवत मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला रिपोर्ट के साथ भेजा गया। हमारा घी अब तिरुपति मंदिर नहीं भेजा जा रहा है।

देव दीपावली पर काशी के घाट को रौशन करेंगे 12 लाख दीप

15 नवंबर को काशी में मनाई जाएगी दिव्य देव दीपावली

वाराणसी, 21 सितंबर (एजेंसियां)।

काशी में 15 नवंबर को देव दीपावली होगी। देव दीपावली पर काशी के घाट दीपों की रोशनी से नहाये दिखाई देते हैं। दीपों की माला पहने हुए काशी के अर्धचन्द्राकार घाटों की छटा अलौकिक और अद्भुत दिखाई देती है। लोकल से ग्लोबल होती हुई देव दीपावली को देखने के लिए देशी और विदेशी मेहमान भी काशी आते हैं। इस वर्ष ये नज़ारा 15 नवंबर को दिखेगा, जब खुद देवता देव दीपावली मनाने के लिए काशी के घाटों पर उतरेंगे। योगी सरकार देव दीपावली को दिव्य व भव्य बनाने के लिए 12 लाख दीपों से घाटों और कुंडों को रोशन करेगी। इसमें लाखों दीप गाय के गोबर से बने होंगे। योगी सरकार देव दीपावली को दिव्य और भव्य स्वरूप देने के लिए इसे पहले ही प्रांतीय मेला घोषित कर चुकी है। देव दीपावली पर दिव्य लेज़र शो और ग्रीन आतिशबाजी का भी आयोजन होगा।

काशी के 84 से अधिक घाटों, कुंडों और तालाबों पर इस साल योगी सरकार की तरफ से और जन सहभागिता के जरिये 12 लाख से अधिक दीप टीम-टिमाते हुए दिखेंगे। पर्यटन विभाग के डिप्टी डायरेक्टर राजेंद्र कुमार रावत ने बताया कि 12 लाख दीयों में ढाई से तीन लाख दिये गाय के गोबर से बने होंगे। गंगा पार रेत पर भी दीपक जलते हुए दिखेंगे, जिससे घाट के पूर्वी क्षेत्र गंगा की रेत का इलाका भी पूरी तरह रौशनी से जगमग होगा। इसके अलावा घाटों की साफ़-सफाई होगी और गंगा किनारे सदियों से खड़े ऐतिहासिक घाटों को फसाद लाइट और इलेक्ट्रिक लाइट से रौशन किया जाएगा।

डिप्टी डायरेक्टर पर्यटन ने बताया कि लेज़र शो के माध्यम से घाट पर गंगा अवतरण व शिव महिमा की कहानी दिखाई जाएगी। गंगा पार रेत पर प्रदूषण रहित ग्रीन आतिशबाजी का भी शो किया जाएगा, जो पर्यावरण संरक्षण का सन्देश भी देगा। देव दीपावली पर काशी की इस अनोखे छटा को देखने के लिए देश विदेश से पर्यटक आते हैं। देव दीपावली पर होटल, गेस्ट हाउस,नाव, बजड़ा, बोट व क्रूज़ आदि सभी फुल हो जाते हैं।

सामाजिक एकजुटता के बिना मिलती रहेगी राष्ट्रीय एकता को चुनौती : मुख्यमंत्री

राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ महाराज की 10वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि समारोह

बांटने वाली ताकतों के षड्यंत्र से सतर्क होकर करना होगा कार्य : सीएम योगी

गोरखपुर, 21 सितंबर (एजेंसियां)।

गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जातीय विभेद, छुआछूत, अश्पृश्यता के चलते जबतक सामाजिक एकजुटता का अभाव रहेगा, तबतक राष्ट्रीय एकता को चुनौती मिलती रहेगी। यही कारण है कि भारत की मार्गदर्शक संत परंपरा ने समाज को जोड़ने का संदेश दिया है। हमें बांटने वाली ताकतों के षड्यंत्र से सतर्क होकर और एकजुट होकर देश और समाज हित के लिए काम करना होगा।

सीएम योगी युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज की 55वीं तथा राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की10वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में आयोजित साप्ताहिक श्रद्धांजलि समारोह के अंतिम दिन शनिवार (आश्विन कृष्ण चतुर्थी) को महंत अवेद्यनाथ की पुण्यतिथि पर श्रद्धासुमन अर्पित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि संतों की पुण्यतिथि पर आयोजन से, उनके व्यक्तित्व और कृतित्व के स्मरण से नई प्रेरणा मिलती है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पूज्य गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ महाराज के साथ सेवा के अनेक प्रकल्पों से जुड़कर काम करने का सौभाग्य मुझे मिला। वे मूलतः धर्माचार्य थे। उनमें वात्सल्य भाव था। वह मार्गदर्शक और सच्चे समाज सुधारक थे। सहज और सरल लोगों के लिए वह वात्सल्य स्वरूप थे तो धर्म विरोधी आचरण करने वालों की प्रति वज्र जैसे कठोर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि समाज और जीवन का ऐसा कोई पक्ष नहीं जिसे गोरक्षपीठ ने आगे न बढ़ाया हो। पीठ की परंपरा जोड़ने की रही है। पीठ ने इतिहास के अलग-अलग कालखंडों में उन कारणों को समझने के लिए प्रेरित किया जिनकी वजह से देश को गुलाम होना पड़ा। यह पीठ इसलिए भी समाज की एकजुटता की बात करती है कि जब भी समाज में जाति की खाई को चौड़ा करने का प्रयास किया गया, तब-तब इसका दुष्परिणाम देश को लंबे समय तक गुलामी के रूप में भुगतना पड़ा। सीएम योगी ने कहा कि स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भी गुलामी की मानसिकता इतनी हावी रही कि तत्कालीन नेतृत्व देश की सही दिशा नहीं तय कर पाया। अनेक बलिदानियों के सर्वस्व बलिदान से हासिल स्वतंत्रता के बाद भी देश को सही दिशा न मिलने से संतों में आक्रोश था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज भारत सही दिशा में बढ़ रहा है। गत दस वर्षों में भारत की प्रगति, सर्वांगीण विकास की रूपरेखा उत्साहित करने वाली है। इस परिस्थिति में हम सबका दायित्व है कि हम बांटने वाली ताकतों के षड्यंत्र से बचें। सतर्क इसलिए भी रहना होगा कि आपस में लड़ाने के लिए पैसा किसी और का होगा लेकिन माध्यम यहीं के लोग। इससे बचने के लिए संत परंपरा के संदेशों को जानने की आवश्यकता है। सीएम योगी ने कहा कि संत परंपरा सामाजिक एकजुटता की पोषक है। गुरु गोरखनाथ से लेकर आदि शंकर, स्वामी रामानंद, स्वामी रामानुजाचार्य सबके संदेश का प्राथमिक भाव यही है, जाति-पांति पूछै नहीं कोई, हरि को भजै सो हरि का होई।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने दादागुरु ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ और गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ का स्मरण करते हुए कहा कि महंतद्वय ने जो कहा वह करके भी दिखाया। जो बोला वह किया और जो किया वही बोला। दोनों गुरुजनों ने सामाजिक एकता के लिए समरसता के अभियान को नई ऊंचाई दी। शिक्षा, चिकित्सा और सेवा के अनेक प्रकल्पों को आगे बढ़ाया। गोसेवा और गोरक्षा के संकल्प को पूर्णता की राह दिखाई। महंतद्वय के लिए कोई कार्य सिर्फ उपदेश नहीं था बल्कि वह उसे करके दिखाते थे। वास्तव में किसी बात का वजन तभी होगा जब हम उसे खुद आचरण में उतारेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरे भाषण से नहीं आचरण परिवर्तन से बदलाव आता है। महंत द्वय बिना रुके, बिना थके, बिना डिगे आजीवन देश और धर्म के लिए समर्पित रहे। दोनों ने सदैव देश और धर्म को प्राथमिकता दी। इसके इतर उनके लिए कुछ भी नहीं था। उनके मूल्यों और आदर्शों के अनुरूप चलते हुए गोरक्षपीठ धर्म और देश की रक्षा को प्रतिबद्ध है।

अब 3डी में दिखेंगी लखनऊ और प्रयागराज की गलियां

लखनऊ, 21 सितंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश को पर्यटन के लिहाज से देश के 'मोस्ट फेवर्ड डेस्टिनेशन' के तौर पर प्रोजेक्ट कर रही योगी सरकार अब आभासी दुनिया के जरिए भी पर्यटकों को प्रदेश के विभिन्न स्थलों का टूर कराने की दिशा में कार्य कर रही है। सीएम योगी के विजन अनुसार, 3डी मेटावर्स प्लैटफॉर्म पर लखनऊ व प्रयागराज के 1500 लैंडमार्क्स का 360 पैनोरमिक डाटा संकलित किया जाएगा।

इसके बाद इन सभी जानकारियों को तथा जियो रेफरेंस मैप्स को मेटावर्स इंटीग्रेटेड सिस्टम से जोड़ा जाएगा और 3डी इनेबल्ड वेब व मोबाइल ऐप का निर्माण किया जाएगा। यह प्लैटफॉर्म पर्यटकों को वर्चुअल टूर उपलब्ध कराने का माध्यम बनेगा। इसी प्रकार, क्यूआर कोड बेस्ड ऑडियो टूर के पोर्टल का भी विकास किया जाएगा जिसके जरिए प्रदेश के 100 स्थलों के ऑडियो टूर का लाभ भी लोग ले सकेंगे। इन दोनों ही परियोजनाओं को उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा पूरा किया जाएगा और इन दोनों ही प्रक्रियाओं को लेकर कार्य शुरू हो गया है। एक यादगार पर्यटन अनुभव में एक पर्यटक की यात्रा में कई मुख्य प्वॉइंट्स होते हैं। ऐसे में, परियोजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा एजेंसी निर्धारण व कार्यावंटन के माध्यम से भू-संदर्भित मानचित्रों पर रुचि के क्षेत्र में महत्वपूर्ण स्थलों/रुचि के बिंदुओं के 3डी मेटावर्स और 360-डिग्री पैनोरमिक दृश्यों को एकीकृत करके फीचर समृद्ध वेब और मोबाइल एप्लिकेशन विकसित किया जाएगा। एजेंसी लगभग 1500 स्थलों के लिए डेटा संग्रह के लिए सर्वेक्षण करेगी इन सभी स्थलों का 360 पैनोरमिक डेटा एकत्र कर उसका डेटाबेस बनाएगी। इसके बाद, दोनों शहरों में वेब व मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से 3डी मेटावर्स टूरिंग एक्सपीरिएंस उपलब्ध कराया जाएगा। इस प्रक्रिया को पूरा करने के लखनऊ और प्रयागराज में विस्तृत सर्वे प्रक्रिया भी पूरी की जाएगी। लखनऊ के प्रमुख ऐतिहासिक व पर्यटक स्थलों, बाजार, चिकनकारी के प्रमुख हब समेत प्रयागराज के विभिन्न पौराणिक व ऐतिहासिक स्थलों, बाजारों, महाकुंभ में स्नान के लिए विभिन्न घाटों, मंदिरों तथा आधात्यमिक केंद्रों को इस परियोजना से जोड़ा जाएगा।

उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग क्यूआर कोड इनेबल्ड ऑडियो टूर पोर्टल का भी विकास करने जा रही है जिसमें प्रदेश के 100 प्रमुख स्थलों पर ऑडियो टूर की व्यवस्था उपलब्ध करायी जाएगी। इस क्रम में प्रयागराज के पब्लिक लाइब्रेरी, इलाहाबाद म्यूजियम, चंद्रशेखर आजाद पार्क, हनुमान मंदिर समेत 19 स्थलों को इस प्रक्रिया से जोड़ा जाएगा। इसी प्रकार, अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि व हनुमानगढ़ी समेत 8 स्थानों, वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर समेत 8 स्थलों, श्रावस्ती के अंगुलीमाल स्तूप समेत छह स्थलों, कपिलवस्तु के स्तूप, कुशीनगर के महापरिनिर्वाण मंदिर समेत 4 स्थल, लखनऊ के बड़ा इमामबाड़ा समेत कुल 13 स्थलों पर भी यह सुविधा उपलब्ध होगी।

वातावरण

कैसे बचाएं जल-जीवन

बच्चो, लगातार बढ़ती जनसंख्या, औद्योगिकीकरण तथा कृषि में विस्तार होने से जल की मांग लगातार बढ़ती जा रही है। इसलिए पानी बचाना आज की सबसे बड़ी जरूरत बन चुकी है। पानी बचाने या इसकी फिजूलखर्ची को रोकने के लिए वैसे तो कई तरह के उपाय हैं। अगर छोटे-छोटे उपाय किए जाएं, तो इस क्षेत्र में बहुत बड़ा योगदान साबित हो सकता है। आप अपने घर और स्कूल में ऐसे कई उपाय कर सकते हैं, जिससे पानी बचाया जा सकता है।

जल संरक्षण के लिए आप क्या कर सकते हैं, आइए इसके कुछ आसान टिप्स जानें–

यह जांच करें कि आपके घर में कहीं पानी का रिसाव तो नहीं।

आपको जितनी आवश्यकता हो, उतने ही पानी का उपयोग करें।

पानी के नलों को इस्तेमाल करने के बाद बंद रखें।

पानी बचाने के उपाय

टपकता हुआ नल हफ्ते में 90 लीटर तक पानी बर्बाद कर सकता है।

फ्लश करते समय पानी चलता रखने से 9 लीटर प्रतिमिनट पानी बर्बाद होता है, मग का प्रयोग करने से पानी बचाया जा सकता है।

कूल वाटर फ्रिज में रखने से ठंडे पानी के लिए नल खुला नहीं छोड़ना पड़ेगा।

कई बार खेल- खेल में कोई ऐसी खोज हो जाती है, जो बाद में पूरी दुनिया के काम आती है। ऐसे ही खेल-खेल में दूरबीन की खोज हुई थी। आइए इस खोज के रोचक पहलुओं के बारे में कुछ नया जानें...

कैसे बनी दूरबीन?

बच्चो, आप दूरबीन के बारे में तो जानते ही हैं। इससे दूर की चीजें इतनी स्पष्ट दिखाई देती हैं कि लगता है, आपके पास ही हों। यही दूरबीन नजदीक की चीजों को दूर भी दिखाती है। इसकी खासियतों के कारण यह कई तरह के काम आती है। मगर इसे देखकर यह बात आपके मन में जरूर आती होगी कि आखिर यह बनी कैसे होगी। किसने इसकी खोज की होगी? आइए इस बार आपको दूरबीन की कहानी कुछ रोचक तरीके से बताते हैं।

यह कहानी हॉलैंड देश के मिडिलबर्ग शहर की है। बताते हैं, वहां चश्मो का एक व्यापारी रहता था, नाम था- हेंस लिपरशी। उसके पास कई तरह से बहुत सुंदर-सुंदर कांच थे! उसका एक बेटा था। वह बहुत शैतान था! रंग-बिरंगे कांच के टुकडों से दिन भर खेलता और उन पर सूरज की रोशनी डालकर सबको परेशान किया करता। पर हर चीज को जानने की जिज्ञासा सदा उसके दिल में रहती! एक संडे के दिन लिपरशी उसे अपने साथ दुकान पर ले आया और उसके सामने कांच के टुकडों की एक बड़ी-सी टोकरी रख दी और कहा कि इन सब कांचो को अलग-अलग रंग में एक साथ करके रख दो! उन्हें देखकर उसके दिल में एक बात आई कि यह किसने बनाए होंगे?

उसने पिता से पूछा- 'पिता जी यह कांच किसने बनाया? क्या यह जमीन में पैदा होता है?' लिपरशी ने मुस्कराकर कहा कि यह जमीन में पैदा नही होता, कांच का जन्म तुम जैसे एक शैतान लड़के के खेल से हुआ था।

'अच्छा !!' बेटे ने हैरानी से पूछा। तब लिपरेशी ने कहा कि मिस्र देश का रेगिस्तान बहुत बड़ा है। वहां ऊंटों के काफिले कई-कई दिनों तक चलते हैं और जहां रुकते हैं, वहीं खाना बनाते हैं आराम करते हैं और धीरेधीरे आगे बढ़ते हैं

एक काफिले में बहुत से लोग थे। बच्चे भी थे उसमें। सब तरफ रेगिस्तान, कहीं पानी नहीं, रात हुई वहीं रेत पर चूल्हा बनाया और वहीं उस पर खाना बनाया। देर रात तक खाना बनता रहा और बाद में चूल्हा बुझ गया। सब लोग वहीं ठंडी रेत पर सो गए! सवेरा हुआ। सब लोग सामान बांधकर चलने की तैयारी करने लगे। रात को जहां खाना बनाया था, वहां कुछ बच्चे खेलने लगे। चूल्हे की राख वहां से हटाकर इधर- उधर फैंकने लगे। अचानक एक बच्चे ने देखा कि राख के नीचे कोई सख्त-सी चीज है और उसके नीचे की रेत भी साफ दिखाई दे रही है। पहले बच्चों ने उस को हैरानी से देखा और फिर बड़े लोगो को बुलाया। सभी देखकर हैरान रह गए। फिर सबने मिलकर उसके ऊपर जमी राख साफ की। वह टेढे-मेढे आकार की एक ऐसी जमी हुई चीज थी, जिसके आर-पार सब देखा जा सकता था! सबने एक-दूसरे से पूछा कि क्या चूल्हा जलाने से पहले कोई चीज़ रखी थी किसी ने?

सबने कहा- नहीं, तो क्या रेत पिघल गई? हां यही हुआ था! रेत ही पिघलकर कांच बन गई थी। उसके बाद तभी से लोग रेत से कांच बनाने लगे। यह सब एक शैतान लड़के की वजह से हुआ। अगर वह राख ना हटाता, तो कोई कांच के बारे में ना जान पाता! लिपरशी की कहानी खत्म हुई और उसने अपने बेटे से कहा 'जाओ अब बाकी के टुकड़े छांटकर रखो और मुझे परेशान मत करना। बेटे ने टोकरी उठाई और बैठकर कांच छांटने लगा। फिर उनको उठाकर उनके आर-पार देखना शुरू किया। कभी लाल, कभी पीला और कभी सबको एक साथ मिलाकर देखना शुरू किया। तभी वह डर गया। उसने देखा कि सामने जो गिरजाघर की मीनार है, वो एक-दम से पास आ गई है। उसने दोबारा देखा, तो फिर से वही दिखा। अब उसने सोचा कि अपने पिता को यह बात बताए या नहीं, कहीं वह गुस्सा ना हों, कहीं यह कोई जादू वाला कांच तो नही? फिर से एक बार देखूं। फिर से उसको वही दिखा। अब वह चिल्लाया- 'पापा! पापा! इधर आओ यह कांच जादू का है।' लिपरशी भागकर आया और उसके हाथ से दोनो कांच के टुकड़े ले लिए। जब देखा, तो उसे भी मीनार पास लगी। वह जल्दी ही कांच के इस विज्ञान को समझ गया। वह खुशी से फूला न समाया और बेटे को उठाकर नाचने लगा। उसका बेटा अभी तक परेशान था कि हुआ क्या है। तब उसने बताया कि बेटा तुमने अनजाने में एक अविष्कार कर दिया है दूर की वस्तु को पास से देखने की तरकीब खोज ली है। फिर लिपरशी ने वैसे ही कांच को लगाकर एक दूरबीन बनाई, जो संसार की पहली दूरबीन थी! इसी दूरबीन के आधार पर गेलिलियो ने बड़ी दूरबीन बनाई। तो देखा, कई बार ऐसे भी होता है चमत्कार।

जिज्ञासा

क्या है पेनटॉप कंप्यूटर?

आप डेस्कटॉप और लैपटॉप कंप्यूटरों के बारे में तो काफी कुछ जानते हैं। हो सकता है कि छोटे आकार के पामटॉप कंप्यूटरों के बारे में भी आपने सुना हो। लेकिन अगर आपको बताया जाए कि पेन के आकार का भी कंप्यूटर होता है, तो क्या आपको विश्वास होगा? अमेरिका की 'लीपफ्राग' कंपनी ने बच्चों के लिए फ्लाई वर्ल्ड 'पेनटॉप' कंप्यूटर पेश किया है। इसकी किट में एक पेन जैसा दिखने वाला कंप्यूटर और डिजिटल पेपर आता है। अगर आपको कैलकुलेटर से योग करा है, तो पेनटॉप से डिजिटल पेपर पर कैलकुलेटर का चित्र बनाइए और उसी के बटनों को छूकर गणनाएं कर लीजिए। गणनाओं का परिणाम पेनटॉप के स्पीकर पर सुनाई देगा। है न, कमाल की चीज!

अगर आप चाहें, तो कैलकुलेटर का चित्र बनाए बिना भी परिणाम हासिल कर सकते हैं। पांच गुणा सात लिखने पर पेनटॉप बोल उठता है- थर्टी फाइव। पेनटॉप अंग्रेजी शब्दों को फ्रेंच, स्पेनिश आदि भाषाओं में अनुदित कर उनका सही उच्चारण भी सुनाता है। अगर आप संगीत में दिलचस्पी रखते हैं, तो इसके जरिए पियानो का चित्र बनाएं और उसके बटनों को दबाकरसंगीत की मधुर सी धुन का निर्माण कर लीजिए। जो लोग टाइप किए बिना कंप्यूटर पर काम करना चहाते हैं, उनके लिए खुशखबरी है कि इससे लिखे गए वाक्यों को सीधे माइक्रोसॉफ्ट वर्ल्ड में ट्रांसफर किया जा सकता है।

पेनटॉप में रेखाओं को पहचानने की आधुनिकतम तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। वह इन रेखाओं से कीबोर्ड और माउस का काम लेता है। लिखकर दिए गए निर्देशों की परोसेसिंग के बाद परिणामों को ध्वनि के रूप में पेश किया जाता है। यह गैजेट पढ़ाईलिखाई में भी बड़े काम का सिद्ध हो सकता है। खासकर गणित, विज्ञान, भाषा और संगीत की पढ़ाई में। खाली वक्त काटने के लिए इसमें दिए मजेदार गेमों को आजमाया जा सकता है। यह इंटरनेट से भी कनेक्ट हो जाता है। संगीत प्रेमियों के लिए गाने डाउनलोड कर एमपी-3 प्लेयर की तरह संगीत का आनंद लेने के लिए बी यह एक अच्छा विकल्प है।

शैतान का मामा नटखट

आपको कुछेक शैतान बच्चों से मिलाते हैं, जो अपने मां- बाप या बड़ों को भी मज़ाक कर देते हैं। वैसे ऐसे बच्चों के मन बहुत साफ होते हैं, लेकिन उनके स्वभाव में ही मजाक करना शामिल होता है, इसलिए ना चाहते हुए भी वे मजाक कर जाते हैं। ऐसे ही एक बच्चे को उसके पिता ने कहा, 'बेटा पेपर नजदीक आ रहे हैं, अब तुम्हें दिन-रात जागना होगा और पढ़ना होगा।' बच्चे ने कहा, 'पिता जी, मैं तो रात में सोता हूं और दिन में पढ़ता हूं।' पिता बोले,'रात को भी जागा करो।' अभी उनकी बात पूरी नहीं हुई थी कि बच्चे ने कहा,'आप तो कहते थे कि रात को उल्लू जागते हैं।'

इस तरह के बच्चे ने ही अपने टीचर से कहा था कि कल उसके स्कूल ना आने का कारण उसका भाई था, क्योंकि उसके पैसे गिर गए थे और मैं उन पर पैर रखकर खड़ा रहा। वह इधर-उधर भटकता रहा। आखिर काफी देर हो जाने के कारण ही मैं स्कूल नहीं आ सका। इसलिए मैं बेकसूर हूं और कसूर मेरे भाई का है, उसे बाहर चला जाना चाहिए था।

बच्चो, चींटियां भी रिटायर होती हैं

जब पत्तियां खाने वाली चींटियों के दांत घिस जाते हैं तो पता हैं वो क्या करती है? वो रिटायर हो जाती है।

ओरेगॉन विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं का कहना हैं कि बूढ़ी चींटियां पत्तियां काटने की बजाय उसे ढोने का काम करने लगती हैं। पत्तियां काटने वाली चींटियों को कीड़ों की दुनिया का किसान माना जाता हैं।

ये मेहनतकश चींटियां बहुत काम करती हैं। एक चींटी एक पत्ती को काट कर उसे ढोती है और उसका वजन उसके शरीर के भार से पचास गुना ज्यादा होता है। चींटियां एक कतार बना कर मेहनत से तोड़ कर लाई गई पत्तियां ढो कर अपने घर लेकर जाती हैं।

यहां ये चींटियां इन पत्तियों को जमीन पर बिछाती है ताकि इस पर फंगस या फफूंद उग जाए। ये फफूंद है जो उनके लिए भोजन पैदा करता हैं। पर जब एक चींटी के दांत घिस जाते हैं तो उसका टीम में काम धीमा पड़ जाता हैं।

शोधकर्ताओं का कहना हैं कि बूढ़ी चींटियों के लिए पत्ती काटना और उन पर पकड़ बनाना मुश्किल हो जाता है। पर जब उनको इन शोधकर्ताओं ने करीब से देखा तो पाया कि जिनके जबड़े घिस जाते हैं तो वो अपना काम पूरी तरह से बदल देती हैं।

काटने का काम वो युवा चींटियों पर छोड़ देती हैं और खुद माल ढ़ोने का काम ले लेती हैं। शोध से पता चलता हैं कि व्यवस्थित चींटियों के समाज में हर चींटी अपने मन मुताबिक काम कर सकती है। इस तरह वो अपने बुढ़ापे में भी अपनी उपयोगिता बनाएं रख सकती है।

देखा बच्चो कुदरत ने भी अपने असूल बना रखे हैं और उसके सभी जीव जन्तु उन नियमों के मुताबिक ही चलते हैं।

यह नियम हमें नंगी आंख से दिखाई नहीं देते लेकिन अगर इन्हें जानते हैं, तो हैरान रह जाते हैं। जैसे मधु मक्खियां अपना काम करती हैं,तो किसी राज्य की तरह। उनकी एक रानी मक्खी होती है, कुछ पहरेदार होती हैं, तो कुछ काम करने वाली।

हम बताएं, आप बनाएं

बदी का फल

किसी गांव में दो मित्र रहते थे। बचपन से उनमें बड़ी घनिष्टता थी। उनमें से एक का नाम था पापबुद्धि और दूसरे का धर्मबुद्धि। पापबुद्धि पाप के काम करने में हिचकिचाता नहीं था। कोई भी ऐसा दिन नहीं जाता था, जबकि वह कोई-न-कोई पाप ना करे।

दूसरा मित्र धर्मबुद्धि सदा अच्छे-अच्छे काम किया करता था। वह अपने मित्रों की कठिनाइयों को दूर करने के लिए तन, मन, धन से पूरा प्रयत्न करता था।

एक दिनपापबुद्धि ने धर्मबुद्धि से कहा, 'मित्र! तुमने आज तक किसी दूसरे स्थान को नहीं देखा है। जब तुम्हारे बेटे-पोते उन स्थानों के बारे में पूछेंगे, तो तू क्या जवाब देगा? इसलिए मैं चाहता हूं, तुम मेरे साथ यात्रा पर चलो।'

धर्मबुद्धि छल-फरेब नहीं जानता था। उसने उसकी बात मान ली। शुभ मुहूर्त निकलवाकर वे यात्रा पर चल पड़े। वे एक सुंदर नगरी में जाकर रहने लगे। पापबुद्धि ने धर्मबुद्धि की सहायता से बहुत-सा धन कमाया। जब अच्छी कमाई हो गई, तो वे अपने घर की ओर रवाना हुए। रास्ते में पापबुद्धि मन-ही-मन सोचने लगा कि मैं इस धर्मबुद्धि को ठगकर धन को हथिया लूं! इसका उपाय भी उसने खोज लिया।

दोनों गांव के निकट पहुंचे। पापबुद्धि ने धर्मबुद्धि से कहा, 'मित्र, यह सारा धन गांव में ले जाना ठीक नहीं।' सुनकर धर्मबुद्धि ने पूछा, 'इसको कैसे बचाया जा सकता है?'

पापबुद्धि ने कहा, 'इस धन में से आवश्यकता के अनुसार थोड़ा-थोड़ा लेकर बाकी को किसी जंगल में गाड़ दें। जब जरूरत पड़ेगी तो आकर ले जाएंगे।' सुनकर दोनों ने वैसा ही किया और घर लौट गए।

कुछ दिनों बाद पापबुद्धि जंगल में गया और सारा धन निकालकर उसके स्थान पर मिट्टी के ढेले भर आया। तीन-चार दिन बाद वह धर्मबुद्धि को दोबारा वहां धन लेने के लिए साथ ले गया। उन्होंने गुप्त धन वाली जगह गहरी खोद डाली, मगर धन का कहीं भी पता न था। इस पर पापबुद्धि ने बड़े क्रोध के साथ कहा, 'धर्मबुद्धि, यह धन तुमने ले लिया है।'

धर्मबुद्धि को बड़ा गुस्सा आया। दोनों में बहस हुई। दोनों न्यायालय में पहुंचे। न्यायाधीश को सारी घटना सुनाई गई। पापबुद्धि को दंड दिया गया। पापबुद्धि कांपने लगा और बोला, 'महाराज, हमें वहां के पेड़ों-पक्षियों से पूछना चाहिए कि धन किसने निकाला है।'

न्यायाधीश ने ऐसा ही करने का आदेश दिया। पापबुद्धि अपने पिता के पास जाकर बोला, 'पिताजी, अगर आपको यह धन और मेरे प्राण बचाने हों, तो आप उस पेड़ की खोखर में बैठ जाएं और न्यायधीश के पूछने पर चोरी के लिए धर्मबुद्धि का नाम ले दें।'

जब वह निर्धारित स्थान पर पहुंचे, तो पिता ने वैसा ही किया। सुनकर न्यायधीश धर्मबुद्धि को कठोर कारावास का दंड देने के लिए तैयार हो गए। धर्मबुद्धि ने कहा, 'आप मुझे इस वृक्ष को आग लगाने की आज्ञा दे दें। बाद में जो उचित दंड होगा, उसे मैं स्वीकार कर लूंगा।' न्यायधीश की आज्ञा पाकर धर्मबुद्धि ने उस पेड़ को आग लगा दी। कुछ ही क्षणों में पापबुद्धि का पिता चिल्लाया, 'अरे, मैं मरा जा रहा हूं। मुझे बचाओ।'

पिता के अधजले शरीर को बाहर निकाला गया तो सच्चाई का पता चल गया। इस पर पापबुद्धि को मृत्यु दंड दिया गया। धर्मबुद्धि खुशी-खुशी अपने घर लौट गया।

दिमाग की बत्ती

खाली बर्तन सचमुच खाली होता है?

एक खाली कांच की बोतल लें। इसका ढक्कन हटाकर, इसे उल्टाकर पानी से भरे बर्तन में रखें। अब ध्यान से देखें। पानी बोतल में भर रहा है। एक निश्चित बिंदू तक पहुंचकर इसमें पानी भरना बंद हो जाता है। अब बर्तन में और पानी डालें। अब आप क्या देखते हैं? बोतल में पानी का लैवल नहीं बढ़ता। क्या आप जानते हैं कि ऐसा क्यों होता है? यकीनन बोतल में कुछ है जो पानी को इसके भीतर आने से रोक रहा है। हवा के अलावा और कौन सी अदृश्य चीज इसमें हो सकती है?

अब आप बोतल को एक ओर थोड़ा तिरछा करें। अरे! यह क्या? बोतल में से बुलबुले बाहर निकल रहे हैं और शोर करते हुए तले की ओर जा रहे हैं। ये बुलबुले हवा से बने हैं। जब बोतल को टेढ़ा किया जाता है, तो उसमें भरी हवा को बाहर निकलने का मौका मिल जाता है और हवा के निकलने से खाली हुई जगह में पानी भर जाता है।

चेचन्या के लीडर कादिरोव का चौंकाने वाला दावा कहा- मैंने साइबर ट्रक को जंग के मैदान में उतारा

कीव, 21 सितंबर (एजेंसियां)। चेचन्या के लीडर और वॉरलार्ड रमजान कादिरोव ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। उनका दावा है कि उसने दो साइबरट्रक को यूक्रेन के खिलाफ जंग के मैदान में उतारा है। साइबरट्रक को एलन मस्क की कंपनी टेस्ला बनाती है। लोगों को पास अभी तक यह गाड़ी ढंग से पहुंची नहीं लेकिन जंग के मैदान में उतार दी गई है। कादिरोव ने पहले दावा किया था कि मस्क ने साइबरट्रक गिफ्ट की है। लेकिन मस्क ने इसका खंडन कर दिया। मस्क ने कहा कि उन्होंने ऐसा कुछ नहीं किया है। कादिरोव ने कहा कि मस्क ने उसके साइबरट्रक को कथित तौर पर रिमोटली डिस्कनेक्ट कर दिया है। लेकिन इससे मैं परेशान नहीं हूं। मैं अपना काम करता रहूंगा। ये गाड़ियां बिना रिमोट के भी सही ढंग से काम करती हैं। उन्होंने कहा कि पश्चिमी यूक्रेन के खिलाफ मैंने दो साइबरट्रकों को मशीन गैंन से लैस करके यूक्रेन के खिलाफ जंग में भेजा है।

जानिए क्या है साइबरट्रक की खासियत

ये मस्क की कंपनी टेस्ला की बैटरी इलेक्ट्रिक पिक-अप ट्रक है। एक बार चार्ज करने पर यह 400 से 545 किलोमीटर जाती है। रेंज एक्सटेंडर लगा दिया जाए, तब इसकी रेंज बढ़कर 710 से 755 किलोमीटर तक हो जाती है। इसमें 123 किलोवॉटप्रतिघंटा लिथियन आयन बैटरियां लगी हैं। इसका व्हीलबेस 143.11 इंच हैं। यह ट्रक अधिकतम 180 से 210 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से चल सकती है। किसी भी तरह की जगह पर इसकी गति कम नहीं होती।

एम2 ब्राउनिंग मशीन गन की ताकत

1993 से अब तक दुनिया के कई देशों में उपयोग हो रहा है। भारत में एम2एचबी वैरिएंट का उपयोग होता है। यानी एम2 हैवी बैरल का यूज किया जा रहा है। इसका वजन 38 किलोग्राम होता है। इसी मशीन गन का दूसरा वैरिएंट ब्राउनिंग एम1919 का उपयोग केजीएफ 2 फिल्म में किया गया है। एम2 ब्राउनिंग मशीन गन के बैरल की लंबाई 45 इंच है। इसमें .50 बीएमजी कार्टरिज लगती है। जो 450 से 600 राउंड प्रति मिनट फायर करती है।

गोली 890 मीटर प्रति सेकेंड की गति से दुश्मन की ओर बढ़ती है। इसकी रेंज बहुत खतरनाक है।

न्यूज़ ब्रीफ

अमेरिका स्थित भारतीय दूतावास में अधिकारी की लाश देख मची अफरा-तफरी

वाशिंगटन। अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन स्थित भारतीय दूतावास में अचानक से उस समय सनसनी मच गई, जबकि दूतावास कैंपस में एक भारतीय अधिकारी की लाश पाई गई। कैंपस में अधिकारी की लाश देख हर कोई सन्न रह गया। अधिकारी की मौत ने सभी को चौंका दिया है, और स्थानीय पुलिस तथा खुफिया एजेंसियां उनकी मौत के कारणों की जांच में जुट गई हैं। प्रारंभिक रिपोर्ट्स के अनुसार, अधिकारियों ने यह माना है कि यह आत्महत्या का मामला हो सकता है।

इस संबंध में भारतीय दूतावास ने बयान जारी करते हुए अधिकारी की मौत होने की पुष्टि की है, लेकिन मौत के कारणों का खुलासा नहीं किया गया है। भारतीय दूतावास ने शुक्रवार को अपने एक बयान में कहा, कि 'अत्यंत खेद के साथ हम यह सूचित करना चाहते हैं कि भारतीय दूतावास के एक सदस्य का 18 सितंबर 2024 की शाम को निधन हो गया। हम पार्थिव शरीर को जल्द भारत भेजने के लिए सभी संबंधित एजेंसियों और परिवार के सदस्यों के संपर्क में हैं।' इस बयान के अलावा ज्यादा कुछ नहीं बताया गया है। बस यही कहा गया है कि, 'परिवार की गोपनीयता की चिंता के चलते मृतक अधिकारी के बारे में ज्यादा डिटेल जारी नहीं की जा रही है। दुख की इस घड़ी में हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं परिवार के साथ हैं।' स्थानीय पुलिस ने अभी तक अधिकारी की मौत की जांच को लेकर कोई औपचारिक जानकारी साझा नहीं की है। घटनास्थल पर जांच जारी है और सभी पहलुओं पर ध्यान दिया जा रहा है।

रूस के दो लोगों ने अंतरिक्ष में लंबे समय तक रहने का रिकॉर्ड बनाया

मास्को। रूस के दो नागरिकों ने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में सबसे लंबे समय तक लगातार रहने का रिकॉर्ड बनाया। रूसी अंतरिक्ष एजेंसी रॉसकॉस्मोस ने कहा कि ओलेग कोनोनेंको और निकोलाई चूब ने 370 दिन, 21 घंटे और 22 मिनट का पुराना रिकॉर्ड तोड़ा, जो सितंबर 2023 में रूस के सर्गेई प्रोकोपीव और दमित्री पेटेलिन तथा अमेरिकी फ्रांसिस्को रुबियो द्वारा स्थापित किया गया था। चूब और कोनोनेंको के रिकॉर्ड में सोमवार को पृथ्वी पर लौटने से पहले कई दिन और जुड़ जाएंगे। कोनोनेंको (59) के नाम अंतरिक्ष में बिताए गए समय के अन्य रिकॉर्ड भी हैं। अगले सप्ताह कजाकिस्तान पहुंचने तक वे पांच अभियानों के दौरान 1,110 दिन अंतरिक्ष में बिता चुके होंगे।

पश्चिमी अफ्रीका के आदिवासियों में एक-दूसरे की बीवियों को चुराने की परंपरा

साहेल। दुनियाभर में कई ऐसी जनजातियां हैं, जिनके बारे में बहुत कम लोगों को पता है। ये जनजातियां अपने आप में किसी रहस्य से कम नहीं हैं। इन समाज का अपना एक अलग ही कायदा और कानून होता है। किसी जनजाति में मर्दानगी साबित करने के लिए खतरनाक चीटियों से खुद कटवाना पड़ता है, तब किसी ट्राइब की महिलाएं शादी से पहले ही अपने पसंदीदा पुरुष से सुहागरात मना लेती हैं। ऐसी ही एक रहस्यमय जनजाति का नाम वोदाबे ट्राइब है, जो पश्चिमी अफ्रीका में रहती है। आपको जानकर हैरानी होगी कि इस जनजाति के लोगों में एक-दूसरे की बीवियों को चुराने की अजीबोगरीब परंपरा है। लेकिन उसके पहले एक काम करना होता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, वोडाबे ट्राइब के लोग बहुविवाही होते हैं और उनके विवाह दो प्रकार के होते हैं। पहली पारंपरिक रूप से आयोजित विवाह और दूसरी अपनी पसंद से की गई शादी। इस तरह पहली बार इस जनजाति में घर-परिवार के लोग मिलकर अपने बच्चों की पहली शादी करवाते हैं। लेकिन किसी कारणवश अगर कोई दूसरी शादी करना चाहता है, तब इसका तरीका थोड़ा अलग है। सामान्य तौर पर हमारे समाज में दूसरी शादी भी किसी पहचान वाली लड़की से करा दी जाती है, लेकिन इस जनजाति में ऐसा नहीं होता है। सिर्फ पहली शादी का जिम्मा ही घरवाले उठाते हैं, दूसरी शादी के लिए मर्दों को किसी दूसरे की बीवी को चुराना पड़ता है। अगर कोई मर्द दूसरों की बीवियों को नहीं चुरा सकता है, तब उसकी दूसरी शादी नहीं होती है। पश्चिमी अफ्रीका के साहेल क्षेत्र में जानवर चराने वालों और व्यापारियों की ये खानाबदोश जनजाति अपने विस्तृत परिधान और सांस्कृतिक समारोहों के लिए जानी जाती है। दूसरी शादी के लिए भी इनके यहां त्यौहार का आयोजन होता है, जिसका नाम गेरेवोल फेस्टिवल है। इसी त्यौहार में दूसरी शादी के लिए बेताब मर्द दूसरों की बीवियों को चुराकर ले जाते हैं। लेकिन दूसरों की बीवी की चोरी इतनी आसान भी नहीं होती। इसके पहले उन्हें एक काम करना होता है, जिसके तहत दूसरी शादी करने वाले मर्द सज-धज कर अपने चेहरे रंग लेते हैं।

इब्राहिम की मौत से हिला हिजबुल्लाह अब इजराइल के निशाने पर नसरल्लाह

बेरूत, 21 सितंबर (एजेंसियां)।

इजराइल के हवाई हमले में इब्राहिम अकील के मारे जाने से ईरान समर्थित आतंकवादी समूह हिजबुल्लाह हिल गया है। अब उसके सरगना हसन नसरल्लाह को साम्राज्य की चूलें हिलती नजर आ रही हैं। गाजा में हमास से मोर्चा ले रहा इजराइल अब तक हिजबुल्लाह की प्रथम पंक्ति के चार प्रमुख नीति-निर्धारक कमांडरों को ढेर कर चुका है। अब उसके निशाने पर हसन नसरल्लाह और अली कार्की है। कार्की दक्षिण लेबनान का क्षेत्रीय प्रमुख है।

बम गिरे और ध्वस्त हो गई आतंक की इमारत

खबर के अनुसार इजराइल ने कहा है कि शुक्रवार के बेरूत में किए गए हवाई हमले के समय इब्राहिम अकील अन्य हिजबुल्लाह कमांडरों से मिल रहा था। इस हमले में अकील समेत हिजबुल्लाह के कई अन्य प्रमुख गुर्गे मारे गए। अकील की अमेरिका को 1983 में बेरूत में की गई बमबारी के सिलसिले में तलाश थी। इस बमबारी में लगभग 300 लोग मारे गए थे। ईरान समर्थित लेबनानी सशस्त्र समूह हिजबुल्लाह ने इब्राहिम अकील के हमले में मारे जाने की पुष्टि की है। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि इजराइल के इस हमले में कम से कम 14 लोग मारे गए। इब्राहिम अकील जिस इमारत में मारा गया, वह बेरूत के घनी आबादी वाले इलाके दहिया में थी। इजराइल ने बम गिराकर इस इमारत को मलबे में बदल दिया।

इजराइल पर पिछले साल हुए आक्रमण के पीछे अकील का ही दिमाग

इजराइली सैन्य प्रवक्ता रियर एडमिरल डैनियल हगरी ने कहा है कि इब्राहिम अकील इस इमारत में अन्य सहयोगी कमांडरों के साथ था। हमले में वह मारा गया। एडमिरल हगरी ने कहा कि अकील हिजबुल्लाह के सैन्य संचालन निदेशालय का प्रमुख और राडवान बल का कमांडर था। उसने हमास के साथ मिलकर पिछले साल अक्टूबर में दक्षिणी इजराइल पर आक्रमण की योजना तैयार की थी। अन्य खबरों में कहा गया है कि बेरूत में कम से कम 100 और इमारतें ऐसी हैं, जहां से हिजबुल्लाह की गतिविधियां संचालित होती हैं।

हिजबुल्लाह की सैन्य क्षमता से वाकिफ इजराइल

आईडीएफ की वेबसाइट में हिजबुल्लाह की सैन्य ताकत का उल्लेख किया गया है। इसमें कहा गया है कि आतंकी समूह के पास लंबी दूरी के रॉकेट और मिसाइल (180-700 किलोमीटर) हैं। इनकी संख्या 400 है। यही नहीं गाइडेड मिसाइलों (70-250 किलोमीटर) की संख्या सैकड़ों में है। इसके अलावा 4,800 मध्यम दूरी के रॉकेट (40-180 किलोमीटर) हैं। 65,000 छोटी दूरी के रॉकेट (20-40 किलोमीटर) हैं। इस समूह के पास मोर्टार का जखीरा है। इनकी संख्या 140,000 है। यही नहीं हिजबुल्लाह की पहुंच एंटी-शिप मिसाइलों, एंटी-टैंक मिसाइलों और यूएवी तक है।

सीरिया में हैदर अल-खफाजी इजराइली ड्रोन हमले मे मारा गया

इस बीच इराकी शिया आतंकी समूह के कातिब हिजबुल्लाह ने बगदाद में शुक्रवार को कहा कि सीरिया की राजधानी दमिश्क में हुए इजराइली हमले में उसका एक वरिष्ठ नेता मारा गया। इराकी सशस्त्र समूह के बयान में कहा गया कि उसके सुरक्षा सलाहकार अबू हैदर अल-खफाजी की शुक्रवार सुबह दमिश्क में मौत हो गई। बयान में सशस्त्र समूह ने कहा कि वह गाजा और वेस्ट बैंक में फिलिस्तीनियों का समर्थन करना जारी रखेगा। ब्रिटेन स्थित युद्ध निगरानीकर्ता, सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स ने पुष्टि करते हुए खुलासा किया कि दमिश्क अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास एक संदिग्ध इजराइली ड्रोन हमले में अल-खफाजी मारा गया।

...और सामने आना पड़ा हसन नसरल्लाह को

लेबनान में पेजर और वॉकी-टॉकी विस्फोट पर खून के आंसू टपका रहे हिजबुल्लाह को इजराइल से लोहा लेना भारी पड़ रहा है। यही वजह है कि साल 2006 से बंकरों में छुपे 64 वर्षीय हिजबुल्लाह के सर्वोच्च नेता हसन नसरल्लाह को गुरुवार को अप्रत्यक्षतौर पर सामने आने पर मजबूर होना पड़ा। उसने टेलीविजन पर अपने गुर्गों और समर्थकों को संबोधित कर इजराइल को बुरा अंजाम भुगतने की धमकी दी। उल्लेखनीय है कि तभी इजराइल के लड़ाकू विमानों ने लेबनान में बम बरसाकर उसे मुंहतोड़ जवाब दिया। इसके बाद इजराइली लड़ाकू विमान बेरूत में कहर बरपाते रहे और हिजबुल्लाह को अपने मजबूत स्तंभ इब्राहिम अकील को खोना पड़ा।

इजराइल डिफेंस फोर्सेज ने कहा कि हिजबुल्लाह का पूरी तरह सफाया होने के बाद ही कदम पीछे खींचे जाएंगे।

यूएनएचआरसी में खुली पाकिस्तानियों के जुल्मों की पोल

जिनेवा, 21 सितंबर (एजेंसियां)। गिलगित-बाल्टिस्तान या पीओजीबी में लोगों की दुर्दशा बेहद परेशान करने वाली है। यह क्षेत्र गंभीर मानवाधिकार उल्लंघन, प्रणालीगत उत्पीड़न और पाकिस्तानी अधिकारियों द्वारा गंभीर दमन से पीड़ित है।

यह पाकिस्तान का एकमात्र शिया और इस्माइली बहुल प्रशासनिक क्षेत्र है, स्थानीय आबादी व्यापक भेदभाव और हाशिए पर है। जबरन गायब किए जाने, न्यायेतर हत्याओं और मनमाने ढंग से हिरासत में लिए जाने की कई रिपोर्टें मिली हैं। बडगाम के कश्मीरी कार्यकर्ता जावेद बेग ने जिनेवा में यूएनएचआरसी के 57वें सत्र में गिलगित बाल्टिस्तान के लोगों पर पाकिस्तान के अत्याचारों को उजागर किया।

पिछले सात दशकों में यह पहली बार था कि गिलगित बाल्टिस्तान के लोगों की दुर्दशा का मुद्दा कश्मीर के किसी भारतीय कार्यकर्ता ने संयुक्त राष्ट्र के मंच पर उठाया गया। उन्होंने यूएनएचआरसी के 57वें सत्र में आगे बताया कि अनुचित टैक्स और संसाधन दोहन के खिलाफ पीओजीबी में हाल ही में विरोध प्रदर्शनों में वृद्धि का सामना सुरक्षा बलों द्वारा क्रूर दमन से किया गया है। पाकिस्तानी शासन की प्रतिक्रिया असहमति को दबाना, कार्यकर्ताओं को चुप कराना और बुनियादी स्वतंत्रता को कम करना रही है, जो मानवाधिकारों के हनन के एक परेशान करने वाले पैटर्न को उजागर करती है।

जावेद ने यूएनएचआरसी में गुहगार लगाई कि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को पीओजीबी में लोगों की पीड़ा को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। इन मानवाधिकार उल्लंघनों में पाकिस्तानी राज्य की निष्क्रियता और सक्रिय भागीदारी तत्काल ध्यान देने की मांग करती है।

नेपाल की सत्ता से बेदखल प्रचण्ड वामपंथी एकता अभियान में सक्रिय

काठमांडू, 21 सितंबर (एजेंसियां)।

करीब डेढ़ वर्ष तक सत्ता में रहने के बाद माओवादी सुप्रीमो पुष्प कमल दाहाल प्रचण्ड इन दिनों वामपंथी दलों को एकजुट करने के अभियान में सक्रिय हैं। विगत सात सालों से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से सत्ता में रहने के कारण पार्टी संगठन काफी कमजोर होने की बात कहते हुए प्रचण्ड इन दिनों छोटे छोटे वामपंथी दलों को अपनी पार्टी में मिलाकर राजनीतिक शक्ति बढ़ाने में लगे हुए हैं।

सत्ता से बाहर होने के बाद प्रचण्ड का पहला लक्ष्य उन सभी छोटे कम्युनिस्ट दलों को अपनी पार्टी में विलय कराने का है, जो कभी माओवादी का हिस्सा हुआ करते थे। शनिवार को पूर्व प्रधानमंत्री प्रचण्ड ने माओवादी से अलग होकर नई पार्टी बनाने वाले करीब आधे दर्जन नेताओं को पार्टी मुख्यालय बुलाकर उनसे फिर से एकजुट होने की अपील की है। पार्टी में कभी उनके सहयोगी रहे नेताओं को संबोधित करते हुए प्रचण्ड ने कहा कि माओवादी के संघर्ष के कारण देश को मिली उपलब्धि के खोने का खतरा मंडरा रहा है, इसलिए माओवादी के सभी घटकों को एकजुट होने की जरूरत है।

सिर्फ माओवादी ही नहीं, सत्ता से बाहर रहे कम्युनिस्ट पार्टियों को भी एकजुट करने मे प्रचण्ड सक्रिय हैं। इस समय सत्ता से बाहर रहे पूर्व प्रधानमंत्री माधव कुमार नेपाल की एकीकृत समाजवादी पार्टी, उपेन्द्र यादव के नेतृत्व में रहे जनता समाजवादी पार्टी को मिलाकर समाजवादी केन्द्र बनाने के लिए प्रचण्ड ने प्रस्ताव दिया है। शनिवार को माओवादी पार्टी के अलग हुए घटकों के सामूहिक कार्यक्रम में ही प्रचण्ड ने इस बात का खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि माधव नेपाल डा बाबूराम भट्टराई और उपेन्द्र यादव को मिलाकर जल्द ही समाजवादी मोर्चा बनाया जाएगा और जरूरत हुई तो उसे एक पार्टी के रूप में बदल दिया जाएगा।

आखिरकार बांग्लादेश दुर्गा पूजा में पश्चिम बंगाल को हिलसा मछली देने को तैयार

ढाका। आखिरकार बांग्लादेश की अंतरिम सरकार भारतीय बंगाली सनातन हिंदुओं के सबसे बड़े त्योहार दुर्गा पूजा पर हिलसा (इलिश) मछली देने को तैयार हो गई है। बांग्लादेश के वाणिज्य मंत्रालय ने इसकी स्वीकृति प्रदान कर दी। सूत्रों के अनुसार भारत के पश्चिम बंगाल में सनातन हिंदुओं के सबसे बड़े त्योहार दुर्गा पूजा के उपलक्ष्य में वाणिज्य मंत्रालय ने शनिवार को भारत को 3,000 टन हिलसा मछली के निर्यात को मंजूरी दे दी है। वाणिज्य मंत्रालय की विज्ञप्ति में निर्यात की जाने वाली हिलसा की कीमत नहीं दर्शायी गई है। महत्वपूर्ण यह है कि 2023 में दुर्गा पूजा के लिए 5,000 टन हिलसा का निर्यात किया गया था। कुछ समय पहले बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने भारत के साथ अपने 'हिल्सा कूटनीति' को जारी रखने के लिए कोलकाता स्थित मछली आयातक संघ के अनुरोध को ठुकरा दिया था।

एक आस्ट्रेलियाई महिला ने खाना खाने के वीडियो से कमाए 6 करोड़

सिडनी, 21 सितंबर (एजेंसियां)। आस्ट्रेलिया की एक महिला ने ठूंस-ठूंस कर खाना खाने का वीडियो बनाकर करोडों रुपए कमा लिए। उनका काम इतना अलग है कि लोग सुनकर हैरान रह जाते हैं। 26 वर्षीय महिला ग्रेस वियर्स लेस ने एक अनोखे और विवादास्पद तरीके से 6 करोड़ रुपये की कमाई की है। ग्रेस एक सब्सक्रिप्शन बेस्ड प्लेटफॉर्म पर फीडरिज्म के तहत ठूंस-ठूंस कर खाना खाती हैं, जिसे अनजान लोग देखना पसंद करते हैं और इसके लिए उन्हें मोटी रकम देते हैं। ग्रेस के वीडियो और तस्वीरें, जिनमें वह अलग-अलग तरीके से खाना खाती हैं, दुनियाभर में लोगों के बीच काफी चर्चित हैं।

ग्रेस ने इस यात्रा की शुरुआत ओनलीफैंस पर अपनी प्राइवेट तस्वीरें और वीडियो पोस्ट करके की थी। इसके बाद उन्होंने फीडरिज्म की ओर कदम बढ़ाया, जिसमें लोग किसी व्यक्ति को खाने के कामुक अंदाज में भोजन करते हुए देखते हैं।

इस प्रकार के कंटेंट से ग्रेस को बहुत बड़ी कमाई हुई है। उन्होंने बताया कि यह वीडियो बनाना उनके लिए आनंददायक है और उनके फैंस उन्हें खाने के अलग-अलग अंदाज में देखना पसंद करते हैं। फीडरिज्म की अवधारणा नई नहीं है, लेकिन हाल के वर्षों में इस पर अधिक चर्चा होने लगी है।

ग्रेस के मुताबिक, कई लोग उन्हें पास्ता या नूडल्स खाते हुए देखना पसंद करते हैं और इस दौरान वे उनसे अजीबोगरीब अनुरोध भी करते हैं। उदाहरण के लिए, एक बार उनसे टमाटर स्पेगेटी खाते समय अपनी नाभि को सहलाने की मांग की गई। इसके अलावा, कामुक अंदाज में खाने, चबाने और निगलने जैसी ध्वनियों की भी डिमांड की जाती है। हालांकि, ग्रेस का वजन अधिक नहीं है, क्योंकि वह अपने शरीर को मेंटेन रखने के लिए जिम में कड़ी मेहनत करती हैं। उनका कहना है कि खाने के वीडियो बनाकर मोटी रकम कमाना उनके लिए एक सपने जैसा काम है।

पाकिस्तान में खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री गंडापुर समेत तीन अन्य के खिलाफ गैरजमानती वारंट

इस्लामाबाद, 21 सितंबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तान में इस्लामाबाद की एक आतंकवाद निरोधी अदालत (एटीसी) ने खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर और तीन अन्य नेताओं के खिलाफ गैरजमानती वारंट जारी किया है। राजधानी के एक न्यायिक परिसर में 18 मार्च 2023 को तोड़फोड़ के बाद आतंकवाद के आरोपों के तहत दर्ज केस में चारों आरोपित हैं।

गंडापुर पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के प्रमुख नेता हैं। गिरफ्तारी वारंट इस्लामाबाद के आई-9 पुलिस स्टेशन में आतंकवाद के आरोपों के तहत दर्ज मामले से जुड़ा है।

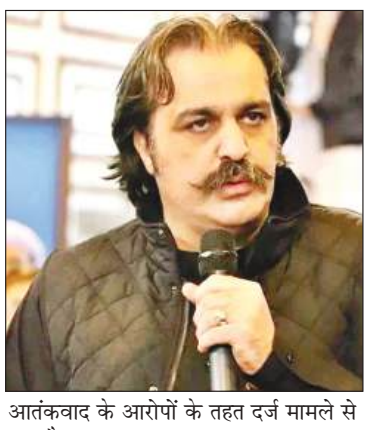

खबर के अनुसार, एटीसी ने गंडापुर के अलावा पंजाब विधानसभा के पूर्व डिप्टी स्पीकर वसीक कय्यूम अब्बासी, इस्तेहकाम-ए-पाकिस्तान के नेता आमिर महमूद कियानी और पीटीआई नेता राजा राशिद हफीज के खिलाफ भी गैरजमानती गिरफ्तारी वारंट जारी किए हैं। अदालत ने पूर्व पीटीआई नेता उमर तनवीर बट को लगातार अनुपस्थित रहने के कारण भगोड़ा घोषित कर दिया। साथ ही इस मामले में सुनवाई में पेशी से छूट के लिए पीटीआई नेता फैसल जावेद की याचिका को मंजूर कर लिया।

आतंकवाद निरोधी अदालत के जज ताहिर अब्बास सिप्रा ने गैरजमानती वारंठ जारी करने से पहले मुख्यमंत्री गंडापुर की जमानत याचिका खारिज कर दी। सुनवाई के दौरान गंडापुर के वकील ने जज को बताया कि मुख्यमंत्री ने उनसे कहा है कि रास्ते बंद होने के कारण वह कोर्ट में पेश नहीं हो सकते। इसलिए कोर्ट को मौका देना चाहिए। जज ने कहा कि पिछली बार भी उन्होंने गंडापुर की पसंद की सुनवाई की तारीख तय की थी, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। इसके बाद जज ने सुनवाई तीन अक्टूबर तक के लिए स्थगित कर दी।

गंडापुर के खिलाफ गैरजमानती गिरफ्तारी वारंट लाहौर में होने वाली पीटीआई की अहम रैली (शक्ति प्रदर्शन) से पहले आया है। मुख्यमंत्री गंडापुर डेरा इस्माइल खान से लाहौर तक पीटीआई समर्थकों के कारवां का नेतृत्व कर रहे हैं। इस घटनाक्रम के बीच पेशावर हाई कोर्ट ने मुख्यमंत्री गंडापुर की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। अदालत ने कहा है कि देश के किसी भी प्रांत में उन्हें पांच अक्टूबर तक गिरफ्तार न किया जाए। पेशावर हाई कोर्ट के इस आदेश से गंडापुर को राहत मिली है। अदालत ने विस्तृत आदेश जारी किया है। आदेश में कहा गया है कि याचिकाकर्ता गंडापुर ने संघीय राजधानी और पंजाब में गिरफ्तारी की पहले ही आशंका जताई है। हाई कोर्ट ने संघीय राजधानी और पंजाब में गंडापुर के खिलाफ दर्ज सभी मामलों का विवरण मांगा है।

पाकिस्तान में तहरीक-ए-तालिबान के हमले में 8 सुरक्षाकर्मी मारे गए

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन तहरीक-ए-तालिबान के ताजा हमलों में कम से कम आठ सुरक्षाकर्मियों की जान चली गई। सेना की मीडिया शाखा और पुलिस ने इसकी पुष्टि की है। इन हमलों के दौरान सुरक्षाकर्मियों की गोलाबारी में अनेक आतंकवादियों के भी मारे जाने की सूचना है। खबर के अनुसार, दक्षिणी वजीरिस्तान के लाधा इलाके में आतंकवादियों ने सुरक्षाबलों की एक चौकी को निशाना बनाया। सेना की इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने इसकी पुष्टि की। यहां हुई भीषण गोलीबारी में छह सुरक्षाकर्मी और पांच आतंकवादी मारे गए। आईएसपीआर ने कहा है कि इससे पहले गुरुवार को सात आतंकवादियों ने उत्तरी वजीरिस्तान जिले के स्पिनवाम इलाके में पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा पर घुसपैठ करने का प्रयास किया।

इंडियन सुपर लीग–2024 में पहली बार आमने सामने होंगे मोहम्मडन एससी और एफसी गोवा

कोलकाता, 21 सितंबर (एजेंसियां)।

एफसी गोवा और मोहम्मडन एससी इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) में पहली बार शनिवार रात कोलकाता स्थित किशोर भारती क्रीड़ांगन में भिड़ेंगे।

एफसी गोवा ने कोलकाता की टीमों के खिलाफ अपने पिछले पांच मुकाबलों में से चार जीते है, लेकिन गौर्स को इस साल की शुरुआत में मोहन बागान सुपर जायंट के खिलाफ एकमात्र हार मिली थी। गौर्स ने कोलकाता में अवे मैचों में भी अच्छा प्रदर्शन किया है, उन्होंने ईस्ट बंगाल एफसी और मोहन बागान सुपर जायंट के खिलाफ अपने पिछले दो मैच जीते हैं।

वहीं, आईएसएल में पदार्पण करने वाली मोहम्मडन एससी ने अपने पहले मैच में जुझारूपन दिखाया था लेकिन अलादीन अजराई के 94वें मिनट के गोल के कारण नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी से हार गई। उसी तरह, जॉर्डन मरे के इंजरी टाइम में गोल के कारण एफसी गोवा को जमशेदपुर एफसी से हार मिली।

मोहम्मडन एससी के रूसी हेड कोच एंड्री चेर्निशोव के अनुसार उनके रक्षात्मक और आक्रामक दोनों खिलाड़ियों को आईएसएल में विरोधियों का मुकाबला करने के लिए कुछ अतिरिक्त समय की आवश्यकता होगी।

चेर्निशोव ने कहा, हमें रक्षात्मक और आक्रामक दोनों पहलुओं में सुधार करने की आवश्यकता है। हम परिस्थितियों के हिसाब से ढलने की कोशिश करते हैं और अगले मैच में बेहतर प्रदर्शन करते हैं। विदेशी खिलाड़ियों के लिए यहां तालमेल बिठाना आसान नहीं है। हर खिलाड़ी अपने तरीके से परिस्थितियों में ढलता है, कोई जल्दी, तो कोई देरी से खुद को ढालता है।

एफसी गोवा के स्पेनिश हेड कोच मैनोलो मार्कुएज ने चोट संबंधी अपडेट दिए, क्योंकि गौर्स को आगामी कुछ मैचों में कई स्टार खिलाड़ियों की कमी खलेगी। साथ ही उन्होंने बताया कि पहले मैच में मिली हार से उबरने के लिए टीम कड़ी मेहनत कर रही है।

उन्होंने कहा, खिलाड़ियों में पहले मैच में मिली हार का बदला लेने की भूख दिख रही है। लेकिन आप जीत की गारंटी नहीं दे सकते। खिलाड़ी जीत पाने के लिए कड़ी मेहनत करेंगे। मुझे लगता है कि शनिवार को मोहम्मडन एससी के खिलाफ वे कड़ी मेहनत करेंगे। हम जीतेंगे या नहीं, यह तो नहीं कहा जा सकता, लेकिन हम अपना 100 प्रतिशत प्रयास करेंगे। मार्कुएज ने कहा, मोहम्मद यासिर को बड़ी चोट लगी है और वह एक महीने के लिए बाहर हो गया है। हमारे सभी घायल खिलाड़ी अक्टूबर के फीफा ब्रेक विंडो से पहले उपलब्ध नहीं होंगे। यासिर, संदेश झिंगन और इकर ग्वारोटक्सेना अंतरराष्ट्रीय ब्रेक के ठीक बाद उपलब्ध हो सकते हैं।

न्यूज ब्रीफ

इटली का मुकाबला अर्जेंटीना व अमेरिकी टीम का मुकाबला ऑस्ट्रेलिया से होगा

लंदन। डेविस कप टेनिस के फाइनल आठ मुकाबले 19 से 24 नवंबर तक स्पेन के मलागा में खेले जाएंगे। इसमें गत विजेता इटली नॉकआउट चरण के पहले मैच में अर्जेंटीना से खेलेगी जबकि अमेरिकी टीम का मुकाबला ऑस्ट्रेलिया से होगा। शीर्ष आठ देशों ने ग्रुप फाइनल से नॉकआउट चरण में प्रवेश किया है। अपने तीनों ग्रुप फाइनल मुकाबलों में विजेता रही इटली की टीम नॉकआउट चरणों के लिए अपनी टीम को बेहतर करने के प्रयास करेंगी। उसके शीर्ष खिलाड़ी जैपनिक सिनर, ग्रुप चरण से बाहर थे पर वह अर्जेंटीना के खिलाफ होने वाले क्वार्टर फाइनल मुकाबले में वापसी कर सकते हैं। अर्जेंटीना ने ब्रिटेन और कनाडा जैसे जैसी टीमों के कठिन ग्रुप में जीत के साथ ही यहां तक का सफर तय किया है। वहीं अर्जेंटीना की टीम दो एकल मैच और एक युगल मैच में इटली पर जीत का प्रयास करेगी। एक अन्य मुकाबले में अमेरिकी टीम ऑस्ट्रेलिया का सामना करने तैयार रहेगी। ग्रुप फाइनल के दौरान दोनों टीमों के प्रमुख खिलाड़ी उपस्थित नहीं थे पर क्वार्टर फाइनल में वे नजर आ सकते हैं। वहीं एक अन्य क्वार्टर फाइनल में, मेजबान स्पेन और नीदरलैंड खेलेगी जबकि कनाडा का मुकाबला जर्मनी से होगा।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में नजर आ सकते हैं हार्दिक पंड्या

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट के हरफनमौला खिलाड़ी हार्दिक पंड्या लंबे समय के बाद घरेलू क्रिकेट में वापसी की तैयारी कर रहे हैं। खबर है कि आगामी सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में उनके खेलने की उनकी योजना हैं। खासकर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले बड़े दौरे की तैयारी को ध्यान में रखते हुए मैदान में नजर आएगें। हार्दिक का मैदान में होना भारतीय क्रिकेट के प्रशंसकों के लिए एक सकारात्मक संकेत है। सूत्रों की माने तो पंड्या ने बड़ौदा क्रिकेट एसोसिएशन (बीसीए) को घरेलू सफेद गेंद क्रिकेट में खेलने की इच्छा व्यक्त की है, जिससे उनकी प्रतिस्पर्धात्मकता और फिटनेस को बढ़ावा मिलेगा। सूत्रों के अनुसार, पंड्या की यह पहल न केवल उनकी खुद की खेल में वापसी के लिए है, बल्कि यह भारतीय टेस्ट टीम में अपनी जगह बनाने के प्रयास का भी एक हिस्सा हो सकता है।

कलिकेश नारायण सिंह बने नेशनल राइफल एसोसिएशन इंडिया के अध्यक्ष

नई दिल्ली। कलिकेश नारायण सिंह देव को नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) का नया अध्यक्ष चुना गया है। 21 सितंबर 2024 को कांस्टीट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में हुए अध्यक्षीय चुनावों में उन्हें 36 मत प्राप्त हुए जबकि उनके प्रतिद्वंदी, वी.के. ढल को 21 मत प्राप्त हुए। राजस्थान उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश अनिल देव सिंह की निगरानी में चुनाव संपन्न हुए, जो चुनाव अधिकारी (आरओ) थे। एनआरएआई की एक विशेष आम सभा बैठक चुनाव कराने के लिए बुलाई गई थी। 67 पात्र सदस्यों में से 57 सदस्यों ने गुप्त मतदान के माध्यम से अपने वोट डाले। कलिकेश नारायण सिंह को 12 महीने की अवधि के लिए अध्यक्ष चुना गया है। परिणाम घोषित होने के बाद खुशी से भावुक कलिकेश नारायण ने कहा, यह एक शानदार लोकतांत्रिक चुनाव का उदाहरण था। मैं सभी सदस्यों का धन्यवाद करता हूं जिन्होंने आकर अपना समर्थन दिखाया। हम शूटिंग खेल को आगे बढ़ाने का इरादा रखते हैं। मेरी प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना होगी कि नए हाई-परफॉर्मेंस केंद्र स्थापित हों, एनआरएआई नए कार्यक्रमों के साथ आए जो शूटिंग के बारे में जागरूकता फैलाएं, जिसमें शासन और नैतिकता पर पाठ्यक्रम भी शामिल हों। साथ ही यह सुनिश्चित करना होगा कि शूटिंग खेल जमीनी स्तर से लेकर टूर्नामेंट के शिखर तक फैले। हालांकि वी.के. ढल को हार का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने उत्साही अंदाज में कहा, यह एक बहुत ही अच्छी तरह से लड़ा गया चुनाव था। मैंने कुछ मुद्दों को उठाया जो उठाने जरूरी थे। कई विसंगतियां थीं, कुछ चीजें ठीक नहीं थीं। मैंने मुद्दों को उठाया, कई दोस्तों ने मेरा समर्थन किया और मेरे साथ खड़े रहे। मैंने अच्छी लड़ाई लड़ी और मैं विजेता को बधाई देता हूं। नए एनआरएआई अध्यक्ष की तत्काल जिम्मेदारी यह सुनिश्चित करना होगी कि अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) वर्ल्ड कप फाइनल का सुचारू संचालन हो, जो कि विश्व के शीर्ष निशानेबाजों के बीच वर्ष का समापन अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल का मुकाबला है।

लगी रिकॉर्ड्स की झड़ी, रहमानुल्लाह से लेकर राशिद खान के नाम हुए अनोखे कारनामे

अफगानिस्तान की द. अफ्रीका पर बड़ी जीत गुरबाज ने ठोका शतक, सीरीज भी जीती

नई दिल्ली , 21 सितंबर (एजेंसियां)।

अफगानिस्तान क्रिकेट टीम ने इतिहास रच दिया। इस टीम ने शारजाह में खेले गए दूसरे वनडे मैच में साउथ अफ्रीका को हरा सीरीज अपने नाम कर ली। ये अफगानिस्तान की साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहली सीरीज जीत है। इस जीत में अफगानिस्तान ने रिकॉर्ड्स की झड़ी लगा दी। पहले बल्लेबाजी करते हुए अफगानिस्तान ने चार विकेट खोकर 311 रन बनाए थे। साउथ अफ्रीका की टीम ये लक्ष्य हासिल नहीं कर पाई और 134 रनों पर ही ढेर हो गई। इसी के साथ अफगानिस्तान ने तीन मैचों की वनडे सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त ले ली है।

बना दिए रिकॉर्ड

अफगानिस्तान के लिए इस मैच में रहमानुल्लाह गुरबाज ने शानदार शतक जमाया। उन्होंने 110 गेंदों पर 10 चौके और तीन छक्कों की मदद से 105 रनों की पारी खेली। गुरबाज का ये वनडे में सातवां शतक है। वह अफगानिस्तान के लिए वनडे में सबसे ज्यादा शतक बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने इस मामले में मोहम्मद शाहजाद को पीछे छोड़ा है जिनके नाम छह शतक हैं। रहमान 23 साल से पहले वनडे में सबसे ज्यादा शतक जमाने के मामले में अब तीसरे नंबर पर हैं। सचिन तेंदुलकर ने 23 साल का होने से पहले वनडे में आठ शतक जमाए थे। क्विंटन डिकॉक भी आठ शतक के साथ दूसरे नंबर पर हैं। गुरबाज सात शतकों के साथ तीसरे और विराट कोहली भी सात शतकों के साथ चौथे नंबर पर हैं।

अफगानिस्तान ने इस मैच में साउथ अफ्रीका को 177 रनों से मात दी। ये उसकी वनडे में रनों के लिहाज से अभी तक की सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले उसने जिम्बाब्वे को शारजाह में ही साल 2018 में 154 रनों से मात दी थी। ये साउथ अफ्रीका की वनडे में रनों के लिहाज से पांचवीं सबसे बड़ी हार है। वनडे में साउथ अफ्रीका को रनों के लिहाज से सबसे बड़ी हार भारत के खिलाफ 2023 में कोलकाता में मिली थी जब टीम इंडिया ने उसे 243 रनों से शिकस्त दी थी।

बर्थडे ब्वॉय का कमाल

दुनिया के घातक गेंदवाजों में एक राशिद खान ने इस मैच में अफगानिस्तान की जीत में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने नौ ओवरों में 19 रन देकर पांच विकेट लिए। राशिद खान ने ये काम अपने जन्मदिन के मौके पर किया है। वह जन्मदिन पर सबसे अच्छी गेंदबाजी करने वाले गेंदबाज बन गए हैं।

चेन्नई टेस्ट तीसरा दिन: भारत जीत से 6 कदम दूर

चेन्नई। भारत और बांग्लादेश के बीच पहला टेस्ट अब रोमांचक दौर में पहुंच गया है। भारत ने दूसरी पारी चार विकेट पर 287 रन पर घोषित की और बांग्लादेश के सामने 515 रन का लक्ष्य रखा। तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक बांग्लादेश ने दूसरी पारी में चार विकेट पर 158 रन बना लिए हैं और उसे अभी और 357 रन बनाने हैं। भारत और बांग्लादेश के बीच चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच के तीसरे दिन का खेल खराब रोशनी के कारण जल्द समाप्त कर दिया गया है। भारत ने बांग्लादेश के सामने जीत के लिए 515 रनों का लक्ष्य रखा है। जवाब में बांग्लादेश की टीम ने चार विकेट पर 158 रन बना लिए हैं और उसे अभी जीत के लिए और 357 रन बनाने होंगे, जबकि भारत छह विकेट लेते ही यह मुकाबला अपने नाम कर लेगा। स्टंप्स के समय कप्तान नजमुल हुसैन शांतो 60 गेंदों पर चार चौकों और तीन छक्कों की मदद से 51 रन और शाकिब अल हसन 14 गेंदों पर पांच रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे। भारत की ओर से ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने तीन विकेट लिए, जबकि जसप्रीत बुमराह ने एक विकेट अपने नाम किया।

ऋषभ पंत ने टेस्ट क्रिकेट में बतौर विकेटकीपर सर्वाधिक शतक लगाने के एमएस धोनी के रिकॉर्ड की बराबरी की

चेन्नई , 21 सितंबर (एजेंसियां)।

ऋषभ पंत ने टेस्ट क्रिकेट में भारतीय विकेटकीपर द्वारा सर्वाधिक शतक लगाने के एमएस धोनी के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। उन्होंने यह उपलब्धि चेन्नई के एम.ए. चिदंबरम स्टेडियम में बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट के तीसरे दिन अपना छठा शतक लगाकर हासिल की।

पंत ने 124 गेंदों पर शतक बनाया, जिसमें 12 चौके और चार छक्के शामिल थे। दिसंबर 2022 में एक भयानक कार दुर्घटना के बाद, लगभग दो साल बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी पर उन्होंने यह उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की।

इस साल की शुरुआत में, पंत ने 2024 इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के दौरान पेशेवर क्रिकेट में वापसी की, जहाँ उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी की। इसके बाद उन्होंने भारत की टी20 विश्व कप विजेता टीम में अहम भूमिका निभाई। बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए चुने जाने से पहले पंत ने दलीप ट्रॉफी के जरिए लाल गेंद वाले क्रिकेट में वापसी की।

टेस्ट में शतक लगाने वाले भारतीय विकेटकीपर

ऋषभ पंत – 6, एमएस धोनी – 6, ऋद्धिमान साहा – 3

टेस्ट में शतक लगाने वाले विकेटकीपर

एडम गिलक्रिस्ट (ऑस्ट्रेलिया) – 17, एंडी फ्लावर (जिम्बाब्वे) – 12, लेस एम्स (इंग्लैंड) – 8, एबी डिविलियर्स (दक्षिण अफ्रीका) – 7, एमजे प्रायर (इंग्लैंड) – 7, कुमार संगकारा (श्रीलंका) – 7, बीजे वाटलिंग (इंग्लैंड) – 7, क्विंटन डी कॉक (दक्षिण अफ्रीका) – 6, एमएस धोनी (भारत) – 6, कामरान अकमल (पाक) – 6, मुश्फिकुर रहीम (बांग्लादेश) – 6, एजे स्टीवर्ट (इंग्लैंड) – 6, ऋषभ पंत (भारत) – 6।

अश्विन ने जडेजा की प्रतिभा पर तारीफ की

चेन्नई। भारत के अनुभवी स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने अपने जोड़ीदार रविंद्र जडेजा की असाधारण प्रतिभा की जमकर प्रशंसा की। अश्विन ने कहा कि वह जडेजा की प्रतिभा से ईर्ष्या करते हैं और उनकी तरह बनने की ख्वाहिश रखते हैं। दोनों ने मिलकर टेस्ट क्रिकेट में एक नई स्पिन जोड़ी बनाई है, जिसने बांग्लादेश के खिलाफ हालिया टेस्ट मैच में शानदार प्रदर्शन किया।

सीनियर वूमेंस नेशनल फुटबाल चैम्पियनशिप के लिए चयन शुरु

मुरादाबाद , 21 सितंबर (एजेंसियां)।

ज़िला फुटबाल एसोसिएशन मुरादाबाद के महासचिव मुहम्मद नासिर कमाल ने शनिवार को बताया कि नेताजी सुभाषचंद बोस सोनकपुर स्पोर्ट्स स्टेडियम मुरादाबाद में आज से सीनियर वूमेंस नेशनल फुटबाल चैंपियनशिप 2024-25 हेतु प्रदेश की टीम का चयन प्रारंभ हो गया। इसका समापन 22 सितम्बर को होगा। इसमें प्रदेश के सभी 18 मंडलों की खिलाड़ी प्रतिभाग कर रही हैं। महासचिव मुहम्मद नासिर कमाल ने आगे बताया कि चयन के उपरांत 23 सितम्बर को से 15 दिवसीय 25 संभावित उत्कृष्ट खिलाड़ियों का प्रशिक्षण कैम्प सोनकपुर स्टेडियम में ही आरम्भ हो जाएगा, जो 7 अक्टूबर तक चलेगा। प्रशिक्षण उपरांत 22 उत्कृष्ट खिलाड़ियों के चयन के बाद टीम सीनियर नेशनल वूमेंस फुटबाल चैंपियनशिप में प्रीतिभाग करने नोएडा रवाना हो जाएगी।

शतरंज ओलंपियाड, राउंड 9: भारतीय पुरुष टीम ने उज्बेकिस्तान से 2-2 से ड्रा खेला

नई दिल्ली , 21 सितंबर (एजेंसियां)।

शतरंज ओलंपियाड 2024 में भारतीय पुरुष टीम का जीत का सिलसिला शुक्रवार देर रात को हंगरी के बुडापेस्ट में एसवाईएमए स्पोर्ट्स एंड कॉन्फ्रेंस सेंटर में ओपन सेक्शन के नौवें दौर में गत चैंपियन उज्बेकिस्तान से 2-2 से ड्रा होने के बाद समाप्त हो गया।

डी. गुकेश, आर. प्रज्ञानानंद, अर्जुन एरिगैसी और विदित गुजराती ने अपने-अपने मैच ड्रॉ कराए, जिससे भारत अंक तालिका में शीर्ष पर बना रहा। जहां विश्व में पांचवें नंबर के गुकेश ने कड़ा मुकाबला खेला और विश्व में छठे नंबर के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव को तीन बार ड्रॉ खेलने पर मजबूर किया, वहीं विदित और जाखोंगिर वाखिदोव ने पहले 10 मिनट में ही मैच ड्रॉ करा लिया।

जावोखिर सिंदारोव ने अपनी गहरी शुरूआती तैयारी से प्रज्ञानानंद पर जबरदस्त दबाव बनाया, लेकिन अंत में प्रग्गनानंधा ने नियंत्रण हासिल कर खेल को ड्रा करा दिया। हालांकि, शमसिद्दीन वोखिदोव के खिलाफ बेहतर स्थिति में नहीं पहुंच पाने से अर्जुन निराश होंगे। भारतीय महिला टीम ने यूएसए के खिलाफ अपना राउंड 2-2 से ड्रॉ किया।

भारत ने खराब फॉर्म में चल रही हरिका द्रोणवल्ली को शीर्ष बोर्ड से हटाकर आर. वैशाली के साथ खेला, लेकिन इससे बोर्ड नंबर 1 पर भारत की किस्मत नहीं बदली, क्योंकि गुलरुखबेगिम तोखिरजोनोवा ने वैशाली को ओवरप्रेसिंग के लिए दंडित किया। तानिया सचदेव ने एलिस ली के खिलाफ अनुकूल स्थिति से ड्रॉ खेला, जबकि दिव्या देशमुख ने शानदार खेल दिखाते हुए कैरिसा यिप के साथ जीत साझा की।

एक बार फिर वंतिका अग्रवाल ने महिला टीम को बचाया, क्योंकि उन्होंने इरिना क्रश के खिलाफ रागोजिन डिफेंस ऑफ क्लीन गैम्बिट डिक्लाइन्ड गेम को बेहतरीन तरीके से बदला।

इस ड्रॉ का मतलब यह भी था कि भारत 15 मैच पॉइंट के साथ दूसरे स्थान पर खिसक गया, जबकि कजाकिस्तान 16 मैच पॉइंट के साथ शीर्ष पर पहुंच गया, जबकि दो राउंड और बचे हैं।

ओपन सेक्शन में, भारतीय टीम अभी भी दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम पर दो मैच पॉइंट की बढ़त रखे हुए है। यूएसए दूसरे स्थान पर है, जबकि उज्बेकिस्तान तीसरे स्थान पर खिसक गया है।

ओपन इनामी रैपिड शतरंज स्पर्धा आज

इन्दौर (ईएमएस) डॉक्टर अजीत कुमार सिंह कासलीवाल की 85 वीं जन्म जयंती के अवसर पर ऑल इंदौर चेस एसोसिएशन द्वारा 22 सितंबर रविवार को एक दिवसीय ओपन इनामी रैपिड शतरंज स्पर्धा एकेडमी सभागार 52 कंचन बाग पर आयोजित की जा रही है। आयोजन सचिव अनिल फतेहचंदानी के अनुसार स्पर्धा दो वर्गों यथा अंडर 10 व ओपन वर्ग में होगी। स्पर्धा में भाग लेने के इच्छुक खिलाडी संजय अजीत कासलीवाल मेमोरियल चेस अकैडमी 52 कंचन बाग पर पीयूष जमींदार से संपर्क कर सकते हैं।

रियल मैड्रिड के कोच एंसेलोटी ने अपनी टीम की खेल शैली की आलोचना को किया खारिज

नई दिल्ली , 21 सितंबर (एजेंसियां)।

रियल मैड्रिड के कोच कार्लो एंसेलोटी ने कहा कि मौजूदा सत्र की शुरुआत में उनकी टीम को मिल रही आलोचना में उनकी कोई दिलचस्पी नहीं है।

हालाँकि परिणाम उनके पक्ष में रहे हैं, लेकिन रियल मैड्रिड ने हाल के मैचों में अपनी किस्मत आजमाई है, पिछले सप्ताह रियल सोसिएदाद ने उनके खिलाफ तीन बार पोस्ट पर हिट किया, जबकि चैंपियंस लीग में, स्टटगार्ट ने अधिक मौके बनाए, हालांकि दो गोलकीपिंग त्रुटियों ने मैड्रिड को 3-1 से जीत दिलाई।

शनिवार को एस्पेनयोल के खिलाफ घरेलू मैच से पहले मिडफील्ड और डिफेंस में संतुलन की कमी के बारे में पूछे जाने पर, एंसेलोटी ने जोर देकर कहा कि वह परिणामों में अधिक रुचि रखते हैं।

उन्होंने कहा, यह मुझे परेशान नहीं करता कि लोग कहते हैं कि मैड्रिड खराब खेलता है क्योंकि मैं देखता हूं कि हमारे प्रशंसक हमारे प्रदर्शन से खुश हैं।

कोच ने कहा, मुझे लगता है कि रियल मैड्रिड के प्रशंसक रॉक एंड रोल फुटबॉल के आदी हैं और बहुत सारे पास के आदी नहीं हैं। और सबसे बढ़कर उन्हें अच्छा खेलने से ज्यादा जीतना पसंद है।

इटालियन ने उन दावों को भी खारिज कर दिया कि उनकी टीम असंतुलित दिखती है, जिसमें जूड बेलिंगहैम, विनीसियस, काइलियन एमबाप्पे और रोड्रिगो जैसे खिलाड़ी अधिक आक्रामक हैं, जबकि एडुआर्डो कैमाविंगा के टखने की चोट के कारण उनके पास होल्डिंग मिडफील्डर की कमी है।

उन्होंने कहा, संतुलन सामूहिक कार्य है जिसे मैं दो फॉरवर्ड या तीन के साथ कर सकता हूं। एक नया मिडफील्डर लाने का मतलब यह नहीं है कि आपके पास अधिक संतुलन है। बहस यह हो सकती है कि बेलिंगहैम क्या है: फॉरवर्ड या मिडफील्डर? हम नहीं जानते।

उन्होंने कहा, मुझे अपनी टीम को अच्छी तरह से बचाव करते हुए देखना पसंद है, कब्जे में समय बर्बाद नहीं करना और लंबवत रहना। यह परिभाषित करना मुश्किल है कि सुंदर फुटबॉल क्या है।

एंसेलोटी के पास एस्पेनयोल का सामना करने के लिए जूड बेलिंगहैम और ऑरेलियन टचौमेनी दोनों उपलब्ध हैं, जो पिछले सप्ताहांत में अलावेस के खिलाफ घरेलू मैदान पर जावी पुआडो की हैट्रिक की बदौलत 3-2 से जीत दर्ज करने के बाद अच्छी फॉर्म में मैड्रिड की यात्रा कर रहे हैं।

एस्पेनयोल एक ऐसी टीम है जो पारंपरिक रूप से मैड्रिड में खराब प्रदर्शन करती है और घरेलू मैदान पर आरामदायक जीत के अलावा कुछ भी उसके लिए आश्चर्यजनक होगा।

गोयल ने म्यांमार के निवेश और कोरिया गणराज्य के व्यापार मंत्री से की बातचीत

लाओस/नई दिल्ली,21 सितंबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को म्यांमार के निवेश और विदेशी आर्थिक मामलों के मंत्री डॉ. कान जॉ के साथ एक अहम बैठक की। इसके अलावा उन्होंने कोरिया गणराज्य के व्यापार, उद्योग और ऊर्जा मंत्री इंक्यो चियोंग के साथ भी सार्थक बातचीत की।

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री गोयल ने कहा कि 12वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन के आर्थिक मंत्रियों की बैठक के अवसर पर म्यांमार के निवेश और विदेशी आर्थिक मामलों के मंत्री डॉ. कान जॉ के साथ मुलाकात हुई है। इस दौरान उन्होंने कई अहम मुद्दों पर बातचीत की। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल लाओस के वियनतियाने के दो दिवसीय आधिकारिक दौरे पर हैं।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि डॉ. कान जॉ के साथ दाल, डीजल, गैसोलीन, इलेक्ट्रिक वाहन आदि जैसे क्षेत्रों में संभावित सहयोग और रुपया-क्यात मुद्रा तंत्र के माध्यम से द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा हुई।

इसके साथ ही उन्होंने आसियान-भारत वस्तु व्यापार समझौते (एआईटीआईजीए) की समीक्षा और आगामी संयुक्त व्यापार समिति की बैठक से संबंधित मामलों पर चर्चा की। वाणिज्य मंत्री ने कहा कि उनकी कोरिया गणराज्य के व्यापार, उद्योग और ऊर्जा मंत्री इंक्यो चियोंग के साथ सार्थक बातचीत हुई है।

उन्होंने कहा कि इस बातचीत के दौरान अधिक संतुलित व्यापार प्राप्त करने, भारत-कोरिया व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) को उन्नत करने, रोजगार सृजन से जुड़े निवेश को बढ़ावा देने और हमारे आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने के लिए गैर-टैरिफ बाधाओं को दूर करने पर विचार-विमर्श किया गया।

न्यूज ब्रीफ

झारखंड सरकार ने धान के लिए 100 रुपए प्रति क्विंटल बोनस मंजूर किया

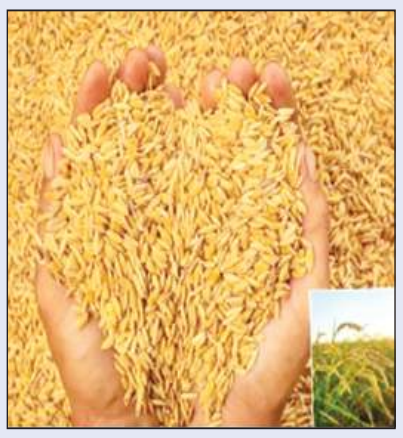

रांची। झारखंड सरकार ने वित्त वर्ष 2024-25 में धान के लिए केंद्र के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के अलावा 100 रुपये प्रति क्विंटल का बोनस देने की घोषणा की। एक अधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में इस संबंध में कुल 60 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। मंत्रिमंडल सचिव वंदना दादेल ने कहा कि मंत्रिमंडल ने केंद्र के एमएसपी के अलावा धान पर 100 रुपये प्रति क्विंटल के बोनस के प्रस्ताव को मंजूरी दी और इस संबंध में 60 करोड़ रुपये मंजूर किए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने इस सत्र में किसानों से 6 लाख टन धान खरीदने का भी फैसला किया है। केंद्र ने वित्त वर्ष 2024-25 में धान की सामान्य किस्म के लिए 2,300 रुपये प्रति क्विंटल और ग्रेड-ए किस्म के लिए 2,320 रुपये का एमएसपी तय किया है। मंत्रिमंडल की बैठक के दौरान कुल 36 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई, जिसमें राज्य भर में 29,604 जमीनी स्तर पर पेयजल सेवा प्रदान करने में लगे लोगों को 12,000 रुपये मूल्य के स्मार्टफोन प्रदान करना शामिल है।

यूएस फेड के फैसले से बाजार में उछाल, ऑल टाइम हाई पर पहुंचे सेंसेक्स और निफ्टी

नई दिल्ली,21 सितंबर (एजेंसियां)।

घरेलू शेयर बाजार में पिछले सप्ताह भी लगातार बढ़त का रुख बना रहा। सोमवार से शुक्रवार के बीच के कारोबार में मंगलवार को छोड़ कर हर दिन मजबूती का नया रिकॉर्ड बनता रहा। मंगलवार को भी सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने ऑल टाइम हाई क्लोजिंग का नया रिकॉर्ड बनाया। इसी सप्ताह के दौरान सेंसेक्स पहली बार 84 हजार अंक के स्तर को पार कर गया। इसी तरह निफ्टी भी पहली बार 25,800 अंक के ऊपर पहुंच गया।

बुधवार को अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती करने का फैसला आने के बाद मार्केट सेंटीमेंट्स को और मजबूती मिली, जिसकी वजह से दुनिया भर के ज्यादातर बाजारों की तरह ही भारतीय शेयर बाजार में भी जमकर खरीदारी होती नजर आई। 16 सितंबर से लेकर 20 सितंबर के बीच के कारोबार के बाद बीएससी का सेंसेक्स 1,653.37 अंक यानी 1.99 प्रतिशत मजबूत होकर 84,544.31 अंक की ऐतिहासिक ऊंचाई पर बंद हुआ। इसी तरह निफ्टी 434.50 अंक यानी 1.71 प्रतिशत की छलांग लगा कर 25,790.95 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इस सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन 20 सितंबर को ही सेंसेक्स अभी तक के सर्वोच्च स्तर 84,694.46 अंक तक और निफ्टी 25,849.25 अंक के सर्वोच्च स्तर तक पहुंचने में सफल रहे।

इस सप्ताह बीएसई का लार्जकैप इंडेक्स 10 हजार अंक के स्तर को पार करके पहली बार 10,082.92 अंक के नए शिखर पर पहुंच गया। पूरे सप्ताह के कारोबार के दौरान महिंद्रा एंड महिंद्रा, अडाणी ग्रीन एनर्जी, बजाज होल्डिंग एंड इन्वेस्टमेंट, नेस्ले इंडिया, आईसीआईसीआई बैंक, आईसीआईसीआई लोंबार्ड जनरल इंश्योरेंस कंपनी, एनटीपीसी, जोमैटो और लार्सन एंड टूब्रो के शेयर टॉप गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स, इंडस टावर्स, जाइडस लाइफ साइंसेज, टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस), अडाणी विल्मर, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और यूपीएल के शेयर टॉप लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

इसी तरह बीएसई का मिडकैप इंडेक्स भी इस सप्ताह 49,506.01 अंक के रिकॉर्ड स्तर को छूने में सफल रहा। इस इंडेक्स में मैक्स हेल्थ केयर इंस्टीट्यूट, टॉरेंट पावर, पीबी फिनटेक, यूएनओ मिंडा, संवर्धन मदरसन इंटरनेशनल, सुप्रीम इंडस्टरीज, श्रीराम फाइनेंस, आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज और ट्यूब इन्वेस्टमेंट ऑफ इंडिया के शेयर टॉप गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर वोडाफोन आइडिया, एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस, लॉरेंस लैब्स, ओरेकल फाइनेंशियल सर्विसेज, कंटेनर कारपोरेशन ऑफ इंडिया, ग्लेनमार्क फार्मास्यूटिकल्स, ग्लैक्सो स्मिथ क्लाइन फार्मास्यूटिकल्स, आईडीबीआई बैंक और पीरामल एंटरप्राइजेज के शेयर टॉप लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

सोमवार से शुक्रवार के बीच के कारोबारी सप्ताह के दौरान ही बीएसई के स्मॉलकैप इंडेक्स ने भी 57,502.74 अंक के ऑल टाइम हाई लेवल पर पहुंचने में सफलता पाई। इस इंडेक्स में शामिल कंपनियों में से नियोजन केमिकल्स, कॉनकॉर्ड बायोटेक, रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर, वारी रिन्यूएबल टेक्नोलॉजीज, हिम्मत सिंगका सीड्स, रिलायंस पावर, आईटीडी सीमेंटेशन इंडिया, स्टर्लिंग टूल्स, वक्रांगी, महाराष्ट्र स्कूटर्स और मैराथन नेक्स्ट जेन रियल्टी के शेयर सबसे अधिक मुनाफा कमाने वाले शेयरों में शामिल हुए। दूसरी ओर, अंबस होल्डिंग्स, नेल्को, एमके प्रोटीन्स, स्पोर्ट किंग इंडिया, साधना नाइट्रोकेम, केडीडीएल, रेनेसां ग्लोबल, राणे होल्डिंग्स, पीटीसी इंडिया, सिंकॉम फॉर्मूलेशन और टूकैप फाइनेंस सबसे अधिक नुकसान उठाने वाले शेयरों में शामिल हुए।

पिछले सप्ताह के कारोबार में अगर सेक्टोरल परफॉर्मेंस की बात करें तो रियल्टी इंडेक्स 4.5 प्रतिशत की तेजी के साथ सबसे अधिक मजबूती वाला सेक्टर साबित हुआ। इसके बाद निफ्टी का बैंक इंडेक्स 3.5 प्रतिशत, ऑटोमोबाइल इंडेक्स 2 प्रतिशत और एफएमसीजी इंडेक्स 1 प्रतिशत की तेजी हासिल करने में सफल रहे। दूसरी ओर आईटी इंडेक्स में करीब 3 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। इसी तरह निफ्टी के मीडिया इंडेक्स में 2.6 प्रतिशत की और फार्मास्यूटिकल इंडेक्स में 2 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

पिछले सप्ताह के कारोबार के दौरान विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने 11,517.92 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। दूसरी ओर, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने इस सप्ताह के दौरान 633.67 करोड़ रुपये की बिकवाली की। हालांकि इस महीने 2 सितंबर से लेकर 20 सितंबर के बीच स्टॉक मार्केट में विदेशी संस्थागत निवेशकों ने कुल 26,336.52 करोड़ रुपये की और घरेलू संसाधन निवेशकों ने 8,249.79 करोड़ रुपये की खरीदारी की है।

जियो का नया रिचार्ज प्लान, अनलिमिटेड 5जी के साथ मिलेगी फ्री कॉलिंग!

मुंबई,21 सितंबर।

देश की प्रमुख दूरसंचार कंपनी जियो अपने ग्राहकों के लिए नवरात्रि से पहले नया प्लान लेकर आया है। जियो ने 364 दिन वाला 3599 रुपए का रिचार्ज प्लान फ्री में देने का ऐलान किया है। हालांकि इसके लिए कंपनी ने कुछ शर्तें रखी है, जिसके यूजर्स को पूरा करना होगा।

जियो यूजर्स इस ऑफर का फायदा उठा सकते हैं, जिससे पूरे साल रिचार्ज कराने का झंझट खत्म हो जाएगा। बता दें कि ये ऑफर देश के सभी कोनों में लागू होगा। जानकारी के अनुसार जियो ने अपनी इंटरनेट सेवा यानि जियो फाइबर को प्रमोट करने के लिए बड़ा फैसला लिया है। जियो यूजर्स नए एयरफाइबर प्लान के लिए साइन अप करके फ्री मोबाइल रिचार्ज का मजा ले सकते हैं। जियो की वेबसाइट के मुताबिक, यूजर्स को 3599 रुपये का कॉम्प्लीमेंट्री सालाना मोबाइल रिचार्ज प्लान मिलेगा, जो 365 दिनों के लिए वैलिड होगा। इस प्लान में रोजाना 2.5जीबी हाई-स्पीड डेटा का फायदा शामिल है। जियो यूजर्स कंपनी की वेबसाइट और माय जियो ऐप के जरिए नया एयरफाइबर बुक कर सकते हैं। कंपनी ने एयर फाइबर ब्रॉडबैंड के लिए सिर्फ 50 रुपये का बुकिंग चार्ज तय किया है। इसके अलावा एयर फाइब्रर आफर के तहत 3 महीने के प्लान पर यूजर्स को 30 फीसदी की छूट दी जा रही है, जो 2121 रुपये में उपलब्ध है। इस प्लान में 800 से ज़्यादा डिजिटल टीवी चैनल, 13 से ज़्यादा ओटीटी ऐप और अनलिमिटेड वाई-फाई का एक्सेस शामिल है।

मोबाइल सेवा शुल्क बढ़ने से जुलाई में ग्राहकों की संख्या घटी

नई दिल्ली। जुलाई में मोबाइल सेवा शुल्क बढ़ने के बाद टेलीकॉम कंपनियों रिलायंस जियो, भारती एयरटेल और वोडाफोन आइडिया के ग्राहकों की संख्या में गिरावट देखी गई। ट्राई द्वारा जारी मासिक रिपोर्ट के अनुसार जुलाई में देश के कुल मोबाइल ग्राहक घटकर 120 करोड़ 51.7 लाख रह गए, जो जून में 120 करोड़ 56.4 लाख थे। रिपोर्ट के मुताबिक भारती एयरटेल ने जुलाई में 16.9 लाख ग्राहक खो दिए, जो अन्य कंपनियों के मुकाबले सबसे ज्यादा नुकसान था। वोडाफोन आइडिया ने 14.1 लाख ग्राहक गंवाए, जबकि रिलायंस जियो ने 7.58 लाख ग्राहकों का नुकसान उठाया। पिछले दो-तीन वर्षों में एयरटेल और वोडाफोन आइडिया ने अपनी प्रारंभिक मोबाइल सेवा दरों को दोगुना से अधिक बढ़ाकर 199 रुपये प्रति 28 दिन कर दिया है। इस शुल्क वृद्धि से ग्राहकों पर वित्तीय दबाव बढ़ा, जिसके परिणामस्वरूप ग्राहक आधार में कमी आई। इसके विपरीत, भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) एकमात्र सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी रही, जिसने नए ग्राहकों की संख्या में वृद्धि दर्ज की।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

म्यांमार से मणिपुर

बनाने की पुरजोर कोशिश कर रहे हैं। राजनीतिक दल इनसे लगातार धन मिलने के कारण देशहित को ताक पर रख कर उन्हें मदद पहुंचा रहे हैं।मणिपुर में मैतेई समुदाय मुख्य रूप से इंफाल घाटी में रहते हैं और कूकियों के अफीम साम्राज्य के सबसे बड़े दुश्मन साबित हो रहे हैं। कुकी समुदाय के ज्यादातर लोग पहाड़ी इलाकों में रहते हैं। अफीम की खेती और उग्रवाद पर कारगर रोक लगाने की कार्रवाई से कुकी समुदाय काफी गुस्से में है। कुकी समुदाय मैतेई समुदाय को एसटी का दर्जा देने की मांग का भी विरोध कर रहा है। खुफिया एजेंसियों की रिपोर्ट बताती है कि कुकी समुदाय लंबे समय से अफीम की खेती करते आ रहे हैं, जिसकी वजह से मणिपुर में एक बड़ा ड्रग कल्चर खड़ा हो गया है। जब भारत सरकार ने उसे नष्ट कर दिया तो समुदाय में आक्रोश पैदा हो गया और हिंसा शुरू हो गई। सख्त कार्रवाई के बावजूद यह सवाल उठा कि प्रशासन कैसे और क्यों पूरे दक्षिण पूर्व एशिया से ड्रग्स को मणिपुर में आने देता है और यहां से देश के अन्य हिस्सों में जाने दे रहा है?खुफिया एजेंसियों की रिपोर्ट के अनुसार मणिपुर में 900 से अधिक कुकी उग्रवादियों ने म्यांमार से घुसपैठ की है। इंटेल अलर्ट के अनुसार ये वे उग्रवादी हैं, जिन्हें ड्रोन आधारित बम, प्रोजेक्टाइल, मिसाइल और जंगल युद्ध के लिए प्रशिक्षित ट्रेंड किया गया है। कुकी उग्रवादी 30-30 सदस्यों के गुटों में हैं और वर्तमान में अलग-अलग इलाकों में हैं। उग्रवादियों द्वारा मैतेई गांवों पर हिंसक हमले शुरू करने की आशंका है। इस बीच मणिपुर के सुरक्षा सलाहकार कुलदीप सिंह ने खुफिया रिपोर्ट की आधिकारिक पुष्टि की है।हाल ही में भारतीय सेना द्वारा मणिपुर पुलिस के साथ एक संयुक्त अभियान में इंफाल पूर्वी जिले के पहाड़ी क्षेत्रों में इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) का बड़ा जखीरा बरामद किया। यह ऑपरेशन बोंगजांग और इथम गांवों के पास हुआ। मणिपुर जिरीबाम जिले में भी पिछले दिन गोलीबारी की घटना घटी। जिले के मैतेई गांव में उग्रवादियों ने हमला किया था। इस दौरान गांव की सुरक्षा में तैनात स्वयंसेवकों ने भी जवाबी कार्रवाई की। अच्छी बात यह रही कि घटना में किसी की जान नहीं गई। बताया जाता है कि उग्रवादियों ने गांव पर कई राउंड फायरिंग की। गोलीबारी में कोई भी व्यक्ति घायल नहीं हुआ। खुफिया एजेंसी ने कहा, म्यांमार से मणिपुर में घुसे 900 आतंकवादी, 30-30 के गुट में पूरे राज्य में फैलना चाहते हैं और अलग-अलग स्थानों में हिंसा फैलाना चाहते हैं। मणिपुर सरकार के सुरक्षा सलाहकार कुलदीप सिंह ने कहा कि कुकी आतंकियों के खतरे को देखते हुए सुरक्षा एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। इसके साथ ही राज्य के पहाड़ी इलाकों में सुरक्षा के खास इंतजाम किए गए हैं। बताया जा रहा है कि म्यांमार की सीमा के अंदर घुसे आतंकी ड्रोन को ऑपरेट करने और ड्रोन चलाने में भी माहिर हैं। राज्य सरकार के सलाहकार ने सचेत किया है कि खुफिया रिपोर्ट को इस तरह से हल्के में नहीं लिया जा सकता। इसी को ध्यान में रखते हुए प्रदेश सरकार ने सभी जिलों के एसपी और कलेक्टरों को अधिकारियों को भेज दिया है। मणिपुर में आए आतंकी ड्रोन से हमले करने, मिसाइलों को ऑपरेट करने और जंगल युद्ध में माहिर हैं।

कुकियों के....

आजादी के बाद जब उत्तर पूर्व में मिशनरियों को खुली छूट मिली तो उन्होंने इनका धर्म परिवर्तन कराया और अब लगभग सारे कुकी ईसाई हैं। और यही कारण है कि इनके मुद्दे पर एशिया-यूरोप सब एक सुर में बोलने लगते हैं। जबकि विडंबना यह है कि मैती, मैतेई या मैतई समुदाय के लोग मणिपुर के मूल निवासी हैं। सदैव वनवासियों की तरह प्राकृतिक वैष्णव जीवन जीने वाले लोग। पुराने दिनों में सत्ता इनकी थी, इन्हीं में से राजा हुआ करते थे। अब राज्य नहीं है, जमीन भी नहीं है। मणिपुर की जनसंख्या में ये आधे से अधिक हैं, पर भूमि इनके पास दस प्रतिशत के आसपास है। उधर कुकियों की जनसंख्या तीस प्रतिशत है, पर जमीन नब्बे प्रतिशत है।

इस यात्रा के ...

अपने सहयोगियों राष्ट्रपति जो बाइडेन, प्रधानमंत्री अल्बनीज और प्रधानमंत्री किशिदा के साथ शामिल होने के लिए उत्सुक हूं। यह मंच हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, प्रगति और समृद्धि के लिए काम करने वाले समान विचारधारा वाले देशों के एक प्रमुख समूह के रूप में उभरा है। राष्ट्रपति बाइडेन के साथ मेरी बैठक हमें अपने लोगों और वैश्विक भलाई के लाभ के लिए भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने के लिए नए रास्तों की समीक्षा और पहचान करने की अनुमति देगी। मैं भारतीय प्रवासियों और महत्वपूर्ण अमेरिकी व्यापारिक नेताओं के साथ जुड़ने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं, जो प्रमुख हितधारक हैं और दुनिया के सबसे बड़े और सबसे पुराने लोकतंत्रों के बीच अनूठी साझेदारी को जीवंतता प्रदान करते हैं। भविष्य का शिखर सम्मेलन वैश्विक समुदाय के लिए मानवता की बेहतरी के लिए आगे की राह तैयार करने का एक अवसर है। मैं मानवता के छठे हिस्से के विचारों को साझा करूंगा क्योंकि शांतिपूर्ण और सुरक्षित भविष्य में उनकी हिस्सेदारी दुनिया में सबसे अधिक हैइस बार के अमेरिका दौरे पर पीएम मोदी 21 सितंबर को डेलवेयर के विलमिंगटन में क्वाड लीडर्स समिट में शामिल होंगे। पीएम मोदी 22 सितंबर को न्यूयॉर्क में भारतीय समुदाय के लोगों को भी संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा में 23 सितंबर को समिट ऑफ द फ्यूचर को संबोधित करेंगे। इसमें विभिन्न देशों के नेता एक मंच पर आएंगे और इस बात पर नई अंतरराष्ट्रीय सहमति बनाएंगे कि कैसे वर्तमान को बेहतर और भविष्य को सुरक्षित बनाया जाए। प्रधानमंत्री मोदी विश्व के कई नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें करेंगे और परस्पर हितों के मुद्दों पर चर्चा करेंगे। इनमें अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन, ऑस्ट्रेलियाई पीएम एंथनी अल्बनीस व जापानी पीएम फुमियो किशिदा मुख्य रूप से शामिल हैं। साथ ही वे हिंद-प्रशांत में क्षेत्रीय सुरक्षा व सहयोग पर चर्चा करेंगे। विलमिंगटन में क्वाड की मुख्य सभा क्लेमोंट स्थित आर्कमेरे अकादमी में होगी। इसमें नेताओं के स्तर की बैठक, कैंसर मूनशॉट कार्यक्रम और एक निजी रात्रिभोज कार्यक्रम भी शामिल है। आर्कमेरे अकादमी निजी कैथोलिक स्कूल है जहां से राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अपनी शिक्षा प्राप्त की थी।न्यूयॉर्क में पीएम मोदी दोनों देशों के बीच व्यापक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए अग्रणी अमेरिकी कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) के साथ बातचीत भी करेंगे। उधर, संयुक्त राष्ट्र के भविष्य के शिखर सम्मेलन में भारत ने कहा कि टिकाऊ जीवनशैली अपनाने से जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न कई चुनौतियों से निपटा जा सकता है और यदि किफायती समाधान पेश किए जाएं तो वैश्विक सफलता की संभावना अधिक है। शुक्रवार को न्यूयॉर्क में शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय में सचिव लीला नंदन ने भी कहा कि जलवायु परिवर्तन पर चर्चा अक्सर केवल उत्सर्जन में कमी पर केंद्रित होती है, लेकिन यदि हम किफायती समाधान पेश करते हैं, न कि केवल निर्णय थोपते हैं तो हमारे सफल होने की संभावना अधिक है। भविष्य का शिखर सम्मेलन वैश्विक चुनौतियों पर चर्चा करने और उभरते खतरों से निपटने के लिए बहुपक्षीय सहयोग को मजबूत करने के लिए विश्व नेताओं, नीति निर्माताओं और अन्य हितधारकों को एक साथ लाता है।

संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में हो रहे भविष्य के शिखर सम्मेलन के एजेंडे पर निदेशक मिशेल ग्रिफिन ने कहा कि इस शिखर सम्मेलन का उद्देश्य वास्तव में विश्वास और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग की कार्यप्रणाली को बहाल करना है। इसलिए, हम देख रहे हैं कि हम वैश्विक स्तर पर एक साथ कैसे काम करते हैं ताकि हम उन सभी वादों को पूरा कर सकें जो हमने पहले ही किए हैं, उन सभी लक्ष्यों को जो हमने पहले ही अपने लिए निर्धारित किए हैं, लेकिन हम उन सभी चुनौतियों और जोखिमों और अवसरों को भी देख रहे हैं जो भविष्य में आने वाले हैं और यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहे हैं कि संयुक्त राष्ट्र और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के अन्य प्रमुख संगठन उन चुनौतियों के लिए तैयार हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा पर भारतीय-अमेरिकी कांग्रेस के सदस्य श्री थानेदार ने कहा, अमेरिका में रहने वाले भारतीय प्रवासी प्रधानमंत्री मोदी की अमेरिका यात्रा को लेकर बहुत उत्साहित हैं। बहुत से लोग हैं जो प्रधानमंत्री मोदी से प्यार करते हैं, वे देश के लिए उनके द्वारा किए गए कामों की सराहना करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शिता के कारण भारत एक सुपर आर्थिक शक्ति बन गया है और पूरे अमेरिका में रहने वाले भारतीय-अमेरिकी उनके अमेरिका पहुंचने पर उनका स्वागत करने के लिए बहुत उत्साहित हैं।

पीएम मोदी अमेरिका...

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा, मैं अपने घर डेलावेयर में प्रधानमंत्री मोदी, अल्बानीज और किशिदा का स्वागत करूंगा। ये नेता भारत-प्रशांत क्षेत्र के खुले और स्वतंत्र पक्ष का समर्थन करते हैं। साथ ही मेरे और राष्ट्र के मित्र हैं। मैं आशा करता हूं कि शिखर सम्मेलन में हम काफी कुछ हासिल करेंगे।

संयुक्त राष्ट्र...

दावेदारी पेश करता आया है। हाल ही में अमेरिका ने भी इसके लिए अपना समर्थन जताया था। वहीं, अब यूएन में भारत के स्थायी राजदूत पी हरीश ने भी यूएनएसी में सुधारों की प्रबल आवश्यकता बताई है। उन्होंने सुरक्षा परिषद में सुधार की जरूरत पर बल देते हुए कहा कि आज संशोधित सुरक्षा परिषद के विस्तार की आवश्यकता है और ज्यादातर देश इससे सहमत हैं। सभी ने एक स्वर में कहा है कि सुरक्षा परिषद को स्थायी और गैर-स्थायी दोनों श्रेणियों में विस्तार की जरूरत है।उनका यह बयान तब आया है जब 23 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यूएन मुख्यालय में होने वाले शिखर सम्मेलन को संबोधित करने वाले हैं। दुनिया भर के कई हिस्सों में चल रही जंग के बीच इस शिखर सम्मेलन को समिट ऑफ फ्यूचर नाम दिया गया है। पी हरीश ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के उच्चस्तरीय सत्र में भारत की प्राथमिकताओं पर भी बात की। पी हरीश ने कहा कि भारत का नाम वैश्विक शांति मिशनों बड़े योगदानकर्ता के रूप में शुमार है। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के दो साल और उसके बाद, कई संकटों और संघर्षों के बाद दुनिया के अधिकांश लोगों का बड़ा ध्यान इस तथ्य पर होगा कि हम अपने सतत विकास लक्ष्यों, एजेंडा 2030 से चूक गए हैं। लेकिन हम इसे पटरी पर ला रहे हैं। हम अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा से संबंधित मामलों पर बड़ा ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि भारत वैश्विक शांति मिशनों में एक बड़ा योगदानकर्ता है। मुद्दा यह है कि हम यह कैसे सुनिश्चित करें कि शांति स्थापना अधिक केंद्रित, अधिक लक्षित और आवश्यकताओं को पूरा करे और हमारी शांतिरक्षकों के पास यह सुनिश्चित करने के लिए संसाधन हैं कि वे अपने जनादेश को पूरा करें। आतंकवाद एक बड़ा वैश्विक खतरा है, आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग महत्वपूर्ण है। आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए हमें सुनिश्चित करना होगा कि आतंकवाद के लिए कोई वित्तपोषण न हो।

अमेरिका में....

को अमेरिका पहुंचने ने बाद अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन से मुलाकात करेंगे, जिसके बाद दोनों क्वाड नेताओं के शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे। क्वाड समिट में जापान के पीएम फुमियो किशिदा और ऑस्ट्रेलियाई पीएम एंथनी अल्बनीस भी शामिल होंगे। चारों नेता डेलावेयर की आर्कमेरे एकाडमी में एकत्र होंगे जहां अमेरिकी राष्ट्रपति ने हाई स्कूल में पढ़ाई की थी। स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप (एसपीजी) और यूएस सीक्रेट सर्विस भी न्यूयॉर्क में पीएम मोदी की सुरक्षा का प्रबंधन कर रहे हैं, जहां वह 22 सितंबर को भारतीय प्रवासियों को संबोधित करेंगे। भारतीय समुदाय का कार्यक्रम न्यूयॉर्क के नासाउ कोलिज़ीयम, नासाउ काउंटी में होगा। नासाउ काउंटी पुलिस इस कार्यक्रम की सुरक्षा कड़ी कर रही है। अमेरिकी सीक्रेट सर्विस भीड़ को नियंत्रित करने और क्राउड की जांच करने के लिए नासाउ काउंटी पुलिस से सहयोग लेगी ताकि कोई हादसा न हो। न्यूयॉर्क शहर में जहां समिट ऑफ फ्यूचर 23 सितंबर को आयोजित की जाएगी, सुरक्षा कड़ी कर दी गई है।

पहले पाकिस्तान....

और हमने आपना वादा निभाया।गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में अब्दुल्ला, मुफ्ती और नेहरू-गांधी परिवार ने 90 के दशक से लेकर अब तक दशहतगर्दी फैलाई। आज पीएम मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने जम्मू-कश्मीर से दशहतगर्दी को समाप्त किया है। यहां के युवाओं के हाथ में पत्थर की जगह लैपटॉप दिया है।

हिंद महासागर में ...

और नौसेना की युद्धक क्षमताओं को बढ़ाने पर फोकस किया गया। कमांडरों ने क्षेत्र की बदलती भू-राजनीतिक स्थिति पर भी चर्चा की और यह तय किया कि इसके लिए भविष्य की योजना तैयार की जाएगा, ताकि हिंद महासागर क्षेत्र में पहला उत्तरदाता और सुरक्षा साझेदार बनने की दिशा में कदम बढ़ाए जा सकें। कमांडरों ने आत्मनिर्भरता के राष्ट्रीय दृष्टिकोण के प्रति नौसेना के दृढ़ प्रतिबद्धता जताई।सम्मेलन में पहुंचे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कमांडरों से कहा कि उन्हें वैश्विक स्थिति को देखते हुए किसी भी सुरक्षा चुनौती का सामना करने के लिए तैयार रहना चाहिए। उन्होंने भारत की नौसैनिक क्षमता को और अधिक बढाने आवश्यता पर जोर दिया। सिंह ने कहा कि भारत अब हिंद महासागर में एक पसंदीदा सुरक्षा साझेदार के रूप में देखा जा रहा है और नौसैना क्षेत्र में शांति और समृद्धि को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

मंदिरों से सरकार....

कि भविष्य में किसी और मंदिर में ऐसा न हो सके। उन्होंने कहा कि देश में वही होगा जो बहुसंख्यक हिंदू समाज चाहेगा, धर्माचार्यों की टीम बनाकर सभी मठ मंदिरों के प्रसाद की जांच कराएंगे। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद महाराज ने कहा कि भगवान के प्रसाद में अपवित्र घटक मिलाना पूरे हिंदू समुदाय के प्रति अपराध है। इस मामले की उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए और दोषियों को तुरंत गिरफ्तार कर सख्त सजा दी जानी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि देश के सभी मंदिरों की पूजा पद्धति में सरकार का हस्तक्षेप पूरी तरह समाप्त होना चाहिए, क्योंकि धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं का सही पालन केवल संस्कृति से जुड़े लोग ही कर सकते हैं। मंदिरों का प्रबंधन धर्माचार्यों के हाथों में दिया जाना चाहिए, ताकि परंपरा और संस्कृति को बचाया जा सके।शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद महाराज ने कहा कि तिरुमला मंदिर में जो हुआ वह बद्रीनाथ और केदारनाथ में हो रहा है। सरकार ने यहां पारंपरिक लोगों को हटाकर सीधी भर्ती शुरू कर रही है, इससे धार्मिक भावनाओं से खिलवाड़ हो सकता है। क्योंकि, जो लोग मंदिरों में काम करेंगे वो वे आस्था से नहीं, नौकरी के लिए करेंगे। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद महाराज ने इस पूरे मामले को लेकर आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की सराहना की। उन्होंने कहा कि अगर आरोप झूठे होते तो अब तक नायडू का घेराव हो चुका होता।

60 नए मेडिकल....

कुछ साल में पहले स्थान पर आया है। अब मेडिकल कॉलेजों की संख्या में भी सबसे आगे है। पूरी दुनिया के करीब 195 देशों में लगभग 3,965 मेडिकल कॉलेज हैं। इनमें से सर्वाधिक 1865 (47%) मेडिकल कॉलेज एशिया के 48 देशों में हैं। इनमें से 41 फीसदी यानी 766 मेडिकल कॉलेज अब भारत में संचालित हो रहे हैं, जहां 1.15 लाख एमबीबीएस सीट पर हर साल प्रवेश लिए जाएंगे। फिलहाल ब्राजील 348 मेडिकल कॉलेजों के साथ दूसरे नंबर पर है जबकि अमेरिका 198 मेडिकल स्कूलों के साथ तीसरे नंबर पर है। चीन 191 मेडिकल कॉलेजों के साथ चौथे नंबर और मेक्सिको 147 मेडिकल कॉलेजों के साथ पांचवें नंबर पर है।

आतिशी मार्लेना ....

का विभाग का प्रभार दिया गया था। दिल्ली की कैबिनेट में अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित सीट सुल्तानपुरी से जीते मुकेश अहलावत नया चेहरा हैं। मुकेश अहलावत ने कैबिनेट में राजकुमार आनंद की जगह ली, जिन्होंने आबकारी नीति घोटाले का विरोध करते हुए पद से इस्तीफा दे दिया था।

पालकी में होगा मां दुर्गा का आगमन

नवरात्र में तीन बार सर्वार्थ सिद्धि और चार बार रवि योग

देवी आराधना का पर्व शारदीय नवरात्र तीन अक्टूबर से प्रारंभ होगा। इस बार नवरात्र के नौ दिनों में तीन बार सर्वार्थ सिद्धि तथा चार बार रवियोग का महासंयोग बन रहा है। धर्मशास्त्र के जानकारों के अनुसार अगर शक्ति उपासना के पर्वकाल में विशिष्ट योग नक्षत्र की साक्षी रहती है, तो साधना आराधना की दृष्टि से महत्वपूर्ण होता है।

इन योगों में की गई उपासना शीघ्र फल प्रदान करती है। साथ ही इन योगों में नए व्यापार व्यवसाय का शुभारंभ तथा घर परिवार के लिए की गई खरीदी भी शुभफल प्रदान करती है। ज्योतिषाचार्य पं. अमर डब्बावाला ने बताया अश्विन मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि पर तीन अक्टूबर को गुरुवार के दिन हस्त नक्षत्र की साक्षी में शारदीय नवरात्र का आरंभ होगा।

सर्वार्थ सिद्धि योग

नवरात्र के नौ दिनों में तीन दिन सर्वार्थ सिद्धि तथा चार दिन रवि योग का संयोग रहेगा। सर्वार्थ सिद्धि योग सभी कार्यों में सिद्धि प्रदान करने वाला माना गया है। इस योग में किसी कामना विशेष से देवी की शास्त्रोक्त आराधना करने से इच्छित फल की प्राप्ति होती है। नया व्यवसाय शुरू करना, भूमि, भवन, वाहन की खरीदी शुभ मानी जाती है।

रवि योग

रवि योग भी शुभफल प्रदान करने वाला है, इस योग में स्वर्ण की खरीदी विशेष शुभ मानी जाती है। इसके अलावा इस योग में प्लाट, मकान, कृषि भूमि की रजिस्ट्री करना, इंश्योरेंस पालिसी खरीदना तथा वाहनों की खरीदी स्थाई समृद्धि प्रदान करने वाली मानी जाती है।

देवी के पालकी में आने से आएगी सकारात्मकता

आने वाले दिनों में व्यापार, व्यवसाय को गति मिलेगी। रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। विकास के कार्य होंगे। आम जनमानस के जीवन स्तर में सुधार आएगा। देवी के पालकी में सवार होकर आने से सकारात्मकता आएगी।

कल बुध कन्या राशि में करेंगे प्रवेश

शुक्र के राशि परिवर्तन से बना मालव्य राजयोग

शुक्र ग्रह मूल त्रिकोण राशि तुला में 18 सितंबर को प्रवेश कर कर चुके हैं। अब 23 सितंबर को बुध कन्या राशि में प्रवेश करेंगे। ज्योतिषाचार्य सुनील चोपड़ा ने बताया कि शुक्र ग्रह भौतिक सुख-सुविधा, वैभव और भोग-विलास के कारक ग्रह माने जाते हैं। शुक्र के अपनी स्वराशि में गोचर करने के कारण मालव्य राजयोग बनता है।

बुध ग्रह का अपनी ही राशि कन्या में प्रवेश

23 सितंबर से बुध ग्रह अपनी स्वराशि कन्या में प्रवेश करने जा रहे हैं। वैदिक ज्योतिष में बुध ग्रह को ग्रहों का राजकुमार मान जाता है। बुध ग्रह को वाणी, कम्यूनिकेशन, व्यापार, बुद्धि, शेयर बाजार और अर्थव्यवस्था का कारक माना जाता है। इसलिए जब भी बुध ग्रह की चाल में बदलाव होता है, तो इन सेक्टरों पर विशेष प्रभाव पड़ता है। साथ ही लोगों को करियर और कारोबार में तरक्की मिल सकती है।

मालव्य राजयोग बहुत शुभ

ज्योतिष में मालव्य राजयोग को बहुत ही शुभ माना गया है। ऐसे में शुक्र के गोचर से कुछ राशि वालों को अच्छी तरक्की और धन लाभ के अच्छे संयोग बनेंगे। ज्योतिष शास्त्र में शुक्र को प्रेम, सौहार्द व सुंदरता का कारक ग्रह कहा जाता है। यह किसी व्यक्ति के जीवन में रिश्ते के प्रति हमारा दृष्टिकोण और हम अपनी भावनाओं को किस तरह से दूसरों के सामने रखते हैं, आदि का प्रतिनिधित्व करते हैं।

मालव्य राजयोग का राशियों पर पड़ेगा यह असर

मेष : जिन लोगों को अपने प्रेम संबंधों में उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ा है, उनके प्रेम संबंधों में सुधार आएगा और जीवनसाथी का अच्छा व्यवहार उनके दांपत्य जीवन में देखने को मिलेगा। व्यापार में उन्नति होगी।

वृषभ : शुक्र का तुला राशि में जाना आपको सबसे अधिक फायदा पहुंचाएगा। आपके लिए गए कई निर्णय बहुत ही कारगर साबित होंगे। धन में वृद्धि के योग हैं।

मिथुन : शिक्षा के क्षेत्र में तरक्की होगी। इसके साथ ही आर्थिक लाभ भी प्राप्त होगा। आपको अपने बच्चों से शुभ समाचार सुनने को मिल सकता है। आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा।

कर्क : बड़ी अचल संपत्ति खरीदने की संभावना है, वाहन खरीदने के लिए भी समय अनुकूल है।

सिंह : यह ऐसा समय है जब उनके प्रयास अच्छे परिणाम देंगे।

कन्या : आप इस दौरान अधिक धन कमा सकते हैं। इस दौरान आप काफी अच्छी बचत करने में सफल होंगे।

तुला : नए प्रेम संबंधों की शुरुआत हो सकती है और शिक्षा आदि में भी आपको लाभ मिलेगा।

वृश्चिक : जीवनसाथी की ओर से आपको शुभ समाचार सुनने को मिलते रहेंगे।

धनु : शुक्र का गोचर आने वाला समय आपके लिए बहुत ही अच्छा रहेगा। आप अपने विकास पर अधिक ध्यान देंगे।

मकर : इस अवधि में आपको संपत्तियों में निवेश करने से काफी अच्छा लाभ मिलेगा।

कुंभ : जो लोग नया घर या प्रापर्टी खरीदने के बारे में सोच रहे हैं उनके लिए यह महीना बहुत अच्छे परिणाम लेकर आएगा।

मीन : शुक्र का यह गोचर आपके लिए मिलाजुला रहने वाला है। आपकी कमाई अच्छी होगी।

घर में पालना चाहते हैं तोता, तो रखें वास्तु शास्त्र के नियमों का ध्यान

वास्तु शास्त्र में घर में सकारात्मक ऊर्जा के संचार के लिए विस्तार से बताया है कि कौन सी वस्तु को किस स्थान पर रखना चाहिए। यहां तक वास्तु शास्त्र में पशु-पक्षियों को घर में रखने के नियम बताए गए हैं। वास्तु शास्त्र के नियमों का पालन करने से घर में नकारात्मकता दूर होती है। कई लोगों को घर में तोता पालना अच्छा लगता है, लेकिन क्या आपको पता है कि यह घर के लिए शुभ है या नहीं। ज्योतिषाचार्य पंडित अरविंद त्रिपाठी ने विस्तार से इस बारे में जानकारी दी है।

वास्तु शास्त्र के अनुसार तोता पालना शुभ या अशुभ

वास्तु शास्त्र में बताया गया है कि घर में तोता पालने से सकारात्मकता का माहौल बनता है। यह घर की नकारात्मक ऊर्जा को दूर कर देता है। तोते का बोलने घर के लिए शुभ माना जाता है।

तोता को घर में रखनी की दिशा

वास्तु शास्त्र के नियमों को मानें तो तोते को उत्तर या पूर्व दिशा की तरफ रखा जा सकता है। उत्तर दिशा बुध ग्रह की दिशा होती है। बुद्ध बुद्धि के प्रतीक समझें जाते हैं। ऐसे में इस दिशा में तोते को रखने से बच्चों का पढ़ाई में मन लगा रहेगा। पूर्व दिशा को माना जाता है कि वह सूर्य की दिशा है। सूर्य शक्ति और सफलता के प्रतीक हैं। ऐसे में इस दिशा में तोता रखने से आपके घर में समृद्धि का वास होगा।

पिंजरे में तोता रखना सही या गलत

तोता को पिंजरे में रखने के बाद यह जरूर देखें कि वह खुश तो है। ऐसा माना जाता है कि तोता अगर पिंजरे में रहना पसंद नहीं करता है, तो घर से खुशियां चली जाती हैं। यह आपके घर में नकारात्मकता का माहौल बना देगी।

ऐसा-वैसा न समझे इस जड़ को, तिजोरी में रखने मात्र से होगी धन की शुद्धि

आर्थिक तंगी से भी मिलेगा छुटकारा

हिन्दू धर्म में कुछ पेड़ पौधों को पूजनीय माना गया है और इनमें तुलसी भी शामिल है। आपने लगभग सनातनी घरों में तुलसी का पौधा देखा होगा और इसकी पूजा करते हुए भी देखा होगा लेकिन, क्या आप जानते हैं तुलसी के पौधे की जड़ भी बड़े काम की है। इतनी कि यह आपकी आर्थिक तंगी को भी दूर कर सकती है और आपके धन को शुद्ध कर सकती है। वास्तु शास्त्र में तुलसी की जड़ से जुड़े कई नियम और उपाय बताए गए हैं। आइए जानते हैं ..

वास्तु शास्त्र के अनुसार, यदि आप तुलसी की जड़ को अपने घर या दुकान की तिजोरी में रखते हैं तो यह धन को लगातार बढ़ाने में मददगार साबित हो सकती है क्योंकि, यह धन को आकर्षित करती है। ऐसी मान्यता है कि तुलसी के पौधे में दैवीय ऊर्जा होती है और इसलिए यह जहां होती है वहां सकारात्मकता रहती है जिससे घर की स्थिति पर भी शुभ प्रभाव पड़ता है।

आपको बता दें कि, तुलसी के पौधे को शुद्धिकरण के लिए भी जाना जाता है। कभी जब कोई व्यक्ति किसी ऐसी जगह जाता है जो अपवित्र जगह हो या किसी शोक में तो वहां से आने के बाद उसे तुलसी का पानी पीने और छिड़काव के लिए दिया जाता है, ताकि वो पवित्र हों। ऐसे ही जब आप तुलसी की जड़ को तिजारी में रखते हैं तो यह आपके धन को शुद्ध करने का काम करती है।

चूंकि, तुलसी का पौधा नकारात्मकता को दूर करता है और सकारात्मकता लाता है। ऐसे में माना जाता है कि जब आप तुलसी की जड़ को तिजोरी में रखते हैं तो यह धन को चोरी होने या वित्तीय घाटा होने से बचाती है। वास्तु के अनुसार, तुलसी की जड़ को तिजोरी में रखने पर आर्थिक स्थिति में कम उतार-चढ़ाव आने की संभावना होती है।

कब है इंदिरा एकादशी, नोट करें तिथि, पूजा विधि व व्रत कथा

सनातन धर्म में आश्विन मास की एकादशी व्रत का बहुत महत्व है। इसे इंदिरा एकादशी के नाम से जाना जाता है। यह पर्व भगवान विष्णु जी को समर्पित है। इस एकादशी का व्रत करने वाले जातक की 7 पीढ़ियों तक के पूर्वजों को मोक्ष की प्राप्ति होती है।

इंदिरा एकादशी तिथि

पंचांग के अनुसार, आश्विन माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि 27 सितंबर को दोपहर 1.20 बजे शुरू होगी और 28 सितंबर को दोपहर 2.40 बजे समाप्त होगी। उदयातिथि के अनुसार, इंदिरा एकादशी व्रत 28 सितंबर को रखा जाएगा। 29 सितंबर को सुबह 6.13 से 8.36 बजे तक पारण किया जाएगा।

इंदिरा एकादशी व्रत पूजा विधि

इंदिरा एकादशी के दिन प्रातः काल उठकर स्नान करें और स्वच्छ कपड़े पहनें।

भगवान विष्णु की मूर्ति या फोटो को किसी साफ स्थान पर पर आसन पर रखें।

भगवान विष्णु के सामने शुद्ध घी या तेल का दीपक जलाएं और व्रत का संकल्प लें।

अब अगरबत्ती और कपूर जलाकर वातावरण को शुद्ध करें।

प्रसाद के रूप में फल और मिठाई अर्पित करें। भगवान विष्णु की आरती करें।

इंदिरा एकादशी व्रत कथा

पौराणिक कथा के अनुसार, सतयुग में महिष्मती नगर में इंद्रसेन नाम राजा रहता था। एक दिन रात में उन्हें स्वप्न में दिखाई दिया कि उनके माता-पिता नर्क में कष्ट भोग रहे हैं। नींद खुलने पर पूर्वजों की दुर्दशा से राजा इंद्रसेन काफी चिंतित हो गए।

उन्होंने इस बात को लेकर ब्राह्मणों और मंत्रियों से बात की। ब्राह्मणों के कहा कि अगर आप इंदिरा एकादशी का व्रत करें तो आपके पितरों को मुक्ति मिल जाएगी। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा करें। ब्राह्मणों को भोजन कराकर दक्षिण दें और उनका आशीर्वाद लें।

राजा इंद्रसेन ने ब्राह्मणों की बात सुनकर विधिपूर्वक इंदिरा एकादशी का व्रत किया। रात में जब वो सो रहे थे तो भगवान ने उन्हें दर्शन देकर कहा कि राजन तुम्हारे व्रत के प्रभाव से पितरों की मोक्ष की प्राप्ति हुई है।

पितरों को भी मोक्ष दिलाती है इंदिरा एकादशी

अश्विन मास की इंदिरा एकादशी कृष्ण पक्ष की 11वीं तिथि को पड़ेगी। उस समय पितृ पक्ष भी चल रहा होगा। इंदौर के ज्योतिषाचार्य पंडित गिरीश व्यास ने बताया कि जो लोग इंदिरा एकादशी का व्रत और पूजन करते हैं, उनके पितरों को मोक्ष मिलता है।

अधोगति के कारण यमलोक में फंसे पितरों को मुक्ति मिलती है। ऐसे जातकों को पितरों का आशीर्वाद मिलता है। शास्त्रों में बताया गया है कि इंदिरा एकादशी का व्रत करने वाले व्यक्ति की सात पीढ़ियों के पितर मोक्ष को प्राप्त करते हैं। इस एकादशी का व्रत करने वाले मनुष्य को यमलोक की यातना का सामना नहीं करना पड़ता। मृत्यु के बाद व्रत करने वाले व्यक्ति को भी बैकुंठ की प्राप्ति होती है।

घर के मंदिर में नहीं रखनी चाहिए शनिदेव की मूर्ति, जानिए क्या है कारण

हर घर के मंदिर में अलग-अलग देवी-देवताओं की मूर्तियां रखी होती हैं। लेकिन वास्तु शास्त्र में माना जाता है कि घर के मंदिर में कुछ देवी-देवताओं की मूर्तियां या तस्वीरें नहीं रखनी चाहिए। इन मूर्तियों के रखे होने से नकारात्मक परिणाम भी हो सकते हैं। आइए, जानते हैं कि घर के मंदिर में किन देवी-देवताओं की मूर्तियां या तस्वीरें नहीं रखना चाहिए।

शनिदेव की मूर्ति

हिंदू धर्म में शनिदेव को न्याय का देवता माना जाता है। शनिदेव की पूजा की जाती है, लेकिन घर के मंदिर में उनकी तस्वीर या मूर्ति रखना वर्जित होता है। उन्हें एक उग्र देव माना जाता है। इसलिए शनिदेव की पूजा घर की बजाय किसी मंदिर में जाकर करना शुभ मना होता है।

मां काली की मूर्ति

शनिदेव की तरह ही घर के मंदिर में मां काली की मूर्ति और तस्वीर रखना भी अच्छा नहीं माना जाता है। इन्हें भी उग्र देवताओं में शामिल किया जाता है। इनकी पूजा घर में नहीं करनी चाहिए। मां काली की पूजा के नियम भी बहुत कठिन हैं और घर पर ऐसा करना उचित नहीं माना जाता है।

नटराज की मूर्ति

कई लोगों के घर में नटराज की मूर्ति रखी होती है, लेकिन नटराज असल में भगवान शिव का रौद्र रूप माने जाते हैं। ऐसे में घर के मंदिर में नटराज की मूर्ति नहीं रखनी चाहिए। ऐसा करने से घर में कलह बनी रहती है।

भगवान गणेश और मां लक्ष्मी की मूर्ति

देवी-देवताओं की मूर्तियां भी विभिन्न मुद्राओं में पाई जाती हैं। लेकिन ध्यान रखें कि घर में हमेशा भगवान गणेश और मां लक्ष्मी की बैठी हुई मूर्ति ही लानी चाहिए। मंदिर में देवी-देवताओं की मूर्तियां खड़ी या किसी अन्य स्थिति में रखना शुभ नहीं माना जाता है।

अनन्या पांडे ने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान शेयर किया हॉट लुक

बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे आए दिन अपनी लेटेस्ट तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती रहती हैं। उनका स्टनिंग अंदाज इंस्टाग्राम पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। वो जब भी अपनी फोटोज सोशल मीडिया पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके हर एक लुक पर अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं देने लगते हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की बेहद ही शानदार फोटोज शेयर की हैं, जिसमें वो किलर पोज दे रही हैं।बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे आए दिन अपनी लेटेस्ट तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती रहती हैं। उनका बोल्ड लुक इंटरनेट पर आते ही तबाही मचाने लगता है।अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना लुक देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं।एक्ट्रेस अनन्या पांडे जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर जमकर प्रतिक्रियाएं देते हैं। हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है।इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस अनन्या पांडे ने व्हाइट कलर का टॉप और साथ ही स्किन फिट पेंट पहनी हुई है।खुले बाल और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस अनन्या पांडे ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। इन तस्वीरों में उनका किलर लुक फैंस के दिलों पर खंजर चला रहा है।बता दें कि एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी तगड़ी है।

स्त्री 2 रचने वाली है नया कीर्तिमान

प्रभास की बाहुबली 2का तोड़ दिया रिकॉर्डहर गुजरते हफ्ते के साथ, श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव स्टारर और अमर कौशिक द्वारा निर्देशित हॉरर कॉमेडी फिल्म स्त्री 2ळ बॉक्स ऑफिस पर एक नया बेंचमार्क सेट कर रही है, जिसे तोडऩा भविष्य की फिल्मों के लिए बेहद मुश्किल होगा। ये फिल्म पहले से ही हिंदी सिनेमा में शाहरुख खान की जवान को भी मात देकर सबसे बड़ी फिल्म चुकी है। वहीं अब स्त्री 2 ने एक और कमाल कर दिखाया है।2018 की हिट फिल्म स्त्री की सीक्वल ने बॉक्स ऑफिस पर अपना 5वां हफ्ता भी पूरा कर लिया है, और पिछले 7 दिनों में 24.65 करोड़ रुपये की कमाई की है, जिसमें वीकेंड में इसने लगभग 15.5 करोड़ रुपये आए कमाए थे। और इस नंबर के साथ, फिल्म ने एसएस राजामौली और प्रभास की बाहुबली 2- द कन्क्लूजन के पिछले 7 सालों के रिकॉर्ड को ध्वस्त कर दिया है। दरअसल बाहुबली 2 ने पांचवें हफ्ते में देश की सभी भाषाओं में लगभग 24.5 करोड़ रुपये की कमाई की थी, जबकि स्त्री 2 ने एक भाषा में 24.65 रुपये की कमाई की है।अगर केवल हिंदी भाषा में स्त्री 2 के कलेक्शन को देखें तो इस फिल्म ने अपने वीकेंड के कलेक्शन के साथ, रणबीर कपूर की एनिमल (7.18 करोड़ रुपये), सनी देओल की गदर 2 (7.28 करोड़ रुपये) और शाहरुख खान की जवान (9.71 करोड़ रुपये) जैसी हिंदी सिनेमा की सबसे बड़ी हिट फिल्मों के 5वें सप्ताह के आंकड़ों को पछाड़ दिया है।स्त्री 2 ने अपनी लागत से कई गुना ज्यादा कमाई कर ली है। इस फिल्म की घरेलू बाजार में कमाई की बात करें तो तरण आदर्श द्वारा शेयर किए गए आंकड़ों के मुताबिक इस फिल्म ने पांच हफ्तों में यानी रिलीज के 36 दिनों में 589.90 करोड़ की कमाई कर ली है।

अब ये 600 करोड़ का आंकड़ा पार करने से कुछ ही करोड़ दूर रह गई है। उम्मीद है कि छठे वीकेंड पर फिल्म इस नंबर को पार कर लेगी और हिंदी में 600 करोड़ का नया क्लब भी शुरू कर देगी। बता दें कि स्त्री 2 दिनेश विजान की हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स की स्त्री, रूही, भेडिय़ा और मुंज्या के बाद पांचवीं फिल्म है।

इस मूवी में राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर के अलावा पंकज त्रिपाठी, अभिषेक बनर्जी और अपारशक्ति खुराना ने अहम रोल प्ले किया है।

वेट्टैयन का पहला गाना जारी, डांस नंबर मनासिलायो में जोश में थिरकते दिखे रजनीकांत-मंजू वारियर

सुपरस्टार रजनीकांत की वेट्टैयन इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। इस फिल्म के लिए सुपरस्टार ने निर्देशक टीजे ज्ञानवेल के साथ हाथ मिलाया है। हाल ही में निर्माताओं ने वेट्टैयन का नया पोस्टर साझा करते हुए फिल्म के पहले गाने को रिलीज करने का खुलासा किया था। साथ ही गाने की रिलीज डेट से भी पर्दा उठाया था। वहीं, बीते दिन निर्माताओं ने पहले गाने का टीजर जारी किया है। आखिरकार अब फिल्म से निर्माताओं ने पहला गाना जारी कर दिया है।रजनीकांत की आगामी वेट्टैयन के पहले गीत मनासिलायो की एक झलक के साथ प्रशंसकों का उत्साह बढ़ाने के बाद निर्माताओं ने आखिरकार पूरा ट्रैक जारी कर दिया है। अनिरुद्ध रविचंदर द्वारा रचित इस अपबीट डांस नंबर में दिवंगत भारतीय पार्श्व गायक मलेशिया वासुदेवन की एआई आवाज है।मनासिलायो एक डांस नंबर है। गाने के वीडियो में रजनीकांत, मंजू वारियर और अनिरुद्ध रविचंदर जोश से नाचते हुए नजर आ रहे हैं। उत्सव के माहौल में सेट किए गए इस गाने का शीर्षक मनासिलायो रजनीकांत की पिछली ब्लॉकबस्टर फिल्म जेलर में उनके प्रतिष्ठित संवाद से लिया गया है।

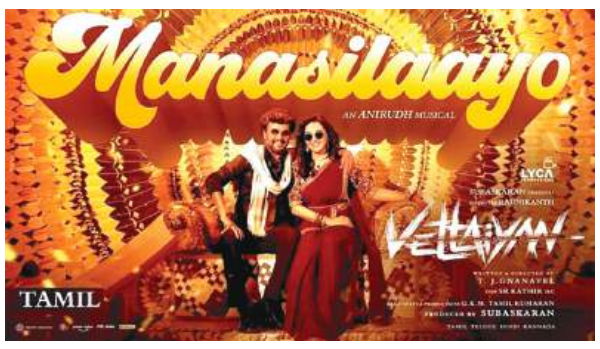

अनिरुद्ध ने इंस्टाग्राम पर मनासिलायो की रिलीज की घोषणा करते हुए एक मोंटाज शेयर किया। उन्होंने निर्माताओं और दिवंगत गायक के प्रति आभार व्यक्त किया।गाने में दिवंगत गायक मलेशिया वासुदेवन की आवाज का इस्तेमाल 27 वर्षों में पहली बार है कि किसी गायक की आवाज का इस्तेमाल रजनीकांत की फिल्म के लिए किया जाएगा। मनसिलायो को युगेंद्रन वासुदेवन, अनिरुद्ध रविचंदे और दीप्ति सुरेश ने गाया है। मनासिलायो को युगेंद्रन वासुदेवन, अनिरुद्ध रविचंदे और दीप्ति सुरेश ने गाया है।वेट्टैयन का निर्देशन जय भीम फेम फिल्म निर्माता टीजे ज्ञानवेल ने किया है, जो रजनीकांत के साथ उनका पहला सहयोग है। फिल्म लाइका प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित है और इसमें अनिरुद्ध रविचंदर का संगीत है। वेट्टैयन कई दिग्गज सितारों से सजी फिल्म होगी, जिसमें विभिन्न उद्योगों के कलाकार शामिल होंगे। रजनीकांत और राणा दग्गुबाती के अलावा, वेट्टैयन में अभिनेता अमिताभ बच्चन, फहद फाजिल, राणा दग्गुबाती, मंजू वारियर, दुशारा विजयन, रितिका सिंह, जीएम सुंदर, रोहिणी, राव रमेश, रमेश थिलक, रक्षण और अन्य शामिल हैं। यह फिल्म 10 अक्तूबर, 2024 को सिनेमाघरों में धमाल मचाने के लिए तैयार है।

करीना कपूर की द बकिंघम मर्डर्स ने तोड़ा दम

करीना कपूर खान इस समय अपनी लेटेस्ट बॉलीवुड रिलीज द बकिंघम मर्डर्स को लेकर चर्चा में बनी हुई है। हंसल मेहता द्वारा निर्देशित, इन्वेस्टिगेशन-थ्रिलर में करीना की दमदार एक्टिंग की तो काफी तारीफ हो रही है लेकिन ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बेहद निराशाजनक परफॉर्म कर रही है। फिल्म की कमाई की रफ्तार बेहद धीमी है। चलिए यहां जानते हैं द बकिंघम मर्डर्स ने रिलीज के 7वें दिन कितना कलेक्शन किया है?अच्छे बज के बीच, करीना कपूर स्टारर द बकिंघम मर्डर्स 13 सितंबर 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। हालांकि सिनेमाघरों में दस्तक देने के बाद इस फिल्म को दर्शकों और क्रिटिक्स से मिला-जुला रिव्यू मिला। इसी के साथ ये फिल्म रिलीज के पहले दिन से ही ऑडियंस को सिनेमाघरों तक खींचने के लिए संघर्ष कर रही है और कमाई के मामले में भी काफी पिछड़ गई है। यहां तक कि रिलीज का एक हफ्ता पूरा होने से पहले ही ये लाखों में सिमट गई। आलम ये है कि अब तो द बकिंघम मर्डर्स के लाखों कमाने में भी पसीने छूट रहे हैं।इन सबके बीच फिल्म के अब तक के कलेक्शन की बात करें तो द बकिंघम मर्डर्स की पहले दिन की कमाई 1.15 करोड़ रही थी। दूसरे दिन फिल्म ने 1.95 करोड़ कमाए। तीसरे दिन द बकिंघम मर्डर्स का कलेक्शन 2.15 करोड़ रहा और चौथे दिन फिल्म ने 80 लाख रुपये कमाए। वहीं पांचवे दिन फिल्म का कारोबार 75 लाख और छठे दिन 50 लाख रहा। अब द बकिंघम मर्डर्स की रिलीज के सातवें दिन यानी गुरुवार की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं।सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक द बकिंघम मर्डर्स ने रिलीज के 7वें दिन महज 23 लाख की कमाई की है। इसी के साथ द बकिंघम मर्डर्स के 7 दिनों का कुल कलेक्शन अब 7.53 करोड़ रुपये हो गया है।द बकिंघम मर्डर्स को रिलीज हुए महज एक हफ्ता हुआ है और इसने बॉक्स ऑफिस पर दम तोड़ दिया है। ये फिल्म रिलीज के चौथे दिन से ही लाखों में सिमट गई थी और अब तो इसके लिए मुीभर कलेक्शन करना भी मुश्किल हो रहा है। 40 करोड़ के बजट में बनी ये फिल्म 7 दिन बाद भी 10 करोड़ नहीं कमा पाई है। ऐसे में करीना कपूर की फिल्म का अब पैकअप होता हुआ नजर आ रहा है।

सनी सिंह की नई फिल्म अमर प्रेम की प्रेम कहानी का हुआ ऐलान, पहला पोस्टर जारी

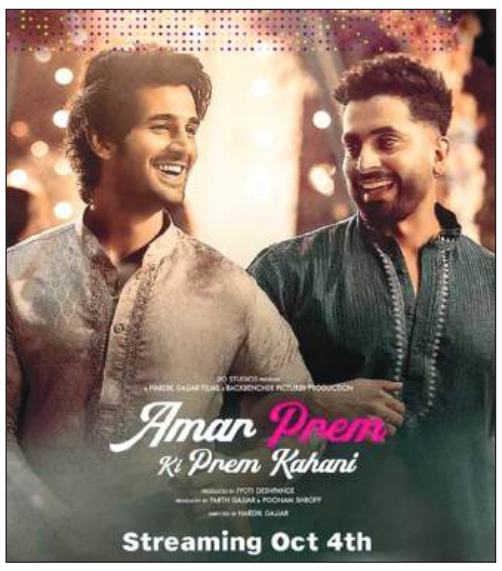

सनी सिंह को आखिरी बार फिल्म वाइल्ड वाइल्ड पंजाब में देखा गया था, जिसमें उनकी अदाकारी की खूब तारीफ हुई।इस फिल्म में वरुण शर्मा, जस्सी गिल और मनजोत सिंह जैसे सितारे भी नजर आएंगे। यह फिल्म 10 जुलाई, 2024 को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी।अब सनी ने अपनी नई फिल्म का ऐलान कर दिया है, जिसका नाम अमर प्रेम की प्रेम कहानी है।इस फिल्म में सनी के साथ अभिनेता आदित्य सील भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।अमर प्रेम की प्रेम कहानी का पहला पोस्टर भी सामने आ गया है, जिसमें सनी और आदित्य की झलक दिख रही है। पोस्टर में न केवल आदित्य सील और सनी सिंह के बीच की केमिस्ट्री दिखाई गई है, बल्कि यह भावनात्मक रूप से चार्ज की गई कहानी के लिए टोन भी सेट करता है। कैप्शन में लिखा है, जोड़ी इनकी है निराली, अमर और प्रेम अपनी कहानी लेकर आ गए हैं ।अमरप्रेमकीप्रेमकहानी 4 अक्टूबर से स्ट्रीमिंग होगी, केवल जियो सिनेमा प्रीमियम पर। फिल्म का निर्माण ज्योति देशपांडे, पार्थ गज्जर और पूनम श्रॉफ सहित एक गतिशील टीम द्वारा किया गया है। उनकी संयुक्त विशेषज्ञता एक उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादन का वादा करती है जो कहानी की भावनात्मक गहराई और सांस्कृतिक महत्व दोनों को दर्शाती है।अमर प्रेम की प्रेम कहानी एक ऐतिहासिक फिल्म होने का वादा करती है, जिसमें आदित्य सील और सनी सिंह एक ऐसी कहानी में शक्तिशाली प्रदर्शन करते हैं जो समलैंगिक प्रेम का जश्न मनाती है। फिल्म में प्रनूतन बहल भी हैं।फिल्म की रिलीज तारीख से भी पर्दा उठ गया है। यह फिल्म सिनेमाघरों में नहीं, बल्कि ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो सिनेमा पर दस्तक देने वाली है।इस फिल्म को आप 4 अक्टूबर, 2024 से जियो सिनेमा पर देख सकते हैं।हार्दिक गज्जर ने इस फिल्म के निर्देशन की कमान संभाली है। ज्योति देशपांडे इस फिल्म की निर्माता हैं।

अल्लू अर्जुन सर और एनटीआर सर ने आय में मेरे अभिनय की सराहना की: नयन सारिका

नयन सारिका फिलहाल आय की सफ़लता का लुत्फ़ उठा रही हैं। वह इस बात से रोमांचित हैं कि उनकी भूमिका पल्लवी ने दर्शकों को प्रभावित किया है। अभिनेत्री ने तेलुगु दर्शकों के प्रति अपना प्यार बरसाने के लिए आभार व्यक्त किया। तेलुगु दर्शकों द्वारा इतना प्यार बरसाना देखकर बहुत अच्छा लगा। मैं उनकी बहुत आभारी हूँ और टॉलीवुड में इससे बेहतर शुरुआत की उम्मीद नहीं कर सकती। यह सफ़लता एक सामूहिक प्रयास का नतीजा है, यह मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से बहुत मायने रखती है। नयन सारिका ने कहा मैं प्रतिष्ठित गीता आर्ट्स और निर्देशक अंजी सर को फ़िल्म का हिस्सा बनने का अवसर देने के लिए धन्यवाद देना चाहती हूँ।नयन हमेशा से ही अभिनेत्री बनना चाहती थीं; वह अपने स्कूल और कॉलेज के दौरान नाटकों में सक्रिय थीं। जब उन्हें आय में भूमिका के लिए संपर्क किया गया, तो वह अभिनेत्री बनने के अपने सपने को पूरा करने के लिए उत्साहित थीं। अभिनेत्री ने कहा, नार्ने नितिन और मैंने तैयारी के हिस्से के रूप में शूटिंग से पहले कुछ कार्यशालाएँ और अभ्यास किए हैं।

मैंने अपनी तेलुगु के लिए भी प्रशिक्षण प्राप्त किया है, और मेरे कर्मचारियों ने भी मेरी पंक्तियों को सही ढंग से बोलने में मेरी मदद की है। बहुत कम उम्र में अपना करियर शुरू करने वाली नयन अपनी शिक्षा से समझौता नहीं करना चाहती थीं। उन्होंने हमेशा अपनी डिग्री समय पर पूरी करने को प्राथमिकता दी। वास्तव में, उन्होंने आय की शूटिंग के साथ-साथ अपनी अंतिम परीक्षाएँ भी दी। मैं फ़िल्म सेट पर किताबें और अध्ययन सामग्री ले जाती थी। जब मैं आय की शूटिंग कर रही थी, तब मैं अपने अंतिम वर्ष की परीक्षाएँ दे रही थी, इसलिए मैंने एक कारवां में पढ़ाई की, पढ़ाई और फ़िल्मों के बीच संतुलन बनाना वाकई चुनौतीपूर्ण था, वह याद करती हैं।

आय की सफलता के एक हिस्से के रूप में, नयन (फिल्म की टीम के साथ) हाल ही में सुपरस्टार अल्लू अर्जुन और जूनियर एनटीआर से मिले। दोनों सितारों ने सफलता पर टीम को बधाई दी, और उनकी तारीफ भी की। जूनियर एनटीआर सर ने कहा कि मैंने अपने किरदार को सहजता से निभाया, और अल्लू अर्जुन सर ने कहा कि उन्हें यह जानकर आश्चर्य हुआ कि मैं दक्षिण भारतीय नहीं हूँ। अल्लू अरविंद सर ने भी कहा कि मेरी आँखें अभिव्यंजक हैं। नयन सारिका ने इतने बड़े सितारों से तारीफ मिलना एक बड़ी मान्यता है।

विकसित राजस्थान की यात्रा में राजस्थानी मूल के प्रशासनिक अधिकारियों के सुझाव अहम : भजनलाल

जयपुर, 21 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विकसित राजस्थान की यात्रा में राजस्थानी मूल के भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों की भी महत्वपूर्ण भूमिका बताते हुए कहा है कि उनके अनुभव, सुझाव एवं संपर्क राज्य की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं और इनसे प्राप्त सुझावों को राज्य की महत्वपूर्ण नीतियों में शामिल किया जाएगा।

श्री शर्मा शनिवार को मुख्यमंत्री निवास से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से विभिन्न राज्यों में पदस्थापित राजस्थानी मूल के भारतीय प्रशासनिक सेवा के उच्च अधिकारियों के साथ राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के संबंध में आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आगामी 9 से 11 दिसम्बर तक राजस्थान में वैश्विक निवेश शिखर सम्मेलन राइजिंग राजस्थान समिट का आयोजन किया जा रहा है। इसका उद्देश्य राजस्थान को निवेश के लिए एक प्रमुख स्थान के रूप में स्थापित करना है और इसके माध्यम से राज्य के विकास में नए आयाम जोड़ने हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी प्रदेश की प्रगति के लिए मूलभूत ढांचे का विकसित होना आवश्यक है। इसलिए हमारी सरकार पहले दिन से ही बिजली, पानी, परिवहन और आधारभूत ढांचे के विकास पर कार्य कर रही है। राज्य सरकार ईआरसीपी एवं यमुना जल वितरण जैसे समझौते, तथा देवास परियोजना शुरू करने एवं इंदिरा गांधी नहर में अधिक पानी सुनिश्चित करने जैसे अहम कदमों से प्रदेश में पर्याप्त जलापूर्ति के लिए गतिशील है। इसके अतिरिक्त अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए 2.24 लाख करोड़ रुपए के एमओयू किए गए हैं जो धीरे-धीरे धरातल पर उतर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार पर्यटन और खनन क्षेत्र को भी बढ़ावा दे रही है। राज्य में नए औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने के लिए नए स्थान चिह्नित किए गए हैं। जिनका विकास किया जा रहा है।

श्री शर्मा ने कहा कि किशनगढ़, झालावाड़, सिरोही और सीकर जैसे स्थानों पर हवाई सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार निवेशकों के लिए अनुकूल नीतियां बनाने सहित उनको हरसंभव मदद दे रही है। उन्होंने कहा कि क्षेत्रफल की दृष्टि से राजस्थान देश का सबसे बड़ा राज्य है। यहां सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, पर्यटन, कृषि एवं ऑटोमोबाइल सहित विभिन्न क्षेत्रों में अपार संभावनाएं हैं। इन

क्षेत्रों में निवेश राजस्थान के विकास को गति देगा और हमारे राज्य को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगा। राइजिंग राजस्थान समिट के माध्यम से राज्य सरकार राजस्थान को राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय निवेश के लिए भी एक आकर्षक राज्य बनाना चाहती है। मुख्यमंत्री ने प्रशासनिक अधिकारियों का आह्वान किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में कार्यरत प्रवासी राजस्थानी उद्यमियों, उद्योगपतियों और निवेशकों को राजस्थान में निवेश करने के लिए प्रोत्साहित करें। श्री शर्मा ने कहा कि राइजिंग राजस्थान समिट के दौरान राज्य सरकार ने 10 दिसंबर को प्रवासी राजस्थानियों के लिए राजस्थानी कॉन्क्लेव आयोजित किया है। उनके साथ ही विभिन्न राज्यों में पदस्थापित राजस्थानी मूल के प्रशासनिक अधिकारी भी इसमें शामिल होकर अपने अमूल्य सुझाव दें। उन्होंने कहा कि अधिकारियों का अनुभव राजस्थान को निवेश के एक प्रमुख केंद्र में बदलने में अहम भूमिका निभाएगा। साथ ही उन्होंने निवेशकों को आकर्षित करने के लिए सभी अधिकारियों से सुझाव भी मांगे।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने महाराष्ट्र कैडर के अतिरिक्त मुख्य सचिव राजस्व राजेश कुमार, बिहार के मुख्य सचिव अमृत लाल मीना, पश्चिम बंगाल कैडर के पंचायतीराज सचिव विवेक भारद्वाज, गुजरात कैडर की अतिरिक्त मुख्य सचिव कृषि अंजू शर्मा, उत्तर प्रदेश कैडर के प्रमुख शासन सचिव बागवानी एवं रेशम बाबू लाल मीना, केरल कैडर के अतिरिक्त मुख्य सचिव राज्यपाल डॉ. देवेन्द्र डोडावत, महाराष्ट्र कैडर के राज्य विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक लोकेश चंद्र, तमिलनाडु कैडर के चेन्नई पोर्ट ट्रस्ट अध्यक्ष सुनील पालीवाल, उत्तर प्रदेश कैडर के प्रमुख शासन सचिव पिछड़ा वर्ग कल्याण सुभाष चंद्र शर्मा, पंजाब कैडर के प्रमुख शासन सचिव मुद्रण और स्टेशनरी वीरेन्द्र कुमार मीना, तमिलनाडु कैडर के प्रमुख शासन सचिव नागरिक आपूर्ति डॉ. हर सहाय मीना, गुजरात कैडर के प्रमुख शासन सचिव स्वास्थ्य और परिवार कल्याण धनंजय द्विवेदी, महाराष्ट्र कैडर के प्रमुख शासन सचिव वित्त (व्यय) सौरभ विजय से विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। इस अवसर पर अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को अपने-अपने राज्यों में निवेश के लिए किए जा रहे नवाचारों की जानकारी देते हुए कई रचनात्मक सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार की उद्योग अनुकूल नीतियों और सौर एवं पवन ऊर्जा तथा खनिज क्षेत्र में अपार संभावनाओं के मद्देनजर निवेशक आकर्षिक हो रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने उद्योगों के लिए स्थाई जल प्रबंधन सौर ऊर्जा को बढ़ावा, कृषि का आधुनिकीकरण करने, नवीन औद्योगिक नीतियों को जल्द लागू करने, सिंगल विंडो सिस्टम का सुदृढ़ीकरण करने, श्रीअन्न को प्रोत्साहित करने, एवं पर्यटन एवं शिक्षा को मुख्य विकास क्षेत्रों के रूप में बढ़ावा देने के साथ ही धार्मिक स्थलों को पर्यटन स्थलों के रूप में विकसित करने के सुझाव दिए।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

भाग्य पर निर्भर न रहें और अपनी सेहत को सुधारने की कोशिश करें, क्योंकि क़िस्मत ख़ुद बहुत आलसी होती है। आप पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप अपनी जमा-पूंजी पारम्परिक तौर पर निवेश करें। अगर आप पार्टी करने की सोच रहे हैं, तो अपने अपने अच्छे दोस्तों को बुलाएँ। आज समय की नज़ाकत को देखते हुए आप अपने लिए समय निकाल सकते हैं लेकिन ऑफ़िस के किसी काम के अचानक आ जाने के कारण आप ऐसा करने में सफल नहीं हो पाएँगे। आपकी भागदौड़ भरी दिनचर्या के कारण आपका जीवनसाथी ख़ुद असहज महसूस करेगा

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज अपनी सेहत के चिंता करने की क़तई ज़रूरत नहीं है। आपके आस-पास के लोग आपको प्रोत्साहित करेंगे व सराहेंगे। जो लोग काफ़ी वक्त से आर्थिक तंगी से गुजर रहे थे उन्हें आज कहीं से धन प्राप्त हो सकता है जिससे जीवन की कई परेशानियां दूर हो जाएंगी। पारिवारिक उत्तरदायित्व में वृद्धि होगी, जो आपको मानसिक तनाव दे सकती है। प्रेमी एक-दूसरे की पारिवारिक भावनाओं को समझेंगे। बड़े व्यापारिक लेन-देन करते वक़्त अपनी भावनाओं पर क़ाबू रखें। आज आप ऑफ़िस से घर वापस आकर अपना पसंदीदा काम कर सकते हैं। इससे आपके मन को शांति मिलेगी।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

अपने नकारात्मक रवैये के चलते आप प्रगति नहीं कर पा रहे हैं। यह इस बात को समझने का सही वक़्त है कि चिंता की आदत ने आपके सोचने की क्षमता को ख़त्म कर दिया है। हालात के उजले पहलू की ओर देखें और आप पाएंगे कि चीज़ें सुधर रही हैं। किसी करीबी दोस्त की मदद से आज कुछ करोबारियों को अच्छा-खासा धन लाभ होने की संभावना है। यह धन आपकी कई परेशानियों को दूर कर सकता है। नाते-रिश्तेदार तरक़्क़ी और समृद्धि के लिए नयी योजनाएं लाएंगे। जीवनसाथी से बहुत ज़्यादा उम्मीदें रखना आपको वैवाहिक जीवन में उदासी की तरफ़ ले जा सकता है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज के दिन आप काम को अलग रखकर थोड़ा आराम करें और कुछ ऐसा करें जिसमें आपकी दिलचस्पी हो। आज अगर आप दूसरों की बात मानकर निवेश करेंगे, तो आर्थिक नुक़सान तक़रीबन पक्का है। प्रभावशाली और महत्वपूर्ण लोगों से परिचय बढ़ाने के लिए सामाजिक गतिविधियां अच्छा मौक़ा साबित होंगी। अपना बायोडाटा भेजने या किसी इंटरव्यू में जाने के लिए अच्छा समय है। आज रात को जीवनसाथी के साथ खाली वक्त बिताते समय आपको लगेगा कि आपको उन्हें और भी वक्त देना चाहिए।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

तली-भुनी खाने की चीज़ों से किनारा करें। अतिरिक्त आय के लिए अपने सृजनात्मक विचारों का सहारा लें। दिन के उत्तरार्ध में अचानक आई कोई अच्छी ख़बर पूरे परिवार को ख़ुशी देगी। ज़ाहिर तौर पर रोमांस के लिए पर्याप्त मौक़े हैं- लेकिन ऐसा बहुत कम समय के लिए है। सेमिनार और गोष्ठियों में हिस्सा लेकर आज आप कई नए विचार पा सकते हैं। अपना समय और ऊर्जा दूसरों की मदद करने में लगाएँ, लेकिन ऐसे मामलों में पड़ने से बचें जिनसे आपका कोई लेना-देना नहीं है। आपका जीवनसाथी आपको ज़्यादा ख़ास वक़्त देने वाला है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपका उदार स्वभाव आज आपके लिए कई ख़ुशनुमा पल लेकर आएगा। दीर्घावधि मुनाफ़े के नज़रिए से स्टॉक और म्यूचुअल फ़ंड में निवेश करना फ़ायदेमंद रहेगा। अपने घर के वातावरण में कुछ बदलाव करने से पहले आपको सभी की राय जानने की कोशिश करनी चाहिए। आज के दिन कार्यक्षेत्र में चीज़ें वाक़ई बेहतरी की ओर बढ़ सकेंगी । आज घर के लोगों के साथ बातचीत करते दौरान आपके मुंह से कोई ऐसी बात निकल सकती है जिससे घर के लोग नाराज़ हो सकते हैं। इसके बाद घर के लोगों को मनाने में आपका काफ़ी समय जा सकता है। रिश्तेदारों को लेकर जीवनसाथी के साथ नोंकझोंक हो सकती है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

घर और दफ़्तर में कुछ दबाव आपको गुस्सैल बना सकता है। व्यापार को मज़बूती देने के लिए आज आप कोई अहम क़दम उठा सकते हैं जिसके लिए आपका कोई करीबी आपकी आर्थिक मदद कर सकता है। शादी लायक़ युवाओं का रिश्ता तय हो सकता है। इस राशि के जो लोग रचनात्मक कार्यों से जुड़े हैं उन्हें आज परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आज आपको महसूस हो सकता है कि रचनात्मक कार्य करने से बेहतर नौकरी करना था। व्यस्त दिनचर्या के बावजूद भी आज आप अपने लिए समय निकालपाने में सक्षम होंगे। खाली वक्त में आज कुछ रचनात्मक कर सकते हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

किस्मत के भरोसे न बैठें और अपनी सेहत सुधारने के लिए ख़ुद मेहनत करें, क्योंकि हाथ पर हाथ रखे रहने से कुछ नहीं होने वाला। तनाव का दौर बरक़रार रहेगा, लेकिन पारिवारिक सहयोग मदद देगा। आज के इस ख़ूबसूरत दिन प्रेम-संबंध में आपकी सभी शिकायतें गायब हो जाएंगी। व्यावसायिक साझीदार सहयोग करेंगे और आप साथ मिलकर टलते आ रहे कामों को पूरा कर सकते हैं। आज आपको अपने ससुराल पक्ष से कोई बुरी ख़बर मिल सकती है जिसके कारण आपका मन दुखी हो सकता है ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आपकी सेहत पूरी तरह अच्छी रहेगी। रुका हुआ धन मिलेगा और आर्थिक हालात में सुधार आएगा। परिवार के सदस्यों के साथ कुछ आराम के पल बिताएँ। आपको अपनी ओर से सबसे अच्छा बर्ताव करने की ज़रूरत है, क्योंकि आपके प्रिय का मूड बहुत अनिश्चित होगा। नए विचार फ़ायदेमंद साबित होंगे। अपने काम से आराम लेकर आज आप कुछ समय अपने जीवनसाथी के साथ बिता सकते हैं। अपने जीवनसाथी के किसी छोटी बात को लेकर बोले गए झूठ से आप आहत महसूस कर सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

दाँत का दर्द या पेट की तक़लीफ़ आपके लिए परेशानी खड़ी कर सकती है। तुरंत आराम पाने के लिए अच्छे चिकित्सक की सलाह लेने में कोताही न बरतें। आज आपको समझ आ सकता है कि धन को बिना सोच विचारे खर्च करना आपको कितना नुक़सान पहुंचा सकता है. घर में साफ़-सफ़ाई की ज़रूरत तुरंत है। हमेशा की तरह इस काम को अगली बार के लिए न टालें और कमर कस कर जुट जाएँ। अगर आपको एक दिन की छुट्टी पर जाना है तो चिंता न करें, आपकी ग़ैरहाज़िरी में सभी काम ठीक से चलते रहेंगे। और अगर किसी ख़ास वजह से कोई परेशानी खड़ी भी हो जाए, तो आप लौटने पर उसे आसानी से हल कर लेंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

व्यापार में मुनाफ़ा आज कई व्यापारियों के चेहरे पर ख़ुशी ला सकता है। आपको ऐसी गतिविधियों में संलग्न होने की ज़रूरत है, जहां आपको अपने समान रुचियों के लोगों से मिलने का मौक़ा मिले। काम की अधिकता के बावजूद भी आज कार्यक्षेत्र में आपमें ऊर्जा देखी जा सकती है। आज आप दिये गये काम को तय वक्त से पहले ही पूरा कर सकते हैं। जिन लोगों के घर वाले शिकायत करते हैं कि वो घरवालों को पर्याप्त समय नहीं देते वो आज घरवालों को समय देने के बारे में सोच सकते हैं लेकिन ऐन वक्त पर किसी काम के आने की वजह से ऐसा नहीं हो पाएगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

गर्भवती महिलाओं को चलते-फिरते समय ख़ास ख़याल रखने की ज़रूरत है। कुछ ख़रीदने से पहले उन चीज़ों का इस्तेमाल करें, जो पहले से आपके पास हैं। घर में कुछ बदलाव लाने के लिए पहले बाक़ी लोगों की राय भली-भांति जान लें। अगर आप अपनी योजनाओं को सबके सामने खोलने में बिल्कुल नहीं हिचकते, तो आप अपनी परियोजना को ख़राब कर सकते हैं। किसी नये काम के आगाज के लिए आपको पहले उसके बारे में अनुभवी लोगों से बात करनी चाहिए। अगर आज आपके पास समय है तो उस क्षेत्र के अनुभवी लोगों से मिल लें जो काम आप शुरु करने वाले हैं।

रविवार का पंचांग

दिनांक : 22 सितंबर 2024 , रविवार
विक्रम संवत : 2081
मास : आश्विन , कृष्ण पक्ष
तिथि : पंचमी दोपहर 03:45 तक
नक्षत्र : कृतिका रात्रि 11:02 तक
योग : हर्षण प्रात: 08:16 तक
करण : तैतिल दोपहर 03:45 तक
चन्द्रराशि : वृषभ
सूर्योदय : 06:04, सूर्यास्त 06:17 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 06:20 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01 , सूर्यास्त 06:13 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:55 , सूर्यास्त 06:09 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : पंचमी श्राद्ध

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

आपा का दीया बुझा हुआ है : अनिल विज

चंडीगढ़, 21 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के पूर्व गृहमंत्री अनिल विज ने कहा कि आम आदमी पार्टी (आपा) का दीया बुझ चुका है और बुझे हुए दिए से और दिए जलाए नहीं जा सकते। श्री विज ने शनिवार पत्रकारों से कहा कि आपा सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल भ्रष्टाचार में पांव से लेकर सिर तक डूबा हुआ है उसके ऊपर केस चल रहा है और जिस पार्टी के इतने मंत्री कई कई दिन जेल में रहकर आए हैं और अभी बेल पर हैं और दूसरों को भ्रष्टाचारी कहता है यह कहीं डूब क्यों नहीं जाते।

सिरसा से सांसद कुमारी शैलजा की कांग्रेस से नाराजगी और चुनाव प्रचार में भी कहीं नजर नहीं आ रही हैं, के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में श्री विज ने कहा, कांग्रेस पार्टी में महिलाओं का सम्मान नहीं किया जाता, जिस प्रकार से कुमारी शैलजा जी के बारे में जातिगत बयान दिए हैं उनको कोई भी बर्दाश्त नहीं कर सकता उससे सारे हरियाणा में कांग्रेस के प्रति रोष है। तिरुपति मंदिर में मिलावट के मामले को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि संविधान में जितनी भी कड़ी से कड़ी धाराएं हैं या इस अपराध में कोई नई धारा भी बनानी पड़े तो बनाई जाए क्योंकि इससे बड़ा कोई अपराध नहीं हो सकता। सिखों पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा अभद्र टिप्पणी करने के संबंध में पूछे गये सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि यह सिखों के खिलाफ है ही और 1984 में सारे देश ने देखा है जो कत्लेआम इन्होंने किया और उस कत्लेआम को इन्होंने सही भी ठहराया। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने कहा था कि जब बड़ा पेड़ गिरता है तो धरती हिलती है कोई बात नहीं। यह इनकी मानसिकता है और यह इनकी सोच और यह सिखों के खिलाफ है।

कालका में कांग्रेस प्रत्याशी प्रदीप चौधरी के कार्यक्रम में होने वाली फायरिंग पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा द्वारा राज्य में कानून व्यवस्था पर सवाल उठाने के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में श्री विज ने श्री हुड्डा के सम्मुख सवाल खड़ा करते हुए कहा कि जिन लोगों पर कई कई आपराधिक मुकदमे दर्ज है और कांग्रेस के प्रत्याशी उनको अपने साथ में लेकर घूमेंगे और फिर भाजपा सरकार पर कानून व्यवस्था का आरोप लगाएंगे। श्री विज ने चुनाव प्रचार को लेकर पूछे के सवाल के जवाब में कहा कि कोई भी दिन ऐसा नहीं जा रहा जिस दिन भाजपा में लोगों की जॉइनिंग नहीं हो रही हो और मेरा चुनाव जनता ने अपने हाथ पर ले लिया है और मेरा चुनाव कार्यकर्ता और जनता लड़ रही है।

सैलजा पर की गई टिप्पणी निंदनीय : अर्जुन राम मेघवाल

इस तरह की व्यक्तिगत टिप्पणी करना कांग्रेस की पुरानी परंपरा रही

रोहतक, 21 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री तथा संस्कृति एवं संसदीय कार्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने शनिवार को भाजपा मीडिया सेंटर में प्रेस वार्ता आयोजित की। जिसमें हरियाणा की राजनीति और आगामी चुनावों को लेकर भाजपा की रणनीति पर चर्चा की गई। अर्जुन राम मेघवाल ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि भाजपा हरियाणा में विकास और जनकल्याण के अपने एजेंडा को लेकर प्रतिबद्ध है। उन्होंने पार्टी की उपलब्धियों को गिनाया और कहा कि भाजपा कार्यकर्ता और नेतृत्व मिलकर प्रदेश में फिर से सरकार बनाने के लिए पूरी मेहनत कर रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने पार्टी की नीतियों और योजनाओं को लेकर जनता के बीच जाने पर जोर दिया।

अर्जुन राम मेघवाल ने कांग्रेस नेता कुमारी शैलजा पर हुड्डा समर्थकों द्वारा की गई टिप्पणी को निंदनीय करार दिया है। मेघवाल ने कहा कि इस तरह की व्यक्तिगत टिप्पणी करना कांग्रेस की पुरानी परंपरा रही है, जो पार्टी की आंतरिक राजनीति और विभाजन को उजागर करती है। अर्जुन राम मेघवाल ने कुमारी शैलजा के भविष्य को लेकर कहा कि उन्हें भाजपा में आना है या नहीं, यह उनका व्यक्तिगत निर्णय होगा। उन्होंने कहा कि भाजपा सभी को सम्मान देती है और किसी पर इस तरह की टिप्पणी करना राजनीति का गिरता स्तर दिखाता है। कांग्रेस में आंतरिक कलह की ओर इशारा करते हुए मेघवाल ने कहा कि यह पहली बार नहीं है जब कांग्रेस के नेता एक-दूसरे पर इस तरह की टिप्पणी कर रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस को आत्ममंथन की सलाह दी और कहा कि पार्टी की यह पुरानी परंपरा अब खत्म होनी चाहिए।

युवक को अर्द्धनग्न करके मारपीट करने के आरोपी हिरासत में

बाड़मेर, 21 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में बाड़मेर जिले के धनाऊ थाना क्षेत्र में एक युवक को अर्धनग्न करके मारपीट करने के वायरल हुये वीडियो के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस अधीक्षक नरेंद्र सिंह मीना ने शनिवार को बताया कि सोशल मीडिया पर वायरल एक युवक के साथ अर्द्धनग्न हालत में मारपीट करने का वीडियो संज्ञान में आने पर उन्होंने तुरंत इसकी जांच करके कार्रवाई करने के निर्देश दिये थे। इस पर पुलिस ने मिठाबेरा बामणोर गांव के दो भाइयों तेजाराम जाट एवं भगवान राम को हिरासत में लिया है।

उन्होंने बताया कि यह घटना धनाउ थाना क्षेत्र के मिठाबेरा बामणोर में 16 सितंबर 2024 की रात की है। घटना की रात मिठाबेरा बामणोर गांव निवासी पीड़ित जुंझाराम जाट अपने पड़ोसी रिश्तेदार के घर में घुस गया था। इस पर पड़ोसी काकाई भाइयों तेजा राम, भगवाना राम और गेनाराम ने शक के चलते उसे अर्द्धनग्न करके मारपीट की। पीड़ित ने आरोपियों पर मूत्र पिलाकर वीडियो वायरल करने का भी आरोप लगाया है।

एक लाख की रिश्वत लेने की आरोपी मीनाक्षी दहिया गिरफ्तार

चंडीगढ़, 21 सितंबर (एजेंसियां)। एक लाख रिश्वत मामले में फरार चल रही हरियाणा की एचसीएस अधिकारी मीनाक्षी दहिया को एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने शुक्रवार देर रात गिरफ्तार कर लिया। दहिया को शनिवार सुबह ही पंचकूला के कोर्ट में ड्यूटी मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया।

जहां से दहिया को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। दहिया पांच महीने से फरार थी। पंचकूला में 29 मई 2024 को सामने आए मामले में एसीबी ने फिशरी डिपार्टमेंट में तैनात महिला अधिकारी मीनाक्षी दहिया के कुक और अन्य कर्मचारी को गिरफ्तार किया था। आरोप है कि मीनाक्षी दहिया ने कुक के जरिये एक लाख रुपये की रिश्वत ली थी। मामला सामने आने के बाद से मीनाक्षी दहिया फरार चल रही थी और उसने हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत के लिए याचिका डाली थी। लेकिन 14 सितंबर को हाईकोर्ट ने मीनाक्षी दहिया को राहत देने से इंकार करते हुए उनकी याचिका खारिज कर दी थी। घटना के दौरान मीनाक्षी दहिया जिला मतस्य अधिकारी के पद पर तैनात थी।

राजस्थान उपचुनाव कांग्रेस के लिये चुनौती : राठौड़

जयपुर, 21 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने प्रदेश में होने वाले विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस के सामने चुनौती बताते हुए दावा किया है कि भाजपा इस चुनाव में सभी सातों सीटों पर जीत हासिल करके कांग्रेस से छह सीटे छीनेंगी।

श्री राठौड़ ने शनिवार को यहां मीडिया से बातचीत में यह बात कही। उन्होंन कहा कि प्रदेश में सात सीटों पर होने वाले उपचुनाव में कांग्रेस के लिए छह सीटें बचाने एवं उन पर जीत बरकरार रखने की चुनौती होगी जबकि भाजपा के पास केवल एक सीट बचाने एवं उस पर जीत बरकरार रखने की चुनौती रहेगी। उन्होंने कहा कि जनता के आशीर्वाद से भाजपा अपनी सीट को बरकरार रखते हुए कांग्रेस से छह सीटें छीनेंगी।आंध्रप्रदेश में प्रसिद्ध तिरुपति मंदिर के प्रसाद में पशु चर्बी से जुड़े सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि आस्था से खिलवाड़ पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए यह देश के करोड़ों हिंदुओं की आस्था का विषय है जिसकी उच्च स्तर पर जांच होकर दोषियों को दंडित करने की जरूरत है। उन्होंने दिल्ली में केजरीवाल के इस्तीफे और नई मुख्यमंत्री के शपथ लेने संबंधी एक सवाल के जवाब में कहा कि श्री केजरीवाल को बहुत पहले ही इस्तीफा दे देना चाहिए था, राजनीति में भी गरिमा होती है।

पट्टीदारों के नाम करेंगे पंचायत की जमीनें : सीएम सैनी

चंडीगढ़, 21 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने शनिवार को भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) प्रत्याशी कुलवंत बाजीगर के समर्थन में गुहला चीका विधानसभा में आयोजित नॉन-स्टॉप विकास, भाजपा पर विश्वास जन आशीर्वाद रैली में कहा कि सरकार बनते ही पहले सत्र में पट्टीदारों को पंचायत की जमीनें नाम करने की घोषणा की जाएगी।

श्री सैनी ने यह भी घोषणा की कि पंचायत की जमीन पर बसे घरों को भी उनके मालिकों के नाम कर दिया जाएगा। रैली में मुख्यमंत्री कांग्रेस पर भी बरसे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने हिमाचल में भी महिलाओं को 1500 रुपये हर माह और 300 यूनिट बिजली फ्री देने का वादा किया जो आज तक पूरा नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि पांच अक्तूबर को भाजपा को आशीर्वाद दीजिए, बाकी काम मुझ पर छोड़ दीजिए। रैली में कुरुक्षेत्र सांसद नवीन जिंदल, जिला अध्यक्ष मनीष कठवास, विधानसभा प्रभारी जसवंत पठानिया व विधानसभा संयोजक शीशपाल उपस्थित रहे।

इससे पूर्व सीवन के दशहरा ग्राउंड में जनआशीर्वाद रैली का आयोजन किया गया। इस रैली में मुख्यमंत्री नायब सैनी ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस दौरान मुख्यमंत्री नायब सैनी कांग्रेस और आप पर जमकर बरसे। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जब वे सीएम बने तो कांग्रेस के लोग बोलते थे कि केवल घोषणाएं ही हो रही हैं। परंतु उनके 56 दिन का कार्यकाल हुड्डा के 10 साल

कांग्रेस है झूठ का पुलिंदा, जनता इस पर न करे विश्वास

परिवारवाद में फंसी है कांग्रेस पार्टी, यही सबसे बड़ी कमजोरी

के कार्यकाल पर भारी साबित हुए है। अभी कुछ दिन पहले ही कांग्रेस ने अपना घोषणा पत्र जारी किया है। यह घोषणा पत्र झूठ का पुलिंदा है। इसलिए वे जनता से अपील करते हैं कि इस पर विश्वास न करें। यह जो घोषणा पत्र जारी किया है। इसकी स्क्रिप्ट दो साल पहले ही राहुल गांधी और मल्लिका अर्जुन खरगे ने लिखी थी। यह हिमाचल प्रदेश में भी लागू हुई, लेकिन दो साल बाद भी इसे पूरा नहीं किया गया है। कांग्रेस के हालात 100 रुपये में चटाई बेचने वाले के जैसे हैं। केजरीवाल पर भी सीएम ने कहा कि केजरीवाल ने कोर्ट के दबाव में अपने पद से इस्तीफा दिया है। क्योंकि कोर्ट ने जमानत देने के लिए मुख्यमंत्री पद छोड़ने की शर्त रखी थी। अब दिल्ली में भ्रष्टाचार करने के बाद वे हरियाणा में आ चुके हैं। पंजाब में भी खूब भ्रष्टाचार चल रहा है। कहा कि अभी तक उन्होंनें ट्रेलर दिखाया है। आठ अक्तूबर को तीसरी बार सरकार बनने के बाद पूरी फिल्म दिखा देंगे। इससे पहले भिवानी के हुडा ग्राउंड में आयोजित विजय संकल्प रैली में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने भाजपा प्रत्याशी घनश्याम सर्राफ के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने रैली में उपस्थित जनसमूह को सरकार की उपलब्धियों और योजनाओं के बारे में अवगत कराया, साथ ही विपक्षी कांग्रेस पार्टी पर तीखे हमले किए। मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि जहां भी हम जा रहे हैं, हमें जनता का भरपूर समर्थन और प्यार मिल रहा है। लोगों ने तीसरी बार भाजपा की सरकार बनाने का फैसला कर लिया है। उन्होंने विपक्षी नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा पर परिवारवाद का आरोप लगाते हुए कहा कि भूपेंद्र हुड्डा को अपने बेटे के अलावा कोई और दिखाई नहीं देता। वह परिवारवाद में उलझ गए हैं, और यही कांग्रेस की सबसे बड़ी कमजोरी है। परिवारवाद से न केवल देश बल्कि मानवता को भी नुकसान पहुंच रहा है। मुख्यमंत्री ने भाजपा की विकास योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि उनकी सरकार ने प्रदेश के हर वर्ग के लिए कल्याणकारी योजनाओं का सफलतापूर्वक क्रियान्वयन किया है। उन्होंने कहा कि जनता को भाजपा की नीतियों पर भरोसा है और यही विश्वास तीसरी बार भाजपा की सरकार बनाएगा।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

बाढ़ आने से तीन प्रखंडों में स्थिति गंभीर, घरों में घुसा पानी

राहत नहीं तो आत्महत्या ही चारा

समस्तीपुर (एजेंसियां)।

समस्तीपुर जिले के विद्यापति नगर, मोहिउद्दीन नगर, पटोरी और मोहनपुर प्रखंड के 25 पंचायत में बाढ़ की स्थिति और गंभीर हो गई है। गंगा दियारा के इलाकों में घरों के अंदर तीन से चार फीट तक पानी बह रहा है, जिससे लोग सुरक्षित स्थानों की ओर पलायन कर रहे हैं।

विद्यापतिनगर प्रखंड की चार पंचायतों बाजितपुर, मऊ धनेशपुर दक्षिण, बालकृष्णपुर मड़वा व शेरपुर के इलाकों, खासकर दियारा क्षेत्र में बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है। शेरपुर गांव के अधिकतर घरों में तीन से चार फीट तक पानी लग गया है, जिसका रंग लोग घर द्वार को छोड़कर ऊंचे स्थानों पर शरण लिए हुए हैं।

शेरपुर गांव के वार्ड प्रभावित अरविंद कुमार बताते हैं कि पिछले चार दिनों से

लोग बाढ़ की पीड़ा झेल रहे हैं। लेकिन अब तक इन लोगों के पास कोई सरकारी सहायता नहीं पहुंचा है। लोग बाढ़ के पानी में फंसे हुए हैं। नोखा खाना है कि ऐसी स्थिति रही तो आत्महत्या ही चारा बचेगा। मोहिउद्दीन नगर प्रखंड के रामपुर पतसिया पूर्वी, रामपुर पतसिया पश्चिमी, बोचहा, दुबहा, महमदीपुर, कुरसावा,तेतारपुर व हरैल पंचायत के विभिन्न वार्ड पूर्णतः बाढ़ की चपेट में है। इस इलाके की 39 स्कूलों को भी बढ़ के कारण बंद कर दिया गया है। स्कूलों में पानी घुसा हुआ है।

दूसरी ओर मोहनपुर प्रखंड के धरनी पट्टी हरदासपुर सरसावा जहैंगरा, बघरा, डुमरी दक्षिणी, डुमरी उत्तरी,जलालपुर, बिशनपुर बेरी, मेटियोर और राजपुर गांव पूरी तरह से बात की चपेट में है इन इलाकों का सड़क संपर्क भी भंग हो चुका है लोगों के पास सिर्फ नव ही सहारा बचा है इलाके में सरकारी रिकॉर्ड के अनुसार 20 नावों का परिचालन हो रहा है।

उधर एक दिन पूर्व डीएम रोशन कुशवाहा द्वारा बाढ़ प्रभावित इलाके का दौरा किया गया था जिसके बाद बाढ़ प्रभावित पंचायत में स्थानीय जनप्रतिनिधियों के सहयोग से बचाव और राहत कार्ड शुरू किया गया है सुरक्षित स्थानों पर कम्युनिटी किचन की भी शुरुआत कर दी गई है। हालांकि अभी भी कई जगहों पर रहता कार्ड शुरू नहीं हो पाया है जिस कारण लोगों में आक्रोश व्याप्त है।

इस बाबत बिहार सरकार में जल संसाधन सह संसदीय कार्य मंत्री व सरायरंजन विधानसभा के विधायक विजय कुमार चौधरी ने जिलाधिकारी रौशन कुशवाहा से बात कर बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में उत्पन्न आपदा की स्थिति के मद्देनजर लोगों को सभी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है।

खतरे के निशान के ऊपर पहुंची हरोहर

कई घरों में घुसा बाढ़ का पानी, निचले इलाके के लोग करने लगे पलायन

पटना (एजेंसियां)।

गंगा नदी में जलस्तर बढ़ने से शुक्रवार को अचानक सहायक हरोहर नदी की धारा उल्टी बहनी लगी है। हरोहर नदी के विकराल रूप देखकर इसके किनारे बसे लोग सहमें हुए हैं। नदी का पानी लोगों के घरों में प्रवेश करने लगा है। आलापुर गांव के पास पानी सड़कों पर बह रहा है। इससे भयभीत ग्रामीण समान पशुओं को लेकर सुरक्षित स्थानों पर जाने को मजबूर हो गए हैं। घरों में पानी घुसने तथा फसल डूबने से उनके चेहरे पर चिंता की लकीरें स्पष्ट दिख रही हैं। घाटकुसुम्भा प्रखंड के पानापुर, डीहकुसुम्भा, भदौसी, माफो, गगौर पंचायत के कई इलाकों में हरोहर नदी का जलस्तर बढ़ने से अकरपुर, गदबदिया, सुजावलपुर, पानापुर, प्राणपुर, जितपुरपुर, महम्मदपुर, हरनामचक, आलापुर, बटौरा, मुरबरीया, सहरा, गुरेरा, घाटकुसुम्भा, कोयला, बाउंघाट गांव के निचले हिस्से में पानी प्रवेश कर गया है। किसानों द्वारा लगाए गए धान, मक्का, अरहर जैसी फसल पानी में डूबने लगी है। हरोहर नदी के जलस्तर में वृद्धि हो रही है। आशंका है कि देर रात तक कई गांव का मुख्यालय से संपर्क कट जायेगा।

गदबदिया, सुजावलपुर, अकरपुर के साथ-साथ पानापुर पंचायत के सभी गांव चारों तरफ से पानी से घिरे हैं। इसकी वजह से घाटकुसुम्भा प्रखंड के सबसे निचले क्षेत्र पानापुर पंचायत में स्थिति बिगड़ सकती है। पानापुर के किसान और सामाजिक कार्यकर्ता शाहिद पासवान ने बताया कि नदी के सोतों से पानी आने की वजह से पानापुर गांव के अनुसूचित टोला का रास्ता बंद हो गया है। इस रास्ते में नदी का पानी आ जाने से 50 से अधिक परिवारों को घूमकर वैकल्पिक रास्ता अपनाना पड़ रहा है।

नदी में पानी बढ़ने से नदी किनारे के खेतों में मक्का की फसलों में पानी घुसने लगा है। हरोहर नदी में नीचे से पानी बढ़ने की वजह से यह स्थिति निचले क्षेत्र पानापुर से लेकर ऊपर कोयला, गदबदिया, घाटकुसुम्भा, सुजावलपुर तक एक समान है।

निरीक्षण के क्रम में पाया गया कि हरोहर नदी के जलस्तर में निरंतर वृद्धि हो रही है, जिससे कि संबंधित अंचल अंतर्गत पानापुर, डीहकुसुंभा पंचायत मुख्य रूप से प्रभावित होने की आशंका है। संबंधित पदाधिकारियों को जलस्तर पर निरंतर निगरानी रखने को बोला गया है। जांच में पाया गया कि प्राथमिक विद्यालय धानुक टोला ,घाटकुसुम्भा, प्राथमिक विद्यालय सुजावलपुर, उच्च मध्य विद्यालय पानापुर के प्रांगण में नदी का पानी अंदर आ गया है, जिससे कि विद्यालय में पठन पाठन प्रभावित हुआ है। साथ ही संभावित खतरे को भी ध्यान में रखते हुए एहतियाती कदम उठाने पर विचार किया जा रहा है। जल संसाधन विभाग के कार्यपालक अभियंता को नदी के तटबंधों पर विशेष चौकसी बरतने को कहा है। साथ ही जरूरत पड़ने पर सामुदायिक किचन एवम अन्य राहत सामग्रियों के वितरण हेतु भी जिला आपदा प्रबंधन पदाधिकारी को तैयार रहने को कहा गया है। पशुपालन पदाधिकारी को जानवरों के लिए भी कैंप की व्यवस्था करने को कहा गया है । स्वास्थ्य विभाग को भी अलर्ट मोड पर तैयार रखा गया है।

पूर्वजों की पाकिस्तान में हुई मौत

अब गयाजी में मोक्ष के लिए पिंडदान कर रहे वंशज

पटना (एजेंसियां)।

गयाजी में विश्व प्रसिद्ध पितृपक्ष मेला के दौरान देश-विदेश के कोने-कोने से लाखो की संख्या में हिंदू सनातन धर्मावलंबी यहां आकर अपने पितरों का मोक्ष, सद्गति, उद्धार के लिए तर्पण, पिंडदान और श्राद्धकर्मो को पूरा करते है।

ऐसी मान्यता है कि यहां पिंडदान और तर्पण करने से पितरों को मुक्ति मिल जाती है। वहीं भारत पाकिस्तान के बंटवारा के समय लाखो लोग पाकिस्तान से भारत में लौटे थे और कुछ लोग पाकिस्तान से भारत नही लौट पाए थे। गया में चल रहे पितृपक्ष मेला के दौरान पिंडदान करने पहुंचे हरियाणा के जिंद के रहने वालो का पूर्वज पाकिस्तान के मुल्तान जिले के तमन गांव के रहने वाले थे। वहीं उनकी मौत हो गई थी। इनके पूर्वज पाकिस्तान के मूल निवासी थे। अब उनके परिजन अपने पूर्वजों की आत्मशांति के लिए गया में पिंडदान करने पहुंचे है।

इस संबंध में लवली भारद्वाज ने बताया कि उनके पूर्वज जो पाकिस्तान में रहते थे। उनकी इच्छा थी कि मरने के बाद मुक्ति के लिए उनका पिंडदान गयाजी में हों। वहीं उनकी अंतिम इच्छा को पूरा करने गया पहुंचे हैं। इसके लिए खुद को भाग्यशाली मानते हुए कहा कि यह मौका मिला है। मान्यता है कि यहां पिंडदान करने से पितरों को मुक्ति मिलती है। वहीं बंटवारा के समय कई लोग भारत नही लौट सके। अभी भी पाकिस्तान में है। उनकी भी गया में पिंडदान की इच्छा होती होगी।

वहीं हरिवंश लाल ने बताया कि उनके पूर्वज पाकिस्तान में रहते थे। जहां उनका निधन हुआ। उनका पिंडदान करने पहली बार गया पहुंचे हैं।

तिलक भारद्वाज ने बताया कि उनके दादा और आगे के पूर्वज पाकिस्तान में ही रहते थे। बंटवारा के साथ उनके पिता हरियाणा के जिंद में आकर रहने लगे। अपने पूर्वज और सगे संबंधियों के मुक्ति के लिए वह पहली बार गया पहुंचे है। जहां 4 अलग-अलग पिंडवेदियो पर पिंडदान, तर्पण और कर्मकांडो को पूरा कर रहे है। जिला प्रशासन के द्वारा की गई व्यवस्थाओं को सराहा है।

वहीं गयापाल पंडा दुर्गा ने बताया कि हमारे पूर्वज भी हरियाणा और पाकिस्तान के कुछ हिस्से के लोगो को गया आने पर पिंडदान और तर्पण करवाते थे। हमलोग भी अपने पूर्वजों के रास्ते पर चल कल उनसभी जगहों से आने वाले लोगो का पिंडदान करवाते है।

ऐसे ही एक परिवार हमारे पास हरियाणा के जिंद से पहुंचे है। जिनके पूर्वज पाकिस्तान में रहते थे और उनके पूर्वजों की मृत्यु पाकिस्तान के मुल्तान जिले में हुई थी।

अब उनके वंशज के लोग गया जी में अपने पूर्वजों के नाम से पिंडदान करने पहुंचे है। ताकि उनके पूर्वजों को मोक्ष की प्राप्ति हो सके। वही बताया की इनके पूर्वजों की इच्छा थी की हमारा पिंडदान गया जी में हो और उसी इच्छा को पूरा करने के लिए यह लोग गया पिंडदान करने आए हुए है।

फ्रांस के राजदूत पहुंचे सीताकुंड, पिंडदान देखा, तर्पण के बारे में जानकारी ली

पटना (एजेंसियां)।

फ्रांस के भारत में राजदूत महामहिम थिएरी मथौ पिछले 19 सितंबर से 22 सितंबर तक बिहार के दौरे पर हैं। वह आज पितृपक्ष मेला को नजदीक से देखने पहुंचे। सरकार एवं प्रशासन द्वारा पितृपक्ष मेला के अवसर पर कैसे और किस प्रकार तैयारी पिंडदानियों के लिए करते हैं? इसे देखने की इच्छा उन्होंने जाहिर की। इसके बाद जिला प्रशासन की टीम उन्हें गया के सीताकुंड लेकर गई। सीताकुंड पहुंचकर पिंडदानों द्वारा किए जा रहे तर्पण को राजदूत ने देखा और समझा कि किस प्रकार से वह तर्पण करते हैं? जिला पदाधिकारी गया डॉ. त्यागराजन एसएम ने उन्हें पितृपक्ष मेला के अवसर पर देश विदेश के कोने-कोने से आने वाले सभी तीर्थ यात्रियों के लिए राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन द्वारा दिए जाने वाले सुविधाओं के बारे में उन्हें बिंदुवार अवगत कराया। जिला पदाधिकारी ने बताया कि वर्ष 2022 के पहले तीर्थ यात्री नदी में अर्थात बालू पर बैठकर पिंडदान करते थे।

चूंकि फल्गु नदी पितृपक्ष मेला अवधि में ज्यादातर सूखी रहती थी, परंतु मुख्यमंत्री ने वर्ष 2022 में गया जी डैम का निर्माण कराया। इसके बाद व्यवस्था की गई कि सालों भर इस नदी में पानी रहे। इस भगीरथ प्रयास से सभी तीर्थयात्री काफी प्रसन्न दिखे हैं। जो उन्हें अपने पूर्वजों के तर्पण करने के लिए फल्गु का पानी मिल रहा है।

उन्होंने बताया कि तीर्थ यात्रियों को देवघाट से सीता कुंड जाने के लिए काफी लंबा रास्ता तय करना पड़ता था। इसे देखते हुए उन्होंने गया जी डैम को पूल से जोड़ते हुए सीतापथ का निर्माण करवाया जहां लोग अब आसानी से देवघाट से सीता कुंड जा सकते हैं। उन्होंने बताया कि साल दर साल तीर्थ यात्रियों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है, इसलिए राज्य सरकार द्वारा हर वर्ष व्यवस्थाओं का आयाम लाया जा रहा है। इस वर्ष मुख्यमंत्री द्वारा विष्णुपथ का लोकार्पण किया गया। इस पथ के निर्माण होने से तीर्थयात्री जाम की समस्या से बचते हुए बाईपास पुल से सीधे घाट पर आ रहे और मंदिर दर्शन भी कर रहे।

मुख्यमंत्री के भगीरथ प्रयास के कारण गया एवं बोधगया के हर घरों तक एवं सभी पिंड वेदी स्थल पर गंगाजल पहुंचाया गया है। जिससे लोग काफी प्रसन्न है। इसके अलावा इस वर्ष गंगाजल को पैकेजिंग कराकर तीर्थ यात्रियों के बीच उपहार स्वरूप वितरण कराया जा रहा है। फ्रांस के भारत में राजदूत थिएरी मथौ ने इन सभी कार्यो को देख कर मुख्यमंत्री एवं राज्य सरकार के प्रति आभार प्रकट किया है साथ ही उन्होंने जिला पदाधिकारी एव अन्य प्रशासनिक एवं पुलिस पदाधिकारी के प्रति प्रशंसा व्यक्त करते हुए कहा कि इतनी बड़ी भीड़ की संख्या को कंट्रोल करना काफी बखूबी रूप से किया जा रहा है। नदी के पानी को लगातार साफ करने की व्यवस्था इसके अलावा घाट में निरंतर हो रही सफाई पर भी उन्होंने खुशी जाहिर किया है। तीर्थ यात्रियों को कहीं कोई असुविधा नहीं हो इसके लिए घाट पर पुलिस बल भी लगातार यात्रियों को गाइड कर रहे हैं, जो अति बुजुर्ग तीर्थ यात्री हैं उन्हें व्हीलचेयर के माध्यम से सोशल वर्कर्स द्वारा उन्हें सहायता दी जा रही है। इसके अलावा मेडिकल टीम भी लगातार उनकी सेवा में लगी है। इन सभी चीजों को देखकर राजदूत में काफी प्रशंसा व्यक्त किया है एवं सफल तरीके से यह मेला सम्पन्न होने के लिए उन्होंने शुभकामनाएं दिया है।

जमीन विवाद में छात्र की गोली मारकर हत्या

सीतामढ़ी (एजेंसियां)।

सीतामढ़ी जिले के रीगा में जमीन विवाद में 16 वर्षीय छात्र की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। मामला रीगा थाना अंतर्गत भवदेपुर चैनपुरा गांव की है। जहां शुक्रवार शनिवार की दरमियानी रात करीब 1:30 बजे सोए अवस्था में 16 वर्षीय छात्र को गोली मारकर हत्या कर दी गई। बताया जा रहा है कि जमीन विवाद में अपने ही पटीदारों के द्वारा ही गोली मारकर हत्या की गई है। घटना के बाद से गांव में दहशत का माहौल है। चारो तरफ अफरा तफरी मची हुई है। वहीं, घटना की सूचना पर पहुंची रीगा थाना की पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम करने के बाद परिजनों को सौंप दिया है।

इधर, घटना की सूचना पर वरीय अधिकारी डीएसपी सदर रामकृष्ण भी मौके पर पहुंचकर मामले की पड़ताल में जुट गए हैं। वहीं, मृतका के मां के बयान पर मामले की छानबीन की जा रही है। मृतक की पहचान चैनपुरा गांव निवासी स्वर्गीय सुखलू सिंह के 16 वर्षीय पुत्र सोनू कुमार के रूप में की गई है। बीती रात प्रतिदिन की तरह खाना खाने के बाद अपने घर बरामदे पर सोया हुआ था। इसी दौरान अज्ञात बदमाशों ने सोए अवस्था में ही उसकी गोली मारकर हत्या कर दी।

वहीं, मृतक के मां के बयान पर पुलिस मामले की जांच कर रही है। फिलहाल, पुलिस के द्वारा इस मामले में शक के आधार पर चार लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ किया जा रहा है।

पूर्णिया पुलिस की बड़ी कार्रवाई : फर्जी कंपनी चलाकर लाखों की ठगी करने वाला शातिर ठग गिरफ्तार

पूर्णिया (एजेंसियां)।

पूर्णिया पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई में एक शातिर ठग को गिरफ्तार किया है, जिसने फर्जी पहचान के आधार पर कई युवकों और युवतियों से लाखों रुपये की ठगी की थी। आरोपी के पास से चार फर्जी आधार कार्ड और सीबीआई का फर्जी पहचान पत्र भी मिला है। आरोपी का नाम अजय कुमार है, जो यूपी के गाजीपुर जिले के कादीपुर वार्ड 38 का निवासी है। उसने अपनी फर्जी कंपनी ''एकम किसान हट प्राइवेट लिमिटेड'' के नाम पर कई युवकों और युवतियों से लाखों रुपये की ठगी की।

पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा है और आगे की जांच की जा रही है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। आरोपी ने अपनी फर्जी कंपनी के नाम पर कई युवकों और युवतियों को नौकरी देने के नाम पर ठगी की। उसने अपनी कंपनी में बहाली के नाम पर साक्षात्कार आयोजित किया और आकर्षक वेतन का लालच देकर लोगों से पैसे वसूले। पुलिस ने बताया कि आरोपी का संबंध साइबर क्राइम गिरोह के सदस्यों के साथ हो सकता है। पुलिस जल्द ही सीतामढ़ी और यूपी जाएगी और आरोपी के साथियों की गिरफ्तारी की कोशिश करेगी।पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच की जा रही है। पुलिस ने आरोपी के पास से मिले फर्जी दस्तावेजों को भी जब्त कर लिया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com